THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

विदेश मंत्री ने बताया क्वॉड क्यों है बेहद अहम बिना नाम लिए चीन पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित हो रहे रायसीना डायलॉग कार्यक्रम के दौरान बताया कि आज के समय में क्वॉड की क्या अहमियत है। उन्होंने कहा कि क्वॉड का गठन बहुध्रुवीय व्यवस्था के विकास और शीत युद्ध के बाद की सोच को दर्शाता है। विदेश मंत्री ने कहा कि क्वॉड क्यों अहम है? इसका सीधा सा जवाब है कि ये पूरी दुनिया के हित में है। क्वॉड का गठन वैश्विक व्यवस्था में बदलाव से प्रेरित है, जो समान विचारधारा वाले देशों के बीच ज्यादा से ज्यादा समन्वय को प्रेरित करता है।

वर्ष-28 अंक : 338 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.1 2080 रविवार, 25 फरवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

मोदी ने सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना लॉन्च की

देशभर में अनाज स्टोरेज बनाए, 11 राज्यों में 11 एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी बनकर तैयार

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने आज (24 फरवरी) सहकार से समृद्धि कार्यक्रम के तहत दुनिया की सबसे बड़ी सहकारी अनाज भंडारण योजना के पायलट प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस स्कीम के तहत देशभर में अनाज स्टोरेज बनाए गए हैं। इसे 11 राज्यों की 11 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी (पीएसीएस) में संचालित किया जा रहा है।

इस पहल के तहत प्रधानमंत्री ने गोदामों और कृषि से जुड़ी अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए देशभर में अतिरिक्त 500 पीएसीएस की आधारशिला भी रखी। ये कार्यक्रम दिल्ली में भारत मंडपम में आयोजित किया गया था। पीएसीएस का मकसद गोदामों को खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के साथ निर्बाध रूप से एकीकृत करना और खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाना। प्रधानमंत्री देश भर में 18 हजार पीएसीएस में कम्प्यूटरीकरण के लिए परियोजना का उद्घाटन भी करेंगे। केंद्र ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 2,500 करोड़ रुपये के बजट की मंजूरी दी है।

इस परियोजना का उद्देश्य पीएसीएस को नाबार्ड के साथ जोड़कर उनकी संचालन करना है। इस तरह करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को लाभ होगा। नाबार्ड ने इस परियोजना के लिए राष्ट्रीय स्तर का कॉमन सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जो देश भर में पीएएससी की कई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 फरवरी को जम्मू का दौरा किया था। उन्होंने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्घाटन किया। >14

प्रधानमंत्री मोदी ने कैबिनेट मंत्रियों से मांगा 100 दिन का प्लान, 3 मार्च तक का दिया समय

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। विपक्षी पार्टियां जहां लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन बनाने में ही जुटे हुए हैं, वहीं भाजपा अपनी जीत को लेकर इतनी आश्वस्त है कि पीएम मोदी ने अपने कैबिनेट मंत्रियों से अगले 100 दिन की कार्य योजना मांगी है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि 3 मार्च की कैबिनेट की बैठक में मंत्री अपनी-अपनी कार्य योजना को पेश करें। 21 फरवरी को मोदी सरकार की कैबिनेट की बैठक हुई थी, उसी बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों को 100 दिन की कार्य योजना देने का निर्देश दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मंत्रियों को कहा गया है कि वे गहन विचार-विमर्श और अनुभवी नौकरशाहों और विशेषज्ञों के साथ चर्चा के बाद इस कार्य योजना को तैयार करें। मंत्रियों को कहा गया है कि कार्य योजना अच्छी तरह से उल्लेखित होना चाहिए, जिस पर एक्शन लिया जा सके।

कांग्रेस होती तो आज भी 15 पैसे ही पहुंचते : मोदी

रायपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए छत्तीसगढ़ में 34,427 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें बिलासपुर में 303 करोड़ से बने फ्लाई ओवरब्रिज, भिलाई में 280 करोड़ की लागत से बने 50 मेगावॉट सोलर प्लांट, रायगढ़ में एनटीपीसी के 16 सौ मेगावॉट के सुपर थर्मल स्टेशन का लोकार्पण और फेज-टू का शिलान्यास शामिल हैं।

रायपुर के इनडोर स्टेडियम में आयोजित 'विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़' कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय, मंत्री रामविचार नेताम, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल मौजूद रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार होती तो आज भी 1 रुपए में से 15 पैसे ही जनता तक पहुंचते। उन्होंने कहा कि सोलर ऊर्जा के जरिए हम देश के हर घर को सूर्य घर बनाना चाहते हैं। इसके लिए सरकार की ओर से पूरी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय जोहार से अपना संबोधन शुरू किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के 90 से ज्यादा स्थानों से जुड़े सभी लोगों को अभिनंदन करता हूं। विधानसभा चुनाव में आपने हम सभी को बहुत आशीर्वाद दिया है। आपके इसी आशीर्वाद का परिणाम है कि आज हम विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आपके बीच में हैं। भाजपा ने बनाया है, भाजपा ही संवारेगी, ये बात आज इस आयोजन से और पुष्ट हो रही है। विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण गरीब, किसान, युवा और नारी शक्ति के सशक्तिकरण से होगा। >14

ईडी के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

पूछा-समन को लेकर इतनी बेचैनी क्यों

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर करने पर तमिलनाडु सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किए है। गौरतलब है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने अवैध रेत खनन मामले की जांच के सिलसिले में वेल्लोर, तिरुचिरापल्ली, करूर, तंजावुर और अरियालुर के जिला कलेक्टरों को तलब किया था।

राज्य सरकार ने अधिकारियों के साथ मद्रास हाईकोर्ट का रुख किया था, जिसने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी समन पर रोक लगा दी थी। इसको लेकर जांच एजेंसी ने आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था। पीठ ने तमिलनाडु सरकार के वकील से पूछा कि राज्य यह रिट याचिका कैसे दायर कर सकता है। किस कानून के तहत। आप हमें बताएं कि राज्य की रुचि कैसे है और वह प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ यह रिट याचिका कैसे दायर कर सकता है। पीठ ने कहा कि अधिकारियों को ईडी के साथ सहयोग करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से नोटिस जारी तक तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा है। कोर्ट ने 26 फरवरी को सुनवाई के लिए यह याचिका सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

गौरतलब है कि मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के जिला कलेक्टरों को ईडी द्वारा जारी किए गए समनों के संचालन पर रोक लगा दी थी। ईडी ने 2002 में तमिलनाडु में दर्ज कई एफआइआर और प्राप्त जानकारी पर पीएमएलए के तहत जांच शुरू की थी।

दिल्ली में 4 सीटों पर आप, 3 पर कांग्रेस लड़ेगी

हरियाणा-गुजरात-गोवा-चंडीगढ़ में भी गठबंधन, पंजाब में दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच लोकसभा सीटों का बंटवारा शनिवार को फाइनल हो गया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी 4 और कांग्रेस 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

गुजरात की 26, हरियाणा की 10, गोवा की 2 और चंडीगढ़ सीट के लिए भी शेयरिंग फॉर्मूला फाइनल हो गया है। कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक और आप लीडर संदीप पाठक ने शनिवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पंजाब में दोनों पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। गुजरात की भरूच कांग्रेस ने आप को दे दी। इसको लेकर अहमद पटेल की बेटी मुमताज ने एक्स पर लिखा, जिले के कार्यकर्ताओं से माफी चाहती हूं कि गठबंधन में हम भरूच सीट को अपने लिए नहीं रख पाए। इसका मुझे खेद है। हम अहमद पटेल को नहीं भूलेंगे। केजरीवाल ने जनवरी में गुजरात यात्रा के दौरान राज्य की भरूच लोकसभा सीट पर चैतर वसावा को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था। भरूच सीट से कांग्रेस के नेता अहमद पटेल सांसद थे। उनका 2020 में निधन हो चुका है। पटेल के बेटे और बेटी इसी सीट से टिकट मांग रहे थे।

पंजाब की सभी 13 सीटों पर कांग्रेस-आप अलग-अलग लड़ेंगी :

पंजाब की 13 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस और आप में सहमति नहीं बनी। आप और कांग्रेस सभी सीटों पर अलग-अलग ही चुनाव लड़ेंगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में 10 फरवरी को इसका ऐलान भी किया था। उन्होंने 21 फरवरी को कहा था- पंजाब में अकेले लड़ने के फैसला जीतने के लिए किया है।

शरद पवार ने लॉन्च किया पार्टी का नया चुनाव चिह्न

नेता बोले-तुरुही विरोधियों में डर बढ़ाएगा

मुंबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार को चुनाव आयोग ने नया चुनाव चिह्न दे दिया है। उन्हें 'तुरुही बजाता हुआ व्यक्ति' चुनाव निशान आवंटित किया गया है। पार्टी ने आज अपना चुनाव चिह्न लॉन्च किया है। राकांपा शरदचंद्र पवार के नेता महेश तापसे ने बताया, पार्टी का नया चिह्न शरद पवार की उपस्थिति में रायगढ़ के किले में लॉन्च किया गया है। पार्टी का नया चिह्न 'तुरुही बजाता हुआ व्यक्ति' है। महाराष्ट्र में 'शरद पवार की तुतरी' बजते ही विरोधियों के दिलों में डर पैदा हो जाएगा।

राकांपा शरदचंद्र पवार के नए चुनाव चिह्न पर पार्टी के नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के नेता रोहित पवार ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि जनता शरद पवार को लेकर बहुत भावुक हैं। उन्होंने कहा, साल 1999 में जब राकांपा का गठन हुआ था, तब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं था। लेकिन जनता ने उस चुनाव में शरद पवार को याद रखा था। अब हमारे पास सोशल मीडिया और पार्टी कार्यकर्ता भी हैं और पिछले छह महीनों में जनता शरद पवार को लेकर बहुत भावुक हुई है। जनता उनका समर्थन करेगी। आगामी चुनाव को लेकर हमें कोई परेशानी नहीं है। दरअसल, अजित पवार की बगावत के बाद असली पार्टी का फैसला उनके पक्ष में किया गया था, जिसके चलते शरद गुट को नया चुनाव निशान देना पड़ा है।

आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव : टीडीपी-जेएसपी गठबंधन ने जारी की 118 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

अमरावती, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए तेलुगुदेशम पार्टी (टीडीपी) और जन सेना पार्टी (जेएसपी) के गठबंधन ने आंध्र प्रदेश की राजनीति में पहली बार 118 नामों के साथ उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की।

इन 118 उम्मीदवारों में से सबसे ज्यादा टीडीपी के 94 उम्मीदवार हैं, जबकि जन सेना पार्टी 24 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। टीडीपी की सूची में 94 में से 23 नए लोगों को मैदान में उतारा जाएगा।

टीडीपी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायुडू और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने शनिवार को अमरावती में इसका ऐलान किया। राज्य विधानसभा में कुल 175 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए कम से कम 88 सीटों की जरूरत पड़ेगी। आंध्र प्रदेश विधानसभा के लिए चुनाव जल्द ही होने वाले हैं। तेलुगुदेशम पार्टी और जन सेना पार्टी इस बार गठबंधन करके मैदान में उतरने जा रही हैं।

आंध्र प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 11 जून 2024 को समाप्त होने वाला है। पिछला विधानसभा चुनाव अप्रैल 2019 में हुआ था। तब वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने राज्य में सरकार बनाई थी। वाईएस जगन मोहन रेड्डी वहां के मुख्यमंत्री बने थे।

नायुडू ने गठबंधन को संघ राज्य के भविष्य के लिए पहला कदम बताया

टीडीपी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायुडू ने टीडीपी-जनसेना गठबंधन पर उंदावल्ली में अपने आंध्र प्रदेश निवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, यह संघ राज्य के भविष्य के लिए है। यह एक महान प्रयास के लिए पहला कदम है। 175 विधानसभा क्षेत्रों में से शेष 57 के लिए सीट बंटवारे की व्यवस्था की घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। इस गठबंधन के हिस्से के रूप में जनसेना राज्य की कुल 25 में से तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। टीडीपी सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में संभावित चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए बीजेपी के साथ चर्चा चल रही है।

दूसरी तरफ वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने 113 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। फिलहाल राज्य में अगले कुछ महीनों में विधानसभा और लोकसभा चुनाव होने की वजह से सियासी दलों में तैयारियां तेजी से जारी है।

जुलाई से लागू होंगे तीन नए आपराधिक कानून गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए एक जुलाई से तीन नए कानून लागू होंगे। ये तीन कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं।

तीनों कानूनों को पिछले साल 21 सितंबर को संसद से मंजूरी मिली थी। उसके बाद 25 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उन्हें मंजूरी दी थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) की ओर से तीन अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। इनके मुताबिक नए कानूनों के प्रावधान एक जुलाई से लागू होंगे। ये कानून औपनिवेशिक काल की भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह लेंगे। तीनों कानूनों का मकसद विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं को परिभाषा देकर देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है।

हमें मोहब्बत की दुकान खोलनी है तो सबसे पहले भाई को भाई से गले मिलना है : राहुल गांधी

मुरादाबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हमें मोहब्बत की दुकान खोलनी है तो सबसे पहले भाई को भाई से गले मिलना है। राहुल गांधी ने शनिवार को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान आयोजित जनसभा में कहा कि यहां पर एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाया जाता है। एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाया जाता है। एक भाषा को दूसरी भाषा से लड़ाया जाता है। हमें मोहब्बत की दुकान खोलनी है तो सबसे पहले भाई को भाई से गले मिलना है। यह देश को जोड़ता है। देश को तोड़ता नहीं है। नफरत का बाजार हम नहीं चलाते हैं। >14

36 प्रतिशत प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले

27 फरवरी को चुनाव, 15 राज्यों का कच्चा चिट्ठा सामने आया

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। संसद में लाखों जनता के प्रतिनिधि बनकर पहुंचने वाले माननीय सांसदों पर भी आपराधिक मामले दर्ज होते हैं। एक नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि राज्यसभा में निर्वाचित होने के लिए उम्मीदवार बने 36 प्रतिशत प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एडीआर ने 15 राज्यों के 58 प्रत्याशियों के शपथ पत्र का विश्लेषण करने के बाद बताया है कि जिन उम्मीदवारों के शपथ पत्र का विश्लेषण किया गया है इनका औसत संपत्ति 127.81 करोड़ रुपये है। चुनाव से जुड़े तथ्यों का अध्ययन करने वाली संस्था- एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार, कुल 59 प्रत्याशी चुनावी रेस में हैं, लेकिन कर्नाटक के कांग्रेस उम्मीदवार जी सी चन्द्रशेखर के शपथ पत्र का विश्लेषण नहीं किया जा सका। स्कैन किए गए दस्तावेजों को पढ़ा नहीं जा सका, इस कारण विश्लेषण में केवल 58 प्रत्याशी ही गिने गए। जिन 36 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें से 17 प्रतिशत व्यक्तियों पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं और एक उम्मीदवार पर हत्या के प्रयास से संबंधित मामले हैं। एडीआर के विश्लेषण के अनुसार, भाजपा के 30 उम्मीदवारों में से आठ (27 प्रतिशत), कांग्रेस के नौ उम्मीदवारों में से छह (67 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल- तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के चार उम्मीदवारों में से एक (25 प्रतिशत), तीन में से दो (67 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी (एसपी) उम्मीदवारों में से एक (33 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) के तीन उम्मीदवारों में से एक (33 प्रतिशत) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के दो उम्मीदवारों में से एक (50 प्रतिशत) प्रत्याशी के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज है। इसके अलावा ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजेडी) के दो उम्मीदवारों में से एक (50 प्रतिशत), और एक (100 प्रतिशत) तेलंगाना में 10 साल तक सत्ता में रही भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवार ने आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। सभी नेताओं ने अपने हलफनामे में खुद के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होना स्वीकार किया है। विश्लेषण के दौरान एडीआर ने उम्मीदवारों की वित्तीय पृष्ठभूमि का भी पता लगाया है। लगभग 21 प्रतिशत उम्मीदवार अरबपति हैं, जिनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है। राज्यसभा उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 127.81 करोड़ रुपये है।

चुनौतियों का सामना करने के लिए सेना के तीनों अंगों में अब बेहतर तालमेल

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। जबकि सैन्य साजो-सामान का निर्यात 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए शनिवार को यह बात कही। रक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सेना के तीनों अंग पहले अलग-अलग रहकर काम करते थे।

लेकिन, अब वे बेहतर समन्वय के साथ मिलकर हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4,35,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की पूंजी अधिग्रहण परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई और सरकार अगले पांच वर्षों में भारत में एयरो इंजन और गैस टर्बाइन जैसी प्रणालियों के उत्पादन का लक्ष्य लेकर चल रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, सरकार सेना, नौसेना और वायुसेना के एकीकरण पर फोकस कर रही है, जो संकट के समय में समन्वय को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, पहले सेना के तीनों अंग अलग-अलग काम करते थे। हमने उनके एकीकरण पर फोकस किया। >14

भारत में अवैध तरीके से रह रहा अफगान नागरिक गिरफ्तार

मुंबई में तीन बांग्लादेशी पकड़े गए

मुंबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-5 ने वडाला इलाके में अवैध तरीके से रह रहे 38 वर्षीय अफगान नागरिक को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि वह अफगान का नागरिक है और 2007 से ही मुंबई में रह रहा है। अफगान नागरिक की पहचान जहीर अली खान के तौर पर की गई है। पुलिस ने उसके पास से अफगान पासपोर्ट, पैनकार्ड और टीकाकरण प्रमाणपत्र जब्त कर लिया है। गिरफ्तार करने के बाद अफगान नागरिक को अदालत के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने 26 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। मुंबई में पार्कसाइट पुलिस ने भारत में अवैध तरीके से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनमें से एक पिछले 25 वर्षों से मुंबई में वैध तरीके से रह रहा है। तीनों बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान 58 वर्षीय यूसुफ सोफान, 52 वर्षीय मोमिनुल्लाक शेख और 69 वर्षीय उमेदुल्लाक नुरुलहक के तौर पर की गई है। पुलिस को संदेह है कि यहां बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक अवैध तरीके से रह रहे हैं। पार्कसाइट पुलिस ने बताया कि इस मामले में उनकी जांच जारी है।

मतदाताओं को पार्टियों के चुनावी वादों की व्यवहारिकता के बारे में जानने का अधिकार : राजीव कुमार

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयोग राजीव कुमार ने शनिवार को बताया कि मतदाताओं को राजनीतिक पार्टियों द्वारा किए गए वादों की व्यवहारिकता के बारे में जानने का अधिकार है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुद्दा न्यायालय में विचाराधीन है।

राजीव कुमार ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को अपने चुनावी घोषणापत्र में वादे करने का अधिकार है और मतदाताओं को यह जानने का पूरा अधिकार है कि ये वादे असली है या नहीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसपर किए गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, प्रवर्तन निदेशालय को सतर्क रहने और नकदी और मुफ्त वस्तुओं के वितरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन को भी ऑललाइन लेनदेन पर नजर रखने को कहा गया है।

फेक न्यूज पर राजीव कुमार ने दिया जवाब :

फेक न्यूज पर सवाल किए जाने पर राजीव कुमार ने कहा, आज फेक न्यूज ऐसे चल रही जैसे कि आज आपने बताया कि चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी है। हालांकि, इस खबर को आधे घंटे के भीतर ही फेक न्यूज बता दिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि कई पार्टियों ने एक ही चरण में चुनाव कराने की मांग की है।

पिछले दो दिनों में राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठक करने के बाद राजीव कुमार ने कहा कि अधिकांश पार्टियों ने उन्हें सूचित किया कि कई पार्टियों ने मतदाताओं को वितरण के लिए धन जमा करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, हमने कई राष्ट्रीय पार्टियों जैसे भाजपा, कांग्रेस और राज्य की पार्टियों जैसे डीएमके, एआईडीएमके से मुलाकात की। उनमें से अधिकांश ने एक चरण में चुनाव कराने की मांग की है।

इसके अलावा पार्टियों ने शराब वितरण और ऑनलइन मोड के माध्यम से रुपये के ट्रांसफर पर रोक लगाने की भी मांग की है। इससे पहले चुनावों में पार्टियों ने एक दूसरे पर मतदाताओं को पैसे या वस्तुओं का वितरण कर उन्हें लुभाने का भी आरोप लगाया था।

शुभेंदु अधिकारी बोले-सिख ऑफिसर को खालिस्तानी नहीं कहा

वीडियो में मेरी आवाज मैन्युफैक्चर्ड; ममता ने आरोप लगाते हुए वीडियो शेयर किया था

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा और पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार (24 फरवरी) को सिख आईपीएस ऑफिसर जसप्रीत सिंह को खालिस्तानी कहने से इनकार कर दिया। शुभेंदु का कहना कि संदेशखाली घटना के वायरल वीडियो में उनकी आवाज और तस्वीर एआई से बनाई गई है। दरअसल, मंगलवार (20 फरवरी) को शुभेंदुअधिकारी और पार्टी नेताओं को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में प्रवेश से रोक दिया गया था।

इसके बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने संदेशखाली जा रहे भाजपा नेताओं का वीडियो शेयर किया था। इसमें भाजपा नेता एक आईपीएस अफसर को खालिस्तानी कहते दिखे थे।

इसे लेकर शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि सिख समुदाय के साथ मेरी शुभकामनाएं। अगर वे साबित कर पाएं कि मैंने उस ऑफिसर के सामने कुछ भी कहा है तो मैं कुछ भी करने के लिए तैयार हूं। वायरल वीडियो में तस्वीर और आवाज मैन्युफैक्चर्ड हैं, मेरा और मेरी पार्टी का इससे कोई लेना देना नहीं है। ममता बनर्जी ने भाजपा नेता का वीडियो शेयर किया था जिसमें शुभेंदु अधिकारी एक आईपीएस अफसर को खालिस्तानी कह रहे हैं। इसके जवाब में अफसर कह रहे हैं- 'मैंने पगड़ी पहनी है, इसलिए आप ऐसा कह रहे हैं। अगर मैंने पगड़ी नहीं पहनी होती, तो क्या आप मुझे खालिस्तानी कहते? आप पुलिस के बारे में जो चाहें कह सकते हैं, लेकिन मेरे धर्म पर कमेंट्स मत करो।' यह अफसर बंगाल पुलिस के इंटेलिजेंस ब्यूरो के स्पेशल सुपरिन्टेंडेंट 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी जसप्रीत सिंह हैं। वीडियो में आईपीएस जसप्रीत सिंह की जिन लोगों से बहस हो रही है उनमें भाजपा विधायक अग्निमित्र पॉल भी शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि आईपीएस सिंह अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे थे। उन्होंने इस आरोप को खारिज किया है कि भाजपा समर्थकों ने सिंह को खालिस्तानी कहा था। उन्होंने ये भी कहा कि सिंह विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं शुभेंदु अधिकारी ने भी इन आरोपों से इनकार किया था। उन्होंने कहा कि संदेशखाली केस से ध्यान भटकाने के लिए टीएमसी यह सब कर रही है। पुलिस अधिकारी समर्थकों को भड़का रहे थे। अगर, टीएमसी को अल्पसंख्यकों की इतनी ही चिंता है, तो उन्हें पहले अपने पार्षद अनन्या बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, जिन्होंने ईसाई समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की है।

50 लाख का सोना, 77 लाख के फोन... कपड़ों में स्प्रे कर शारजाह से लाया था तस्कर

एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

नागपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले कुछ सालों में नागपुर एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के कई मामले सामने आए हैं। एक बार फिर यहां कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने 50 लाख का सोना और 77 लाख की घड़ियों के साथ करोड़ों रुपये का सामान जब्त किया है. जिस व्यक्ति के पास ये सब मिला है, वो शारजाह से लौटा था. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, नागपुर के डॉ. बाबा साहब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल पर एक यात्री को नागपुर कस्टम की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) व एयर कस्टम्स यूनिट (एसीयू) ने पकड़ लिया. जब इस यात्री का बैग खोला गया तो बैग में ढेर सारे कपडे. थे. पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो कुछ शक हुआ. इसके बाद पुलिस ने कपड़ों को कैंची से काटना शुरू कर दिया।

पुलिस ने जैसे ही कपड़ों को काटा तो अफसर हैरान रह गए. कपड़ों के बीच में सोने की परत थी, जिसे स्प्रे करके चिपकाया गया था. कपड़ों पर गोल्ड का स्प्रे करने के बाद कपडे.को सिल दिया गया था. पुलिस ने जब इस सोने की कीमत आंकी तो कुल 50 लाख 70 हजार का सोना मिला है. इसके अलावा यात्री के पास 77 लाख रुपये कीमत के मोबाइल, स्मार्ट वॉच व सेफ्रॉन भी बरामद किया गया है।

पुलिस का कहना है कि एयर अरेबिया की फ्लाइट जी9-415 में सवार मोहम्मद मोगर अब्बास शारजाह से नागपुर आया था. कस्टम विभाग को सोने की तस्करी की सूचना पहले से ही मिल गई थी. इसलिए विभाग की टीम अलर्ट रही. जब मोहम्मद मोगर अब्बास प्लाइट से एयरपोर्ट पर पहुंचा तो अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया और जांच की तो पूरा मामला सामने आ गया. अनोखे तरह से तस्करी का मामला देख अफसर हैरान रह गए. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है.

रोचक खबरें

एक साल में खाते होंगे जितना तेल उतने से शख्स ने बनाया एक पराठा

खाकर हार्ट अटैक आने की है गारंटी!

भारत में इतने प्रकार के पराठे बनाए जाते हैं कि पराठों को भी ये सोचकर हैरानी होती होगी कि उनके अंदर क्या-क्या भर दिया जाता है! कई जगहों पर पराठों को घी में बनाया जाता है, तो कई जगहों पर तेल का इस्तेमाल किया जाता है तो कहीं घी से. इस वजह से पराठों को रोज या ज्यादा मात्रा में खाना, सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता. इन दिनों एक पराठे का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे अगर आप देख लेंगे, तो आपको समझ आएगा कि ये ऐसा पराठा है, जो आपको सबसे ज्यादा अस्वस्थ कर देगा, क्योंकि इसमें बनाने वाले जितना तेल डाला है, उतना तेल तो शायद आप एक साल में खाते होंगे. इस पराठे को खाने के बाद, हार्ट अटैक की गारंटी है!

हाल ही में इस अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें एक बेहद अजीबोगरीब पराठा नजर आ रहा है. इस पराठे में इतना तेल डाला गया है, कि इसे देखकर ही आपका शायद खाने का मन नहीं करेगा. पराठ बेहद अनहेल्दी है, क्योंकि इतने तेल से आदमी के शरीर में कॉलेस्ट्रॉल बढ़ता है और फिर उससे हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है।

पराठे में डाल दिया कई लीटर तेल!

वीडियो में दिख रहा है कि सड़क किनारे ठेला लगाकर खड़ा एक शख्स, अपने ठेले पर पराठा बना रहा है. सबसे पहले वो एक बड़े साइज का पराठा बेलकर तवे पर डालता है, और बड़े बर्तन में से ढेर सारा तेल उस पराठे के ऊपर उड़ेल लेता है. तेल इतना ज्यादा है कि ऐसा लग रहा है जैसे पूरा पराठा उस तेल के ऊपर तैर रहा है. अंत में वो पराठे को प्लेट में सजाकर किसी को सर्व करता नजर आ रहा है. इस वीडियो में पराठे को, हार्ट अटैक पराठा कहा गया है।

महिला ने खोला ओवन, खाने की जगह आईपैड डालकर कर दिया बेक!

इंटरनेट पर लोगों ने पूछा-'एप्पल' पाई बनाना था क्या?

अक्सर लोग किसी एक काम में इतना उलझ जाते हैं, कि दूसरे काम को करने में उनसे गलती हो जाती है. गलतियां अगर छोटी-मोटी हों तो समस्या नहीं होती, पर बड़ी और जा न ले वा समस्याएं परेशानी का सबब बन सकती हैं. एक महिला अपने घर में खाना बना रही थी. उससे भी एक गलती हो गई, पर वो इतनी बड़ी थी कि उसकी जान जा सकती थी. इस महिला ने ओवन में खाने की जगह, अपना आईपैड बेक कर दिया. ये सुनकर सोशल मीडिया पर लोगों ने उसे ट्रोल करते हुए तंज कसा, अगर उसने ऐपल कंपनी के आईपैड को ओवन में डाल दिया, तो क्या वो 'एप्पल' पाई बनाना चाह रही थी! सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर कई ग्रुप्स हैं, जिसपर लोग अपना नाम बदलकर अपनी लाइफ से जुड़ी रोचक बातें सभी को बताते हैं. एक ग्रुप पर हाल ही में एक यूजर ने ऐसा ही किया. यूजर ने हाल ही में आपनी मां से जुड़ा एक पोस्ट किया. उसने बताया कि उसकी मां ने गलती से अपने आईपैड को ओवन में डालकर बेक कर दिया। पोस्ट की गई तस्वीर में आईपैड का बुरा हाल हुआ नजर आ रहा है. उसकी पूरी स्क्रीन डैमेज हो चुकी है, और ऊपर काफी निशान पड़ गए हैं. यूजर ने कमेंट सेक्शन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इमगूर का एक लिंक दिया, और बताया कि उसकी मां से आईपैड के बारे में बात हुई, वो उसने यहां पोस्ट किया है।

भारत का इकलौता रेलवे स्टेशन, जहां गांववाले खुद काटते हैं अपना टिकट

नहीं है एक भी सरकारी कर्मचारी

आज तक आपको यही जानकारी होगी कि भारतीय रेलवे सरकार के अंदर आता है. रेलवे के सारे फैसले, उसके डेवलपमेंट कार्य, सब कुछ भारत सरकार तय करती है और उसकी देखभाल करती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा रेलवे स्टेशन है, जिसे सरकार नहीं, बल्कि गांववाले चलाते हैं. इस रेलवे स्टेशन पर एक भी सरकारी कर्मचारी नहीं होता है. गांव वाले खुद अपनी टिकट काटते हैं और ट्रेन की सवारी करते हैं। हम बात कर रहे हैं राजस्थान के सीकर-चूरू मार्ग पर स्थित रसीदपुरा खोरी रेलवे स्टेशन की. जी हां, इस स्टेशन को भारतीय रेलवे ने घाटे का हवाला देकर बंद कर दिया था. लेकिन इसके बंद होने से गांव वालों को आवागमन में परेशानी होती. इस वजह से उन्होंने रेलवे से काफी मिन्नतें की ही इस स्टेशन का संचालन करते हैं. इस स्टेशन की साफ़-सफाई से लेकर टिकट काटने तक का काम ग्रामीण ही करते हैं।

रशीदपुरा का खोरी रेलवे स्टेशन देशभर के लिए नजीर बना हुआ है. इस स्टेशन को 1942 में बनाया गया था. लेकिन रेलवे को इससे नुकसान हो रहा था. ज्यादा लोग इस जगह से टिकट नहीं खरीदते थे. इस वजह से 2004 में इसे बंद कर दिया गया. ऐसे में आसपास के लोगों को कहीं जाने में परेशानी होने लगी. लोगों ने रेलवे से काफी मिन्नतें मांगी. आख़िरकार रेलवे ने स्टेशन को दुबारा संचालित करने के लिए कुछ शर्त रखी. रेलवे के मुताबिक़, अगर इस जगह से तीन लाख टिकट की बिक्री होगी, तब ही इसे शुरू किया जाएगा. ग्रामीणों की मदद से आखिरकार ये स्टेशन शुरु हो गया। इस स्टेशन को 2009 से 2015 तक ग्रामीणों ने चलाया. आज भी इसे ग्रामीण ही चलाते हैं. यहां आने वाले लोगों के टिकट ग्रामीण ही काटते हैं और फिर यात्रा करते हैं. इतना ही नहीं, स्टेशन की सफाई का जिम्मा भी ग्रामीणों का ही है.

संदेशखाली के लिए रवाना हुई राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम

भाजपा का टीएमसी पर मामले को छिपाने का आरोप

कोलकाता, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बवाल के बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की एक टीम शनिवार को लगातार दूसरे दिन उत्तर 24 परगना के संदेशखाली का दौरा किया।

मिनाक्षी मुखोपाध्याय के नेतृत्व में सीपीआई(एम) की एक प्रतिनिधिमंडल ने भी हिंसाग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया। मिनाक्षी के साथ उनके पार्टी के नेता पालस दास भी हां मौजूद थे, उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की। एडीजी सुप्रतिम सरकार ने भी संदेशखाली का दौरा किया। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रतिनिधियों ने भी आज हिंसाग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया है।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने संदेशखाली मामले को नंदीग्राम के साथ जोड़ दिया। उन्होंने कहा, ₹संदेशखाली की हालत नंदीग्राम जैसी है। स्थानीय लोगों ने जमीन हड़पने, वोट लूटने, यौन उत्पीड़न और लोकतंत्र की हत्या के आरोप लगाए हैं।₹ बता दें कि संदेशखाली के कुछ हिस्सों में सीआरपीसी की धारा 144 अभी भी लागू है।

संदेशखाली में जारी विवाद के बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, यह साफ है कि वे कुछ छिपा रहे हैं। वे कुछ ऐसा छिपाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके सामने आने से वे मुश्किल में पड़ सकते हैं। इसलिए किसी को भी वहां जाने की अनुमति नहीं है। केवल टीएमसी के नेता और पुलिस वहां जा सकती है। पुलिस को देख कर जनता आक्रोश में आ रही है, क्योंकि पुलिस की मौजूदगी में यह अत्याचार हुआ है। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित गांव संदेशखाली इन दिनों भारी विरोध प्रदर्शन का गवाह बन रहा है। दरअसल गांव की महिलाओं ने बीते दिनों आरोप लगाए थे कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और अन्य टीएमसी नेताओं ने उनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया।

संदेशखाली-भीड़ ने टीएमसी नेता को पीटा

घर में तोड़फोड़ : महिलाओं के शोषण का आरोपी शाहजहां 55 दिन से फरार, 100 केस दर्ज

कोलकाता, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना स्थित संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण का मामला गरमाया हुआ है। भीड़ ने टीएमसी नेता अजित मैती के घर पर हमला कर दिया। इस दौरान गुस्साए लोगों ने उसे चप्पलों से पीटा। इसके अलावा लोगों ने उनकी बाइक और उनके घर की बाड़ का हिस्सा तोड़ दिया। आरोप है कि अजित मैती अवैध जमीन हड़पने में शामिल था और शाहजहां शेख के साथ मिला हुआ था। हमले की सूचना मिलने के पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया।

इधर, संदेशखाली में ही गुस्साए स्थानीय लोगों ने शेख शाहजहां शेख के भाई के घर में आग लगा दी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शेख शाहजहां के भाई शिराजुद्दीन ने उनकी 142 बीघा जमीन हड़प ली है। यहां पर भी मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मामला शांत करवाया। फिलहाल संदेशखाली के दो थाना क्षेत्रों में धारा 144 लागू कर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। संदेशखाली में जमीन हड़पने और महिला उत्पीड़न के मुख्य आरोपी टीएमसी नेता शाहजहां शेख पर करीब 100 केस दर्ज हो चुके हैं। उस पर कब्जेवाली जमीनों पर अवैध मछली पालन का आरोप है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम 5 जनवरी को शाहजहां शेख के यहां छापा मारने पहुंची थी। वह घर पर नहीं मिला था। टीम पर शाहजहां के समर्थकों ने पथराव भी किया था। तभी से (55 दिन) शाहजहां शेख फरार है।

संदेशखाली जाने से भाजपा टीम को रोका गया 23 फरवरी को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम पीड़ित महिलाओं से मुलाकात संदेशखाली पहुंची। भाजपा टीम की अगुआई भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी कर रही थीं। डेलिगेशन और पुलिस के बीच बहस भी हुई। इसके बाद लॉकेट को हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले 16 फरवरी को भी केंद्रीय मंत्री और महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को संदेशखाली नहीं जाने दिया गया था। संदेशखाली के बर्माजुर गांव में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन किया। इसके लिए सुप्रतिम सरकार (एडीजी, साउथ बंगाल) और भास्कर मुखर्जी (डीआईजी, बारासात रेंज) को भेजा गया।

बंगाल में 6 ठिकानों पर छापेमारी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के फरार नेता शाहजहां शेख पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। ईडी ने राशन घोटाले में बंगाल में 6 ठिकानों पर छापेमारी भी की है। एक शख्स अरूप सोम के यहां भी ईडी की टीम पहुंची। अरूप पहले सरकारी नौकरी में था, अब मछली का धंधा करता है। इससे पहले 22 फरवरी (गुरुवार) को ईडी ने शाहजहां को नया समन जारी किया था। इसमें कहा था कि वह 29 फरवरी को जांच के लिए मौजूद रहे।

टीएमसी नेता 50 लोगों के साथ घूम रहे, हमारे ऊपर प्रतिबंध

बंगाल भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार ने 22 फरवरी को राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने प्रदर्शन किया था, उनकी गिरफ्तारी हुई, बाद में निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया। बालूरघाट से सांसद सुकांत ने बताया-मैंने राज्यपाल को पूरे घटनाक्रम के बारे में बताया। जिस तरह से एक सांसद के साथ बर्ताव किया गया, गवर्नर ने इस पर चिंता जताई। धारा-144 सिर्फ भाजपा के लिए लागू है, टीएमसी के विधायक 50 लोगों को लेकर घूम रहे हैं। इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। शाहजहां शेख और भाई लोगों को टॉर्चर करते हैं। सीएम ममता बनर्जी और पार्टी इस बारे में कोई बात नहीं कर रही। संदेशखाली की महिलाएं ही अपनी बात उठा रही हैं।

पीएम मोदी मार्च में तीन बार बंगाल आएंगे

पीएम नरेंद्र मोदी 1 मार्च को आरामबाग, 2 मार्च को कृष्णानगर जाएंगे। पीएम 6 मार्च को उत्तरी 24 परगना के बारासात में महिलाओं की रैली को संबोधित करेंगे। संदेशखाली उत्तर 24 परगना जिले में है। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी बारासात में संदेशखाली की पीड़ितों से मिल सकते हैं। उधर, टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी मार्च के दूसरे हफ्ते में संदेशखाली में सभा को संबोधित करेंगे।

बिलकिस बानो केस के दोषी को 10 दिन की पैरोल

भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए गुजरात हाईकोर्ट से लगाई थी गुहार

अहमदाबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात हाई कोर्ट ने बिलकिस बानो केस के एक आरोपी रमेश चंदना को 20 दिन की पैरेल दी है। दोषी को यह पैरोल 5 मार्च को होने वाली अपने भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए दी गई है।

चंदना ने पिछले हफ्ते पैरोल के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इससे पहले भी चंदना को लंबे समय की पैरोल मिल चुकी है।

जस्टिस दिव्येश जोशी ने शुक्रवार को जारी अपने आदेश में कहा, इस आवेदन के जरिए दोषी-आवेदक अपनी बहन के बेटे के विवाह समारोह में शामिल होने के आधार पर पैरोल की प्रार्थना करता है। इस आवेदन में आग्रह किए गए आधारों को ध्यान में रखते हुए, आवेदक-अभियुक्त को दस दिनों की अवधि के लिए पैरोल अवकाश पर रिहा करने का आदेश दिया जाता है। इससे पहले, मामले में एक अन्य

दोषी प्रदीप मोधिया को गुजरात हाईकोर्ट द्वारा उसकी पैरोल याचिका की अनुमति के बाद 7 से 11 फरवरी तक पैरोल पर रिहा किया गया था। सुप्रीम कोर्ट में गुजरात सरकार के हलफनामे के अनुसार, चंदना ने 2008 में कैद के बाद से 1,198 दिनों की पैरोल और अनेक कारणों से 378 दिनों की छुट्टी ली था।

पिछले साल रिहा किए गए थे सभी आरोपी

अगस्त 2022 में, राज्य सरकार द्वारा कारावास के दौरान उनके 'अच्छे आचरण' का हवाला देते हुए, अपनी 1992 की नीति को ध्यान में रखते हुए, आजीवन कारावास की सजा काट रहे 11 दोषियों को समय से पहले जेल से रिहा कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को सभी 11 दोषियों की सजा में छूट को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि राज्य सरकार के पास दोषियों को समय से पहले रिहाई देने का अधिकार क्षेत्र नहीं है, क्योंकि 2002 के मामले की सुनवाई महाराष्ट्र में हुई थी। मामले के सभी 11 दोषियों ने 21 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद गोधरा शहर की एक जेल में आत्मसमर्पण कर दिया था। इन्हें 2002 के गोधरा दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया है।

किसानों का दिल्ली कूच 29 फरवरी तक टला

अंबाला, 24 फरवरी (एजेंसियां)। किसान आंदोलन का आज 11वां दिन रहा। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने दिल्ली कूच का फैसला 29 फरवरी तक टाल दिया है। किसान मजदूर मोर्चा के कोऑर्डिनेटर सरवण पंधेर ने शाम को खनौरी बॉर्डर पर मीडिया को यह जानकारी दी। इसके पहले शुक्रवार को किसानों ने ब्लैक डे मनाया।

शंभू बॉर्डर पर किसानों ने काले झंडे लहराए और काली पट्टियां बांधी। हरियाणा पुलिस ने आंदोलन कर रहे किसान नेताओं के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई का फैसला वापस लिया। इससे पहले, गुरुवार को अंबाला पुलिस ने कहा था कि प्रदर्शन के दौरान सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई आंदोलनकारी किसान नेताओं से की जाएगी। इसके लिए उनकी संपत्ति कुर्क और बैंक खाते सीज किए जाएंगे।

पंजाब सरकार ने खनौरी बॉर्डर पर मरे बठिंडा के किसान शुभकरण के परिवार को 1 करोड़ मुआवजा और बहन को सरकारी नौकरी की घोषणा की। हालांकि, परिवार और किसान नेता हत्या के आरोपियों पर एफआईआर दर्ज होने तक शुभकरण का अंतिम संस्कार न करने पर अड़े हुए हैं। दोपहर बाद हरियाणा के हिसार में पुलिस और किसानों के बीच टकराव हो गया। किसान खनौरी बॉर्डर पर पंजाब के किसानों के पास जाना चाहते थे। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। किसानों ने पथराव किया।

देहरादून में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, चार गिरफ्तार

देहरादून, 24 फरवरी (एजेंसियां)। देहरादून पुलिस को मुठभेड़ के दौरान एक बड़ी कामयाबी मिली। थाना क्लेमेंटाउन क्षेत्र में नाकाबंदी के बीच आशारोड़ी में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान गोकशी में आरोपी 11 साल से वांटेड कुख्यात बदमाश और उसके गिरोह ने पुलिस पर फायरिंग की। मुठभेड़ में कांस्टेबल प्रदीप के पैर में एक गोली लगी।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में सहारनपुर के कुख्यात बदमाश फैजान उर्फ फिल्टर के पैर में दो और बदमाश एहसान को एक गोली लगी। मिली जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। स्कॉर्पियो भी बरामद किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से पिस्टल, तमंचा भी जब्त किया गया है। अभियुक्त फैजान उर्फ फिल्टर पर 5,000 रुपए का इनाम है। उस पर 15 से भी ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। अभियुक्त पर दो वर्ष पूर्व में भी सहारनपुर पुलिस पर फायरिंग करने का मामला दर्ज है।

मराठों ने जालना, सोलापुर व महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में सड़क पर लगाया जाम

जालना, 24 फरवरी (एजेंसियां)। शिवबा संगठन के प्रमुख मनोज जारांगे-पाटिल ने शनिवार को जालना, छत्रपति संभाजीनगर, सोलापुर और राज्य के अन्य हिस्सों में सड़क जाम कर मराठा आरक्षण के लिए चल रहे आंदोलन को तेज कर दिया। जारंगे-पाटिल के आह्वान पर, बड़ी संख्या में मराठा मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे सहित प्रमुख सड़कों पर बैठ गए और सुबह 10.30 से यातायात अवरुद्ध कर दिया।

हल्द्वानी हिंसा का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक गिरफ्तार, उत्तराखंड पुलिस ने दिल्ली से पकड़ा

नैनीताल, 24 फरवरी (एजेंसियां)। हल्द्वानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक को उत्तराखंड पुलिस ने शनिवार को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आईजी नीलेश आनंद भरणे ने अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। आठ फरवरी को बनभूलपुरा हिंसा के बाद से अब्दुल मलिक फरार चल रहा था। हल्द्वानी हिंसा के बाद पुलिस ने अब्दुल मलिक और उसकी पत्नी सहित छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला भी दर्ज किया गया था। हिंसा के बाद से पुलिस ने उसकी संपत्ति को भी कुर्क किया था।

ये था मामला

आठ फरवरी को हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में मलिक के बगीचे में अवैध मदरसा और धर्मस्थल ढहाने गई पुलिस और प्रशासन की टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया था। पथराव में सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, रामनगर कोतवाल समेत 300 से अधिक पुलिसकर्मी और निगमकर्मी घायल हो गए। उपद्रवियों ने बनभूलपुरा थाना भी फूंक दिया। पुलिस की

जीप, जेसीबी, दमकल की गाड़ी दोपहिया समेत 70 से अधिक वाहन फूंक दिए गए। आंसू गैस के गोले दागने और लाठी चार्ज के बाद भी जब हालात काबू में नहीं आए, तो सबसे पहले अधिकारी जान बचाने के लिए मौके से भागे। पुलिस व निगम टीम जैसे-तैसे वहां से निकली। प्रशासन ने उपद्रवियों को देखते ही पैर में गोली मारने के आदेश दिए हैं। पिता-पुत्र समेत छह लोगों की गोली लगने से मौत हो गई थी।

हल्द्वानी हिंसा में करोड़ों की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। हिंसा के बाद से पुलिस लगातार उपद्रवियों की धरपकड़ के लिए कार्रवाई कर रही है। हिंसा का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक और उसका बेटा मोईद फरार चल रहे थे, जिसके बाद अब अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी हो गई है।

मास्टरमाइंड मलिक, उसकी पत्नी समेत छह लोगों के खिलाफ पुलिस ने किया था मुकदमा दर्ज

सरकारी जमीन हड़पने, मरे हुए व्यक्ति के नाम से शपथ पत्र देने, न्यायालय में मरे हुए व्यक्ति के नाम से रिट डालने के मामले में नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट ने कोतवाली में तहरीर सौंपी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अब्दुल मलिक, उसकी पत्नी साफिया मलिक सहित छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, आईपीसी 417 और 120 बी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। 16 फरवरी को नैनीताल पुलिस ने अब्दुल मलिक समेत नौ लोगों के पोस्टर जारी किए थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

दयालु चेहरा सदैव सुंदर होता है।

मिलावटी व नकली सामग्री के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारियों ने काचीगुडा पीएस के कर्मचारियों के साथ काचीगुडा पीएस की सीमा में कुमार थिएटर के पास जाल बिछाया और आरोपी महेंद्र सिंह निवासी नागाराम निवासी राजस्थान राज्य को पकड़ लिया। वह अवैध रूप से जनरल स्टोर से एक मशहूर ब्रांड नाम पर डुप्लीकेट /मिलावटी/ नकली सर्फ, नारियल हेयर ऑयल, डुप्लीकेट डिटर्जेंट पाउडर, मसाला, सफाई तरल पदार्थ खरीद और बेच रहा है।

पुलिस ने तीन स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। मैलारदेवपल्ली क्षेत्र (साइबराबाद) की सीमा में नागाराम, कीसरा मंडल (राचकोंडा), कांटेदान औद्योगिक क्षेत्र की सीमा में स्थान जहां आरोपी ने अन्य लोगों के साथ अवैध रूप से विनिर्माण, पैकिंग इकाइयां स्थापित कीं। एक किशोर सहित (03) आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और भारी मात्रा में नकली कच्चा माल, नकली/मिलावटी खाद्य सामग्री, पैकिंग, सीलिंग मशीनें आदि जब्त की गईं। इस मामले में श्याम भाटी व कमल भाटी निवासी काचीगुडा, जयराम निवासी बेगम बाजार, हैदराबाद फरार हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से करीब दो करोड़ रुपये के डुप्लीकेट उत्पाद/सामग्री एवं निर्माण, पैकिंग मशीनरी मिली है। आरोपी महेंद्र सिंह राजस्थान राज्य का मूल निवासी है और नागाराम की सीमा में रहता है। वज्ह किराना और जनरल ट्रेडिंग चलाता है।

अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाने के लिए वह श्याम भाटी, कमल भाटी व अपने सहयोगी जयराम निवासी राजस्थान राज्य के साथ बेगम बाजार मशीनरी उपकरण स्थापित करके अवैध व्यवसाय का आयोजन कर रहा है और कॉपी राइट अधिनियम का उल्लंघन करके डुप्लीकेट हेयर ऑयल, डुप्लीकेट वाशिंग पाउडर, वाशिंग डिटर्जेंट साबुन, सफाई तरल पदार्थ, नकली/मिलावटी चाय पाउडर, मसाला पाउडर तैयार कर रहा है। धोखाधड़ी से उपरोक्त सामग्री बेच रहा है। रैकेट का सरगना महेंद्र सिंह, श्याम भाटी, कमल भाटी और जयराम गुजरात से डुप्लीकेट ब्रांडेड खाद्य उत्पाद, कम गुणवत्ता वाले कच्चे माल और ब्रांड लेबल, बक्से, स्टिकर, खाली बोतलें, पैकिंग बॉक्स खरीद रहे थे। पुलिस उपायुक्त, पूर्वी क्षेत्र, हैदराबाद ने बताया कि डुप्लीकेट आइटम नागाराम, कांटेदान में गोदाम के बाहरी इलाके में संग्रहीत किए गए थे और इन्हें सुपर मार्केट, किरण स्टोर्स, व्यापारियों में वितरकों और एजेंटों के माध्यम से कमीशन के आधार पर बेचा जा रहा था। डुप्लीकेट सामग्री तैयार करने, निर्माण और पैकिंग करने और सामग्री पर प्रतिष्ठित ब्रांड के स्टिकर चिपकाने के लिए आयोजक बिहार राज्य के गैर स्थानीय श्रमिकों को नियुक्त कर रहे हैं। आरोपी व्यक्ति एमआरपीएस पर कम कीमत पर उत्पादों को वास्तविक उत्पाद के रूप में बेच रहे थे और कॉपी राइट अधिनियम का उल्लंघन करके ग्राहकों को धोखा दे रहे हैं। नकली/विषाक्त सामग्री जो कम मात्रा में और कम एक्सपोजर से भी जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकती है। मानव के अल्पकालिक या दीर्घकालिक संपर्क पर गंभीर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभाव पड़ सकता है।

मेडारम मेला देश ही नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा मेला : सीताक्का

चार दिनों में 1 करोड़ 45 लाख श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओं के दर्शन किये

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री सीताक्का ने कहा कि इस क्षेत्र के निवासी के रूप में यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अम्मावर के दर्शन के लिए आते हैं। मेले के आयोजन के लिए सबसे अधिक धनराशि आवंटित करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के 75 दिनों के भीतर मेले के संचालन के लिए धन स्वीकृत किया गया और बाढ़ के कारण मेला पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के बावजूद, मेडारम के आसपास के क्षेत्रों में सभी मरम्मत की गई। बीस विभागों के अधिकारियों ने समन्वय बनाकर काम किया और मेले को सफल बनाया। मेले के आयोजन में कैबिनेट के सभी विभागों के मंत्रियों ने योगदान दिया है। आरटीसी संगठन द्वारा मेडारम जतारा तक 10,000 बस यात्राएं चलाई गईं। 13 वीवीआईपी और 150 वीआईपी ने अम्मावर का दौरा किया। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत भी हो गई थी। पहले की तुलना में यह मेला काफी बेहतर रहा। भले ही अम्मावरला जंगल के प्रवेश द्वार पर जाने का समय हो गया है, लेकिन भक्तों की भीड़ जारी है। यदि मेले में कोई खामियां हैं तो हम अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे और महोत्सव के बाद स्थाई तौर पर व्यवस्थाएं कराएंगे। 5090 लापता श्रद्धालुओं में से 5060 लापता श्रद्धालुओं को लापता शिविरों के माध्यम से उनके परिवार के सदस्यों से मिलाया गया है। हमारे पास 35 और हैं। मेला समाप्ति के दस दिन बाद भी साफ-सफाई का कार्य जारी रहेगा। हमने बहुत कम समय में सारी व्यवस्थाएं पूरी कर लीं। मेले में योगदान देने वाले सभी पुजारियों, आदिवासियों, अधिकारियों, भक्तों को धन्यवाद के पात्र हैं। हम सभी के सुझावों पर जरूर अमल करेंगे और देखेंगे कि अगले मेले में कोई दिक्कत न हो। यदि आवश्यक हुआ तो हम स्थायी रूप से कतारबद्ध लाइनों में शौचालय एवं अच्छे पानी की व्यवस्था करेंगे।

एससीएससी को सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए सम्मान

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एससीएससी के ट्रैफिक फोरम को होटल मैरीगोल्ड, ग्रीन पार्क, हैदराबाद में ओएचएसएसएआई (व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्थिरता और औद्योगिक स्वच्छता) फाउंडेशन के ग्लोबल कॉन्क्लेव और वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। ओएचएसएसएआई फाउंडेशन भारत में एक पंजीकृत, गैर-लाभकारी संगठन है और स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण, स्थिरता और औद्योगिक स्वच्छता के क्षेत्र में काम करता है। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें भारत भर के विभिन्न संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के सरकारी अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। एससीएससी को साइबराबाद में सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के एससीएससी के प्रयासों के लिए ओएचएसएसएआई द्वारा सम्मानित किया गया है। एससीएससी टीम ने सड़क सुरक्षा पर जागरूकता फैलाने और सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए किए गए कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए एक कियोस्क स्थापित किया और पूरे दिन प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। सम्मानित अतिथि के रूप में संयुक्त सचिव श्रीनिवास ने भी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा करते हुए एक पैनल चर्चा में भाग लिया, जबकि नावेद को संयुक्त आयुक्त परिवहन और आरटीओ उप्पल के साथ मंच साझा करके पुरस्कार देने के लिए सम्मानित किया गया। एससीएससी ट्रैफिक फोरम टीम का नेतृत्व ट्रैफिक फोरम के संयुक्त सचिव श्रीनिवास सीआर ने किया और नावेद आलम खान, अतिरिक्त संयुक्त सचिव, केशव भंडारी, प्रबंधक एससीएससी और कुछ ट्रैफिक स्वयंसेवकों ने इसका समर्थन किया।

श्रद्धालुओं को हर सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 24, फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ विभाग की मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा ने कहा कि तेलंगाना राज्य के लोगों को अम्मावरी कुंकुमा भरिने की तरह पवित्र रूप से संरक्षित किया जाएगा। मंत्री ने मेडारम सम्मक्का और सरलम्मा जातरा के सफल आयोजन में भाग लेने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि मेले की व्यवस्था एवं प्रबंधन में सभी विभागों ने एक-दूसरे का सहयोग एवं समन्वय कर ईमानदारी का परिचय देते हुए इस भव्य मेले को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया है। मंत्री ने खुलासा किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आदेश पर मंत्रियों, जन प्रतिनिधियों और उच्च अधिकारियों ने शुरू से ही मेला कार्य की योजना बनाई थी और भक्तों ने शांतिपूर्वक अम्मावर का दौरा किया, अपनी प्रार्थनाएं की और संतुष्टि के साथ घर लौट आए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार ने हर कदम पर श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। मंत्री ने श्रद्धालुओं से अपील की कि इस महाजातरा के दौरान अगर उन्हें जाने-अनजाने किसी भी तरह की परेशानी का सामना करना पड़े तो वे इसके लिए क्षमा प्रार्थी है। मंत्री ने कहा कि देवदाय धर्मार्थ विभाग के मंत्री के रूप में उन्होंने पहली बार पूरे समर्पण के साथ मेडारम मेले के प्रबंधन और पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी ली है। मंत्री ने कहा कि अम्मावरी की कृपा से अपनी बीमारी पर काबू पाने और जल्दी ठीक होने के बाद गड्डे पहुंचने पर उन्हें अम्मावर जाने का सौभाग्य मिला।

केटीआर आज अचम्पेट, नागरकर्नूल निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर रविवार को अचमपेट और नागरकुर्नूल विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

सुबह 11 बजे अचमपेट कांस्टीट्यूएंसी टाउन के डीके पैलेस फक्शन हॉल में केटीआर निर्वाचन क्षेत्र के प्रमुख पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे।

वह दोपहर 2 बजे जिला पार्टी कार्यालय में नागर कर्नूल विधानसभा क्षेत्र की बैठक में भाग लेंगे। बैठक में पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे और उनसे संवाद करेंगे।

बीआरएस को बड़ा झटका

जीएचएमसी की डिप्टी मेयर श्रीलता शोबन रेड्डी दंपति ने बीआरएस से दिया इस्तीफा, आज होंगे कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की डिप्टी मेयर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी और पार्टी के राज्य श्रम विभाग के प्रमुख शोभन रेड्डी ने इस्तीफा दे दिया है। बीआरएस प्रमुख ने अपना त्यागपत्र केसीआर को भेजा। पत्र में कहा गया है कि पार्टी की नीति के कारण उन्हें नुकसान हुआ है। इस पत्र में कहा गया है कि बीआरएस कार्यकर्ताओं के लिए जीना मुश्किल हो गया है और जो कार्यकर्ता कठिन समय में आपके साथ थे, उन्हें पार्टी में प्राथमिकता नहीं मिलने के कारण परेशानी हुई। उन्होंने कहा कि वह 24 साल से पार्टी में काम कर रहे हैं। इस्तीफे में मोते दंपत्ति ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी में कार्यकर्ता टिक नहीं सकते। मोते दंपत्ति श्रीलता शोभन रेड्डी ने हाल ही में सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। खबर है कि उन्हें सिकंदराबाद से सांसद का टिकट मिलने की उम्मीद है। बहरहाल, डिप्टी मेयर कल सुबह 11 बजे कांग्रेस में शामिल होंगी। डिप्टी मेयर श्रीलता के साथ छह बीआरएस पार्षद कांग्रेस में शामिल होंगे। दूसरी ओर, पूर्व एमएलसी और वरिष्ठ दलित नेता डी राजेश्वर राव कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। शनिवार को यह घोषणा की गई कि वह सीएम रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उनके पास एमएलसी के रूप में लंबे समय तक अनुभव है।

आधुनिक स्टेशन यात्रियों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करेंगे : अरुण जैन

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में चल रहे परिवर्तनकारी विकास की कहानी में एक और प्रमुख मील का पत्थर चिह्नित करते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 554 अमृत स्टेशनों और 1,500 रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज की आधारशिला रखेंगे/उद्घाटन करेंगे/आरओबी/आरयूबी) समर्पित करेंगे।

इसके हिस्से के रूप में, एससीआर क्षेत्राधिकार वाले राज्यों में फैले 57 अमृत स्टेशनों और 156 आरओबी/आरयूबी का शिलान्यास/राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। भारतीय रेलवे में रेलवे स्टेशनों को बड़े पैमाने पर अपग्रेड करने के लिए एक बड़ा बदलाव किया जा रहा है, ताकि रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा सकें। "अमृत भारत स्टेशन योजना" के तहत, देश भर में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, न केवल आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए बल्कि उन्हें शहर की आबादी के लिए विकास केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए भी। इस मिशन को तब बल मिला, जब अगस्त 2023 में प्रधानमंत्री ने देशभर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इसे आगे बढ़ाते हुए अन्य 554 स्टेशनों का शिलान्यास/उद्घाटन/लोकार्पण किया जा रहा है। इसमें लगभग 925 करोड़ रुपये की संयुक्त लागत पर चार राज्यों तेलंगाना (15), आंध्र प्रदेश (34), महाराष्ट्र (6) और कर्नाटक (2) में फैले दक्षिण मध्य रेलवे के 57 स्टेशन शामिल हैं। रेल मंत्रालय द्वारा तैयार की गई एबीएसएस नीति का उद्देश्य दीर्घकालिक दृष्टि से निरंतर आधार पर विकास की परिकल्पना करते हुए रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाना है। यह विचार एक मास्टर प्लान के अनुसार विभिन्न महत्वपूर्ण तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है जो रेलवे स्टेशनों की बढ़ती जरूरतों और बढ़े हुए संरक्षण को पूरा करता है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नियोजित सुविधाओं में अग्रभागों में सुधार और सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन प्रवेश द्वार बरामदे शामिल हैं।

सड़कों का चौड़ीकरण करके सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन पहुंच मार्गों को बेहतर बनाना। उचित रूप से डिज़ाइन किए गए साइनेज, समर्पित पैदल यात्री पथ, सुनियोजित पार्किंग क्षेत्र, बेहतर प्रकाश व्यवस्था इत्यादि। रेल उपयोगकर्ताओं के लिए सुखद अनुभव बनाने के लिए भूदृश्य निर्माण, हरे-भरे पैच, स्थानीय कला और संस्कृति को प्राथमिकता। "एक स्टेशन एक उत्पाद" योजना के लिए स्टॉल चिन्हित करना, व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन बिल्डिंग और सर्कुलेटिंग क्षेत्र के लिए द्वितीय प्रवेश को सक्षम करना है। इसके अलावा, दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र वाले चार राज्यों - तेलंगाना (49), आंध्र प्रदेश (59), महाराष्ट्र (19) और मध्य प्रदेश (29) में फैले लगभग संयुक्त लागत 927.31 करोड़ रुपये 156 आरओबी/आरयूबी का शिलान्यास/समर्पित किया जा रहा है। इससे सड़क और रेल दोनों उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा को मजबूत करने में मदद मिलेगी, समपार फाटकों पर बिना किसी रोक-टोक के सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए यातायात की निर्बाध आवाजाही की सुविधा मिलेगी, सड़क यात्रियों के लिए यात्रा और ईंधन लागत की बचत होगी और इलाकों, गांवों और कस्बों को जोड़ने वाला एक पुल बनेगा।

एससीआर महाप्रबंधक ने आज रेल निलयम में मीडियाकर्मियों को बताया कि ये सभी पहल जोन में रेल बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेंगी, साथ ही इसके रेल नेटवर्क में सुरक्षा मानकों को भी बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि इन रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है ताकि योजनाबद्ध समय अवधि के भीतर काम पूरा हो सके। एक बार पूरा होने पर, ये स्टेशन आधुनिक सुविधाओं के साथ इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करेंगे।

प्रेम में असफलता से परेशान होकर तकनीकी विशेषज्ञ ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 24फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। कथित तौर पर प्रेम में असफलता से परेशान एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी ने शनिवार को आदिबाटला में अपने छात्रावास के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आंध्र प्रदेश के कोनसीमा जिले के मूल निवासी नागा चंद्र प्रकाश (25) आदिबाटला में एक सॉफ्टवेयर कंपनी के लिए काम करते थे और पड़ोस में एक पुरुष छात्रावास में रहते थे।

पुलिस के मुताबिक, चंद्र प्रकाश पिछले कुछ दिनों से कथित तौर पर परेशान थे क्योंकि एक महिला ने उनका प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था। शनिवार की तड़के अपने कमरे में छत के पंखे से चादर के सहारे लटककर आत्महत्या करने की आशंका है।

सुबह उसके दोस्तों ने उसे मृत पाया, जिन्होंने पुलिस को सूचित किया। आदिबाटला पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

500 गैस सिलेंडर योजना 27 फरवरी से लागू होगी?

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि 500 गैस सिलेंडर सब्सिडी 27 फरवरी से लागू की जाएगी। महालक्ष्मी योजना के तहत सब्सिडी पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। हालांकि, नागरिक आपूर्ति विभाग ने इस योजना में सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के खाते में जमा करने का निर्णय लिया है। कैश ट्रांसफर सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया गया। केंद्र सरकार द्वारा लागू लाभार्थियों को गैस सिलेंडर खरीदते समय पूरी कीमत चुकानी होगी। कांग्रेस सरकार ने घोषणा की है कि वह महालक्ष्मी योजना के लाभार्थियों को 500 रुपये का गैस सिलेंडर देगी। शेष राशि सब्सिडी के रूप में लाभार्थी के बैंक खाते में जमा की जाएगी। अधिकारी इस फैसले पर काम कर रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 500 गैस सिलेंडर योजना नये गैस कनेक्शन पर लागू नहीं है। गैस सब्सिडी केवल उन लोगों के लिए लागू की जाएगी जिनके पास पुराने कनेक्शन वाले राशन कार्ड हैं। पिछले तीन वर्षों में लाभार्थियों द्वारा उपयोग किए गए सिलेंडरों की संख्या के आधार पर सब्सिडी वाले सिलेंडरों की संख्या को अंतिम रूप दिया जाएगा। वर्तमान में 40 लाख महिला लाभार्थियों की पहचान की गई है। इस महीने की 27 तारीख को उनके साथ इस योजना की शुरूआत की जाएगी। जहां एनपीसीआई गैस सब्सिडी भुगतान के लिए मंच के रूप में कार्य करता है, वहीं एसबीआई नोडल बैंक है। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इस योजना के क्रियान्वयन में कुछ तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं। इसे लेकर सिविल सप्लाई एसोसिएशन की ओर से गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। गैस एजेंसी के प्रतिनिधियों ने अधिकारियों को मैदानी स्तर की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वे लाभार्थियों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने को तैयार हैं, लेकिन इसके लिए वे तेल कंपनियों से अनुमति लेना चाहते हैं। इसमें वित्तीय पहलू भी शामिल हैं। चूंकि गैस एजेंसियों और डिलीवरी बॉय द्वारा धोखाधड़ी की संभावना है सरकार ने सीधे खातों में नकद जमा करने का निर्णय लिया है।

सरकार ने महालक्ष्मी योजना के तहत 500 रुपये वाले गैस सिलेंडर के लाभार्थियों के चयन के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सरकारी व्यवस्था के तहत इस योजना के लिए आवेदन करने वाली आशा कार्यकर्ताओं की मदद से लाभार्थी चयन प्रक्रिया की गई। आशा कार्यकर्ता आवेदकों के घर जाकर राशन कार्ड और अन्य पहचान दस्तावेजों की जांच करती हैं। जो लोग इस योजना के पात्र हैं उनका पूरा विवरण दर्ज किया जा रहा है। लेकिन यह योजना केवल उन लोगों के लिए है जिनके पास राशन कार्ड और गैस कनेक्शन है। तेलंगाना में करीब 90 लाख सफेद राशन कार्ड हैं। नागरिक आपूर्ति विभाग के मुताबिक, राज्य में सिर्फ 64 लाख कार्डों पर ही गैस कनेक्शन है। इनमें से केवल 64 लाख सफेद राशन कार्ड धारक ही वर्तमान में 500 रुपये वाले गैस सिलेंडर योजना के पात्र हैं। बाकी 26 लाख राशन कार्डों में गैस कनेक्शन नहीं है। ऐसा लगता है कि उन पर भी यह योजना लागू हो सकती है। यह योजना तभी लागू होगी जब ये 26 लाख लोग नई गैस खरीद लेंगे।

मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्र के टिकट के लिए बीआरएस में घमासान

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्र के बीआरएस में टिकट के लिए कड़ा मुकाबला है। उस पार्टी से कई नेता रिंग में उतर रहे हैं। मलकाजगिरी देश के सबसे बड़े निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है और विभिन्न दलों के नेता इस सीट से चुनाव लडने के प्रति इच्छा भी जाहिर कर चुके हैं। पूर्व मंत्री मल्लारेड्डी को भरोसा है कि उनके बेटे भद्रा रेड्डी को टिकट मिलेगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें उनके बेटे के लिए टिकट का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों को टिकट देने पर पार्टी की आलोचना हो सकती है, लेकिन उनके परिवार को टिकट दिया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने अपने दामाद मर्रि राजशेखर रेड्डी को टिकट दिया था। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान, राजशेखर रेड्डी मामूली अंतर से रेवंत रेड्डी के हाथों हार गये। सूत्रों ने कहा कि पूर्व मंत्री ने अपने विकल्प खुले रखे हैं, उनके बेटे को टिकट ना मिलने की स्थिति में वे किसी और पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

पार्टी में कई नेताओं की नजर टिकट पर थी। इनमें एमएलसी शंभीपुर राजू का नाम भी है। राजू ने पिछले दिनों विधानसभा टिकट पाने की कोशिश की थी, मल्लारेड्डी ने इसे अपने दामाद को दे दिया। वरिष्ठ नेता एम राममोहन गौड़ टिकट के लिए प्रयासरत हैं। वह मल्काजगिरी लोकसभा के अंतर्गत एलबी नगर विधानसभा क्षेत्र से हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था और दोबारा पार्टी में आये हैं। पार्टी ने उन्हें भविष्य की अच्छी संभावनाओं का आश्वासन दिया है।

वीरमल्ला राम नरसिम्हा गौड़, आर श्रीधर रेड्डी और एस वेंकट रेड्डी भी टिकट मांग रहे हैं। गौड़ गद्दीनराम मार्केट कमेटी के पूर्व अध्यक्ष, पहले उपचुनाव में पार्टी के लिए काम किया था। श्रीधर रेड्डी को लगता है कि कैडर की मौजूदगी और त्रिकोणीय लड़ाई उनकी जीत में योगदान देगी।

रंगारेड्डी जिला परिषद अध्यक्ष तीगला अनीता रेड्डी और पूर्व विधायक तीगला कृष्ण रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की।

पेपर लीक होने के बाद यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा रद्द

योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते 17 व 18 फरवरी को आयोजित पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2023 को निरस्त करते हुए अगले 06 माह के भीतर पूरी शुचिता के साथ दोबारा परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उक्त परीक्षा के संबंध में जारी एसटीएफ की जांच और अब तक की कार्रवाई की समीक्षा करते हुए शनिवार को मुख्यमंत्री ने यह निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की मेहनत से खिलवाड़ और परीक्षा की शुचिता से समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी तय है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गृह विभाग ने परीक्षा निरस्त करने का आदेश भी जारी कर दिया है। जारी आदेश के मुताबिक 17 व 18 फरवरी, 2024 को सम्पन्न हुई पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में प्राप्त तथ्यों एवं सूचनाओं के परीक्षण के आधार पर शुचिता एवं पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के दृष्टिगत इस

परीक्षा को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

शासन ने भर्ती बोर्ड को यह निर्देश दिए है कि जिस भी स्तर पर लापरवाही बरती गई है उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। शासन ने प्रकरण की जांच एसटीएफ से कराये जाने का निर्णय लिया है, दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों अथवा संस्थाओं के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई किये जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। शासन ने छह माह के अन्दर पूर्ण शुचिता के साथ पुनः परीक्षा आयोजित करने तथा उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की सेवा से अभ्यर्थियों को निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर चयन के लिए आयोजित परीक्षा-2023 को निरस्त करने तथा आगामी छह माह के भीतर ही पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। युवाओं की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे। ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी तय है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती के लिए 18 फरवरी को आयोजित परीक्षा के दौरान कृष्णानगर स्थित एक स्कूल में परीक्षार्थी सत्य अमन कुमार के पास मिली सवालों के जवाब की पर्ची से पेपर लीक होने की आशंका जताई जा गई थी।

एफआईआर दर्ज कराने वाले इंस्पेक्टर ने भी तहरीर में सुनियोजित तरीके से पेपर लीक होने की बात लिखी थी। वहीं, परीक्षार्थी को सवालों के जवाब व्हाट्सएप पर भेजने वाले आरोपी नीरज को अब तक पुलिस नहीं पकड़ सकी है। आरोपी नीरज को प्रश्नों की जानकारी कहां से मिली, यह अहम सवाल अभी तक अनसुलझा है।

समाजवादी छात्र सभा ने आगरा कलक्ट्रेट में जोरदार प्रर्दशन किया था। परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा था। परीक्षा को रद्द करने के बाद प्रयागराज, लखनऊ और आगरा जैसे शहरों में छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने बड़ी संख्या में नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे थे।

सियासी घमासान के बीच मथुरा में जयंत विधायक दल के साथ करेंगे बैठक

26 को सीएम योगी से मुलाकात अहम

मुजफ्फरनगर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश की 10वीं राज्यसभा सीट पर मचे सियासी घमासान के बीच रालोद हर कदम पर एहतियात बरत रहा है। रविवार को मथुरा में रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह ने विधायक दल की बैठक बुलाई है। यहीं से विधायक मतदान के लिए रवाना होंगे। इसके बाद लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ से अहम मुलाकात होगी।

राज्यसभा चुनाव के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है। भाजपा और सपा ने अपने-अपने प्रत्याशी के लिए वोट जुटाने में ताकत झोंक रखी है। एनडीए में शामिल होने की रस्म अदायगी से पहले राज्यसभा चुनाव रालोद का भी पहला इम्तिहान है। रालोद के हिस्से के नौ वोट नतीजों में अहम भूमिका निभाएंगे।

यही वजह है कि रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह ने 25 फरवरी को मथुरा स्थित आवास पर अपने विधायकों की बैठक बुलाई है। राज्यसभा चुनाव को लेकर निर्णायक रणनीति तैयार होगी। मथुरा से ही विधायक लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। सोमवार को रालोद विधायक लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ से मुलाकात कर अहम बिंदुओं पर चर्चा करेंगे।

इस तरह अहम हो गया रालोद

दस सीटों के राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आठवें प्रत्याशी के तौर पर संजय सेठ को मैदान में उतार रखा है। कुल प्रत्याशियों की संख्या 11 हो गई है, जिसके चलते एक सीट पर मतदान होगा। एनडीए के साथ गठबंधन में शामिल होने जा रहे रालोद के पास नौ विधायक हैं। जिसके चलते रालोद की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। बुढ़ाना से राजपाल बालियान, पुरकाजी सुरक्षित सीट से अनिल कुमार, खतौली से मदन भैया, मीरापुर से चंदन चौहान, छपरौली से अजय कुमार, सिवालखास से गुलाम मोहम्मद, शामली से प्रसन्न चौधरी, थानाभवन से अशरफ अली खान और सादाबाद से गुड्डू चौधरी विधायक हैं।

पा से रालोद में शामिल होकर विधानसभा चुनाव जीतने वाले विधायकों पर भी सबकी नजर टिकी है। इनमें मीरापुर विधायक चंदन चौहान, सिवालखास विधायक गुलाम मोहम्मद और पुरकाजी सुरक्षित सीट से विधायक अनिल कुमार शामिल हैं। तीनों विधायक चुनाव से पहले सपा में थे, लेकिन गठबंधन में सीट रालोद पर चले जाने के बाद सिंबल बदलकर चुनाव लड़ा था।

राज्यसभा के मतदान में रालोद पहले भी मात खा चुका है। वर्ष 2017 में छपरौली से रालोद विधायक चुने गए सहेंद्र सिंह रमाला ने वर्ष 2018 में राज्यसभा चुनाव में पार्टी के निर्देश के विरुद्ध कार्य किया था। जिसके चलते तत्कालीन अध्यक्ष चौधरी अजित सिंह ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के निधन के बाद लोकदल दो हिस्सों में बंट गया था। लोकदल (ब) में थे चौधरी साहब के शिष्य मुलायम सिंह यादव और लोकदल (अ) के नेता उनके बेटे चौधरी अजित सिंह बने थे। दोनों गुट जनता दल में शामिल थे।

वर्ष 1989 के चुनाव के बाद वीपी सिंह प्रधानमंत्री बनाए गए। चौधरी अजित सिंह का मुख्यमंत्री बनना लगभग तय था, लेकिन एन वक्त पर मुलायम सिंह ने भी डिप्टी सीएम का पद ठुकराकर मुख्यमंत्री पद के लिए अपना दावा ठोक दिया।

सूबे की सबसे बड़ी कुर्सी के लिए मुलायम सिंह यादव और अजित सिंह के बीच मतदान कराना पड़ा। पांच वोट से मुलायम सिंह यादव बाजी जीतकर पहली बार मुख्यमंत्री बने और अजित सिंह को केंद्र में मंत्रालय से संतोष करना पड़ा था। पश्चिम यूपी के गली-मोहल्लों तक में इस किस्से को खूब सुनाया जाता है, बल्कि अजित सिंह का साथ छोड़ने वाले विधायकों के नाम भी खूब दोहराए जाते हैं।

अखिलेश बोले- परीक्षा निरस्त होना युवाओं की जीत, अफसर-अपराधी मिले हुए हैं

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी पुलिस आरक्षी परीक्षा का निरस्त होना युवाओं की जीत है और भाजपा सरकार के प्रपंचों की हार है। पहले तो भाजपाई कह रहे थे पेपर लीक ही नहीं हुए तो अब कैसे मान लिया। इसका मतलब अधिकारी और अपराधी मिले हुए थे और सरकार भी पीछे से अपना हाथ उनके सिर पर रखे हुई थी लेकिन तमाम सबूतों के आगे चुनाव में ऐतिहासिक हार से बचने के लिए सरकार झुकने पर मजबूर हुई है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नौकरियों के नाम पर जो खेल बेरोजगार युवक-युवतियों से खेल रही है, उसका सच अब सब समझने लगे हैं। दिखावे के लिए नौकरियां निकालना, अरबों रुपये की फीस ले लेना, पेपर लीक होने देना फिर निरस्त करने का नाटक करना... ये खेल भाजपा को इस बार बहुत महंगा पड़ेगा। इस बार युवाओं ने ठान लिया है कि न बहकावे में आएंगे न किसी भाजपाई झांसे में। युवा अगले हर चुनाव में भाजपा को बुरी तरह हराएंगे और हमेशा के लिए हटाएंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि युवा कह रहे हैं कि फीस के नाम पर जो पैसा लिया गया है कहीं वो भाजपा का चुनावी फंड न बन जाए, इसीलिए अभ्यर्थियों का फार्म जमा रहे लेकिन भाजपा सरकार फीस का पैसा अभी लौटाए और जब कभी दुबारा परीक्षा हो तो ऑन लाइन डिजिटल पेमेंट से तुरंत फिर से फीस ले ले।

इज्जतनगर मंडल के छह स्टेशनों का होगा कायाकल्प

कल पीएम मोदी करेंगे शिलान्यास

बरेली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 फरवरी को इज्जतनगर मंडल के छह स्टेशनों के आधुनिकीकरण के कार्यों का शिलान्यास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये करेंगे। सभी स्टेशन अमृत भारत योजना के तहत दोबारा विकसित किए जा रहे हैं।

इज्जतनगर मंडल की डीआरएम रेखा यादव ने बताया कि अमृत योजना के तहत प्रथम चरण में पूर्वोत्तर रेलवे के बरेली सिटी, पीलीभीत, कन्नौज, गुरसहायगंज, टनकपुर व काशीपुर स्टेशन शामिल हैं। 10.9 करोड़ रुपये की लागत से सिटी रेलवे स्टेशन का सुंदरीकरण किया जा रहा है।

सर्कुलेटिंग एरिया के विस्तार के साथ ही पार्किंग व पार्क विकसित किए जाएंगे। अभी यहां

केवल दोपहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है। इसे चार पहिया वाहनों के हिसाब से तैयार किया जाएगा। इसके अलावा मॉडर्न टॉयलेट, दिव्यांगों के लिए रैंप बनाए जाएंगे।

12 मीटर चौड़ा नया पैदल उपरिगामी पुल व प्लेटफॉर्म एक, दो, तीन व चार पर स्वचालित सीढ़ियां लगाई जाएंगी। छत पर सौर ऊर्जा पैनल लगाए जाएंगे।

पीलीभीत स्टेशन को 16.7 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है।

कासगंज की तरफ एक ओवरब्रिज का भी निर्माण कराया जा रहा है। डीआरएम रेखा यादव ने कहा कि हम आधुनिक स्टेशन तैयार कर रहे हैं। साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आप रेलवे की ओर से तैयार किए जा रहे टॉयलेट देख लीजिए, जो मॉल से अच्छे हैं। प्लेटफॉर्म भी चमक रहे हैं।

नक्शे की वजह से अटका हार्टमैन अंडरपास का निर्माण

मानचित्र तैयार न होने की वजह से हार्टमैन अंडरपास का निर्माण अटका है। अब संशोधित मानचित्र मुख्यालय भेजा गया है। वहां से स्वीकृति मिलते ही इसका निर्माण शुरू होगा। उम्मीद है कि मार्च में कार्य शुरू हो जाएगा।

हार्टमैन ओवरब्रिज के नीचे तीन करोड़ रुपये की लागत से 150 मीटर लंबा अंडरपास बनाया जाना है। इसके लिए प्रस्ताव पास होने के साथ ही बजट भी जारी हो गया। टेंडर भी हो गए पर अभी तक काम शुरू नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि पहले जो मानचित्र बनाया गया था, उसमें संशोधन किया गया है।

दरअसल, अंडरपास के मोड़ के लिए ज्यादा जगह नहीं मिल पा रही है।

जल्दबाजी में अंडरपास बनाने पर लोगों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है। ऐसे में संशोधित मानचित्र को स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा गया है। डीआरएम रेखा यादव ने बताया कि मुख्यालय से स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

बिहार में हजारों लोगों की लगी लॉटरी! लघु उद्योग योजना में चयन

नीतीश सरकार देने जा रही 2-2 लाख रुपये

पटना, 24 फरवरी (एजेंसियां)। लघु उद्यमी योजना के लिए 50 हजार लाभुकों का चयन किया गया। 10 हजार लाभार्थियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। उद्योग मंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में लाभार्थियों का चयन कंप्यूटरीकृत रैंडेमाइजेशन सिस्टम से हुआ। सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य में जाति आधारित गणना में कुल सर्वेक्षित 2.76 करोड़ है। इनमें 94 लाख परिवार ऐसे हैं जिनकी मासिक आमदनी 6 हजार से कम है।

राज्य ब्यूरो, पटना। बिहार लघु उद्यमी योजना के लिए उद्योग विभाग के सभागार में 50 हजार लाभुकों का चयन किया गया। वहीं, 10 हजार लाभार्थियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। उप मुख्यमंत्री सह उद्योग मंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में लाभार्थियों का चयन कंप्यूटरीकृत रैंडेमाइजेशन सिस्टम से हुआ।

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य में जाति आधारित गणना में कुल सर्वेक्षित 2.76 करोड़ है। इनमें 94 लाख परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक आमदनी छह हजार रुपये से कम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर आर्थिक रूप से गरीब परिवारों को स्वरोजगार के लिए सहायता दिए जाने को ले बिहार लघु उद्यमी योजना आरंभ की गई है।

इसके तहत प्रत्येक लाभुक को दो लाख रुपये की राशि अनुदान के रूप में दी जाएगी। हमें बिहार को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। बड़े उद्योग भी लगाएंगे और छोटे उद्योग भी लगाएंगे।

उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संदीप पौंड्रिक ने जानकारी दी कि इस योजना के लाभार्थियों के चयन के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए थे। पोर्टल पांच फरवरी से 20 फरवरी तक खोला गया।

इस दौरान 2,02013 आवेदन आए। अनुसूचित जाति से 61,494, अनुसूचित जनजाति वर्ग से 3150, अतिपिछड़ा वर्ग से 73,385, पिछड़ा वर्ग से 46,996 तथा सामान्य वर्ग से 16,988 आवेदन प्राप्त हुए। इन्हीं आवेदकों से 50 हजार लाभार्थियों का चयन किया गया।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस योजना के लिए 250.00 करोड़ तथा 2024-25 के लिए 1000 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। उद्योग निदेशक, पंकज दीक्षित, तकनीकी विकास निदेशालय के निदेशक विशाल राज, हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय के निदेशक विवेक रंजन मैत्रेय, उद्योग विभाग के विशेष सचिव दिलीप कुमार।

वरुण गांधी के विरोध में उठे सुर

भाजपाइयों ने पीलीभीत प्रभारी का किया स्वागत, सांसद के खिलाफ नारेबाजी

बरेली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी के खिलाफ भाजपा में विरोध के सुर उठने लगे हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत शनिवार को जब बहेड़ी पहुंचे तो उनके सामने ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने वरुण गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस घटनाक्रम से पीलीभीत की सियासत को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई है।

भाजपा ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। इसी के मद्देनजर

त्रिवेंद्र सिंह रावत देहरादून से किच्छा बॉडर होते हुए बहेड़ी पहुंचे। मुड़िया मुकर्रमपुर टोल प्लाजा पर उनका स्वागत किया गया। भाजपा के जिलाध्यक्ष पवन शर्मा ने उनकी आगवानी की। बहेड़ी नगर, बाईपास, नैनीताल रोड, रिछा स्टेशन, गुडवारा, हसनपुर में उनका हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के कार्यक्रम में भाजपा जिला प्रभारी चौधरी देवेंद्र सिंह, पूर्व विधायक छत्रपाल सिंह, नगर उपाध्यक्ष कामाक्षी शर्मा, डॉ प्रमोद शर्मा, नगरध्यक्ष सुनील रस्तोगी, आदि मौजूद रहे।

त्रिवेंद्र सिंह रावत के स्वागत के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद वरुण गांधी के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

आईटीआई मैदान में जमकर बरसे तेजस्वी यादव

कहा-मोदी-नीतीश के सामने लालू नहीं झुके, उनका लड़का क्यों झुकेगा...2 लाख लोगों की थी भीड़

नवादा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। नवादा के आईटीआई मैदान में तेजस्वी यादव ने जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा पर जमकर बरसे। कहा कि जब मोदी और नीतीश के सामने लालू नहीं झुके तो उनका लड़का तेजस्वी भी नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि हम आपकी लड़ाई लड़ने आए हैं। यदि साथ दीजिएगा तो नया बिहार बनाएंगे। यहां एक मौका मिला तो नौजवानों का भविष्य सुनहरा कर देंगे, वहीं कहा कि आगामी तीन मार्च को पटना चलना है और वहां गांधी मैदान को पाट देना है। पटना में आएंगे तो चाचा भाजपा

का पतन शुरू हो जाएगा।

तेजस्वी ने नौकरी के मुद्दे पर नीतीश को घेरा। बोला कि मैंने 17 महीने में 17 साल का काम किया हैय पांच लाख नौकरी देकर साबित कर दिया है।

तेजस्वी यादव ने लालू प्रसाद यादव की बीमारी का हवाला देते हुए कहा कि वे कहीं आने जाने में असमर्थ हैं इसलिए आप सभी 3 मार्च को पटना गांधी मैदान में गठबंधन की रैली में जरूर पधारें। आज की रैली में जबरदस्त भीड़ रही। आज की इस जन विश्वास यात्रा के दौरान नवादा के सभी राजद विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। तेजस्वी यादव के नवादा पहुंचने पर कांग्रेस विधायक नीतू सिंह,राजद विधायक विभा देवी,मोहम्मद कामरान ,प्रकाश वीर, प्रदेश सचिव श्रवण कुशवाहा, जिला अध्यक्ष उदय यादव, विनोद यादव, रेनू सिंह, पुष्पा देवी, आदि लोग उपस्थित थे।

उपेंद्र कुशवाहा का दावा- मेरे कहने पर एनडीए में लौटे नीतीश कुमार

केके पाठक को बताया सनकी अधिकारी; सीएम को दे डाली ये सलाह

पटना, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के द्वारा सुरसंड नगर पंचायत के दुर्गा मंदिर परिसर के प्रांगण में एक सभा का आयोजन किया। इस सभा की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष ने किया। पार्टी के अध्यक्ष सहित कई प्रदेश के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित हुए। पार्टी अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में लोकसभा के चुनाव में एनडीए गठबंधन 40 सीट जीतेगा।

संवाद सहयोगी, सुरसंड (सीतामढ़ी) : राष्ट्रीय लोक मोर्चा के द्वारा सुरसंड नगर पंचायत के दुर्गा मंदिर परिसर के प्रांगण में एक सभा का आयोजन किया। इस सभा की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष ने किया।

पार्टी के अध्यक्ष सहित कई प्रदेश के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित हुए। पार्टी अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में लोकसभा के चुनाव में एनडीए गठबंधन 40 सीट जीतेगा।

उन्होंने कहा कि मैंने कभी अपने उसूलों से समझौता नहीं किया है। जब नीतीश कुमार महागठबंधन में शामिल हो रहे थे तो मैंने इसका विरोध किया था। इसी के कारण जदयू से अलग होकर नई पार्टी बनाई, लेकिन देर सवेर नीतीश कुमार मेरी बातों पर सहमत हुए और एनडीए गठबंधन में वापस आ गए।

नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए सभी लोग एकजुट होकर एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी को वोट दें। उन्होंने कहा कि आज देश को प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की आवश्यकता है। इनके नेतृत्व में देश विकास की ओर बढ़ रहा है, एनडीए के हाथों में ही देश सुरक्षित है।

केके पाठक पर बोला हमला

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने केके पाठक को सनकी पदाधिकारी बताया। कहा कि शिक्षकों को गाली देते हुए वीडियो प्रसारित हुआ। इसको मुख्यमंत्री को गंभीरता से लेना चाहिए।

उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने राजद को जिंदा किया है। अगर नीतीश कुमार राजद को जिंदा नहीं करते तो इस पार्टी का कहीं अता-पता भी नहीं रहता।

हिमाचल से कांग्रेस प्रत्याशी सिंघवी सबसे अमीर

जया बच्चन पर 149 करोड़ की देनदारी; देश में 56 राज्यसभा एमपी के लिए 59 दावेदार

शिमला, 24 फरवरी (एजेंसियां)। देश के 15 राज्यों की 56 राज्यसभा सीटों के लिए 59 दावेदारों ने नॉमिनेशन फाइल कर दावेदारी जताई है। इनमें सबसे अमीर उम्मीदवार हिमाचल प्रदेश से कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी हैं। सिंघवी के पास कुल 1872 करोड़ रुपए की चल एवं अचल संपत्ति है। सिंघवी सालाना 359 करोड़ रुपए इनकम टैक्स भर रहे हैं।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के अनुसार, अभिषेक मनु सिंघवी के पास 1458 करोड़ की चल संपत्ति और 414 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। 1578 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ दूसरे नंबर पर समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी जया अमिताभ बच्चन और आंध्र प्रदेश से वाईएसआरसीपी के कुपेंद्र रेड्डी 871 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ तीसरे नंबर हैं।

सिंघवी को हिमाचल से राज्यसभा भेजने की तैयारी

- 1872 करोड़ की चल एवं अचल संपत्ति के मालिक
- मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले सिंघवी
- 1458 करोड़ की चल और 4140 करोड़ की अचल संपत्ति
- हाईकमान का हिमाचल से राज्यसभा भेजने का निर्णय

बीजेपी के बालयोगी के पास 47 लाख की संपत्ति

वहीं, बीजेपी के मध्य प्रदेश से प्रत्याशी बालयोगी उमेश नाथ के पास सबसे कम 47 लाख रुपए की चल एवं अचल संपत्ति है। पश्चिम बंगाल से बीजेपी के सैमिक भट्टाचार्य के पास 1 करोड़ और उत्तर प्रदेश से बीजेपी की संगीता के पास भी 1 करोड़ की ही संपत्ति है। एडीआर के अनुसार, जया अमिताभ बच्चन पर सबसे ज्यादा 149 करोड़ रुपए, कर्नाटक के जेडी(एस) के कुपेंद्र रेड्डी पर 141 करोड़ तथा आंध्र प्रदेश से वाईएसआरसीपी के मेदा रघुनाधा रेड्डी पर 82 करोड़ रुपए की देनदारी है।

10 उम्मीदवारों के खिलाफ सीरियस क्रिमिनल केस

एडीआर द्वारा सभी प्रत्याशियों के शपथ पत्र का विश्लेषण करने से पता चला कि 58 में से 21 उम्मीदवारों के खिलाफ क्रिमिनल केस हैं। इनमें से 10 के खिलाफ सीरियस क्रिमिनल केस हैं। एक के खिलाफ अटैम्प्ट टू मर्डर का मामला दर्ज है। बीजेपी के 30 प्रत्याशियों में से 8 के खिलाफ क्रिमिनल केस, कांग्रेस के 9 में से 6, ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के 4 में से 1, समाजवादी पार्टी के 3 में से 2, वाईएसआरसीपी के 3 में से 1 तथा आरजेडी के 2 में से 1 प्रत्याशी के खिलाफ क्रिमिनल केस चल रहे हैं। वहीं, सीरियस क्रिमिनल केस बीजेपी के 3 प्रत्याशियों पर, कांग्रेस के 4 तथा एआईटीसी और एसपी के 1-1 प्रत्याशी के खिलाफ चल रहे हैं।

10 उम्मीदवार 10वीं से 12वीं तक पढ़े-लिखे

राज्यसभा सांसद के 10 उम्मीदवार पांचवीं से 12वीं कक्षा तक के बीच पढ़े-लिखे हैं, जबकि 46 प्रत्याशी ग्रेजुएट या इससे ज्यादा, सिर्फ एक राज्यसभा उम्मीदवार ने खुद को साक्षर घोषित किया है और 1 राज्यसभा उम्मीदवार डिप्लोमा धारक बताया है।

5 उम्मीदवारों की उम्र 70 साल से ज्यादा

इनमें 9 उम्मीदवारों ने अपनी आय 31 से 50 साल के बीच बताई है, जबकि 44 उम्मीदवारों ने 51 से 70 साल तथा 5 ने 70 साल से भी ज्यादा उम्र बताई है। 58 उम्मीदवारों में महिला उम्मीदवार केवल 11 (19%) हैं। एडीआर ने रिपोर्ट में दावा किया है कि 59 में से 58 उम्मीदवारों को नामांकन के साथ दाखिल एफिडेविट का विश्लेषण करके यह निष्कर्ष निकाला गया है। वहीं, कर्नाटक कांग्रेस के एक प्रत्याशी जीसी चंद्रशेखर के एफिडेविट का प्रिंट सही नहीं होने की वजह से विश्लेषण नहीं किया जा सका।

असम में मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स एक्ट खत्म

सरकार बोली-यूसीसी की दिशा में एक बड़ा कदम, इससे बाल विवाह रुकेंगे

गुवाहाटी, 24 फरवरी (एजेंसियां)। असम सरकार ने राज्य में मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स एक्ट 1935 को खत्म कर दिया। यह निर्णय देर रात मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की बैठक में लिया गया। अब राज्य में सभी शादियां स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत की जाएंगी। राज्य मंत्री जयंत मल्लबारुआ ने इसे यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की दिशा में एक बड़ा स्टेप बताया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में हो रहे बाल विवाह भी रुकेंगे।

सरकार के दो बड़े बयान

राज्यमंत्री मल्लाबरुआ ने कहा की मुख्यमंत्री ने हम समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ रहे हैं। इसी को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। अब असम में कोई भी मुस्लिम विवाह या तलाक रजिस्टर नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास एक स्पेशल मैरिज एक्ट है, इसलिए हम चाहते हैं कि सभी मामले उस एक्ट के माध्यम से सुलझाएं जाएं। अब मुस्लिम विवाह और तलाक का रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर और डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार द्वारा किया जाएगा। जो इस डिवोर्स रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत काम कर रहे थे, उन्हें हटा दिया जाएगा और इसके बदले उन सभी को एकमुश्त दो-दो लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

एआईयूडीएफ नेता ने जताई आपत्ति

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के चीफ मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने सरकार के इस फैसले पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि बहुविवाह केवल मुसलमानों में नहीं है, बल्कि अन्य समुदाय में भी है। केवल मुसलमानों को टारगेट करना सही नहीं है।

2026 तक बाल विवाह पर नया कानून लाने पर विचार

फरवरी 2023 में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा था कि हमारा रुख स्पष्ट है, असम में बाल विवाह रुकने चाहिए। बाल विवाह के खिलाफ हम नया कानून लाने के बारे में चर्चा कर रहे हैं। 2026 तक हम बाल विवाह के खिलाफ नए कानून लाने पर विचार कर रहे हैं, जहां जेल की सजा दो साल से बढ़ाकर 10 साल की जाएगी।

'उसे भाजपा नेता बनाकर ममता सरकार कर रही ध्यान भटकाने की कोशिश'

सब्यसाची घोष की गिरफ्तारी पर बोले बीजेपी नेता

कोलकाता, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता सब्यसाची घोष पर वेश्यावृत्ति के लिए रैकेट संचालन का आरोप लगा है। उन्हें नाबालिग बच्चियों से छेड़छाड़ और देहव्यापार जैसी गैरकानूनी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार भी किया गया है। उनकी गिरफ्तारी पर भाजपा नेता अनिर्बान गांगुली ने एक बड़ा खुलाया किया है। उन्होंने बताया कि सब्यसाची घोष के नाम से भाजपा में कोई नेता ही नहीं है।

सब्यसाची घोष का भाजपा से कोई नाता नहीं

इस मामले में भाजपा नेता अनिर्बान गांगुली ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, भाजपा में सब्यसाची घोष के नाम से कोई नेता नहीं है। यह जानकर खुशी हुई कि पश्चिम बंगाल की पुलिस बहुत सक्रिय है। यह उनका काम है कि वे अपराधियों को पकड़कर उन्हें बेनकाब करें और इस तरह की अवैध गतिविधियों को रोकें। उन्होंने आगे कहा, कोई यह समझ नहीं पा रहा है कि पिछले 50 दिनों में वे सबसे प्रसिद्ध अपराधियों में से एक को गिरफ्तार क्यों नहीं कर पाएं? उसने एक केंद्रीय एजेंसी पर जानलेवा हमले की साजिश रची, जमीन पर कब्जा किया और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म भी किया।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर साधा निशाना

भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, राज्य की सीएम अपराधी को समाज सेवक और प्रमुख नेता कहती है। राज्य की पुलिस पिछले कुछ दिनों से उस अपराधी और उसके सहयोगियों को पकड़ नहीं पा रही है। मुझे ऐसा लगता है कि सब्यसाची घोष को भाजपा नेता बनाने की कोशिश केवल ध्यान भटकाने के लिए की गई है। अगर सब्यसाची घोष को इस गतिविधियों में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया है तो कानून को उनका काम करने दें। बता दें कि हावड़ा जिले के होटल में सेक्स रैकेट संचालन का भंडाफोड़ मामले में हावड़ा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने गुरुवार शाम सांकराइल इलाके के होटल में छापेमारी की। छापेमारी के बाद सब्यसाची घोष और उनके 10 सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गुजरात की भरूच सीट आप के पास जाने से भड़कीं अहमद पटेल की बेटी

बोलीं-बेकार नहीं जाने देंगे विरासत

गांधीनगर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन का औपचारिक एलान हो गया है। दोनों पार्टियों ने सीटों के बंटवारे की भी जानकारी दी है। हालांकि इसे लेकर बगावत के सुर भी सुनाई देने लगे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे अहमद पटेल की बेटी और कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में बागी तेवर की झलक दिखाई है। उन्होंने लिखा कि हम अहमद पटेल की 45 वर्षों की विरासत को बेकार नहीं जाने देंगे। कांग्रेस और आप के बीच गुजरात में गठबंधन का एलान हो गया है और गठबंधन के तहत राज्य में कांग्रेस 24 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं आम आदमी पार्टी को दो सीटें भरूच और भावनगर दी गई हैं।

अहमद पटेल के बेटे भी जता चुके हैं नाराजगी

मुमताज पटेल ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि 'हम अपने जिला कैडर से माफी मांगते हैं कि हम भरूच लोकसभा सीट को गठबंधन के तहत नहीं बचा पाए। मैं आपकी नाराजगी को ऊपर तक पहुंचाऊंगी। हम सभी साथ मिलकर कांग्रेस को मजबूत करेंगे और अहमद पटेल की 45 वर्षों की विरासत को बेकार नहीं जाने देंगे।' गौरतलब है कि अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल ने भी हाल ही में भरूच सीट, आप को देने की चर्चाओं के बीच पार्टी को चेतावनी दी थी कि अगर भरूच सीट आप को दी गई तो वे आप उम्मीदवार को समर्थन नहीं देंगे।

अब जब तय हो गया है कि भरूच सीट पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी तो फैसल पटेल ने कहा कि 'मैं और मेरी पार्टी के कार्यकर्ता इस फैसले से खुश नहीं हैं। हम चाहते थे कि ये फैसला न हो, लेकिन हाईकमान ऐसा चाहता है और हम उसका पालन करेंगे। मैं एक बार फिर पार्टी हाईकमान से इस बारे में बात करूंगा। अभी चुनाव और नामांकन करने में काफी समय बचा है। गांधी परिवार, मेरा परिवार भी है और मुझे विश्वास है कि वे पटेल परिवार की इस सीट से जुड़ी भावनाओं को समझेंगे।'

भरूच सीट से तीन बार सांसद रहे थे अहमद पटेल

भरूच लोकसभा सीट से कांग्रेस के दिवंगत नेता अहमद पटेल तीन बार सांसद रहे हैं और ये सीट उनके प्रभाव वाली मानी जाती है। हालांकि भरूच सीट पर कांग्रेस लंबे समय से जीत नहीं पाई है और आखिरी बार साल 1984 में कांग्रेस को इस सीट पर जीत मिली थी। ऐसी चर्चाएं हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में भरूच सीट पर अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल दावेदारी पेश कर रहीं थी। यही वजह है कि भरूच सीट गठबंधन के तहत आप के खाते में जाने पर मुमताज पटेल और फैसल पटेल ने नाराजगी जताई है। फिलहाल भरूच सीट भाजपा का गढ़ है और यहां से भाजपा के मनसुख वसावा छह बार जीत दर्ज कर चुके हैं। आम आदमी पार्टी की तरफ से आगामी लोकसभा चुनाव में चैतर वसावा दावा पेश कर सकते हैं। आप को लगता है कि वे भरूच से भाजपा को हरा सकते हैं। ऐसे में गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी ने भरूच सीट पर खुद चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

बड़ा फैसला : हरियाणा के किसानों को अब कभी नहीं देना होगा आबियाना

4299 गांवों के किसानों को होगा लाभ

चंडीगढ़, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले साढ़े 9 सालों में हरियाणा के किसानों के हितों व उनके कल्याण के प्रति वचनबद्धता का परिचय देते हुए मनोहर सरकार ने नित नई-नई योजनाएं चलाकर किसानों का उत्थान किया है। एक बार फिर मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के हितों में बड़ा ऐतिहासिक फैसला लेते हुए ब्रिटिश शासन के समय से किसानों को नहरी पानी की आपूर्ति पर लगाया जाने वाला आबियाना समाप्त करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्ष 2024-25 के बजट में बड़ी घोषणा करते हुए कहाकि 1 अप्रैल, 2024 से नहरी पानी की आपूर्ति पर प्रदेश में किसानों से लिया जाने वाला आबियाना बंद किया जाएगा। इससे किसानों को बड़ा लाभ होगा। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से 4299 गांवों के किसानों को 140 करोड़ रुपए का एकमुश्त लाभ होगा। साथ ही, 54 करोड़ रुपये की वार्षिक राहत भी मिलेगी। उल्लेखनीय है कि

हरियाणा के इतिहास में आज तक कभी भी आबियाना को खत्म नहीं किया गया है। साल दर साल यह आबियाना चलता आ रहा था। पहली बार मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने आबियाना बंद करने का कदम उठाया है।

इस ऐतिहासिक फैसले से सरकार ने ब्रिटिश शासन से चली आ रही परंपरा को खत्म करते हुए किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम किया है। वित्त वर्ष 2022-23 के अनुसार, प्रमुख जिलों की सूची में जिला हिसार में 349 गांवों के 31.23 करोड़ रुपये का आबियाना बकाया है। इसी प्रकार, कैथल के 320 गांवों के 19.90 करोड़ रुपए, भिवानी के 417 गांवों के 17.13 करोड़ रुपए, सिरसा के 395 गांवों के 12.48 करोड़ रुपए, झज्जर के 157 गांवों के 6.94 करोड़ रुपए, चरखी दादरी के 229 गांवों के 6.09 करोड़ रुपए और नूहं के 171 गांवों के 5.98 करोड़ रुपए का आबियाना बकाया है।

सरकार के फैसले से अब इन गांवों के किसानों को आबियाना नहीं देना होगा। सिंचाई के लिए 16,932 आउटलेट निर्धारित हैं और आबियाना की इस बकाया राशि के अंतर्गत लगभग 24.11 लाख हेक्टेयर भूमि आती है, जिसमें रबी फसलों के तहत 12.19 लाख हेक्टेयर और खरीफ फसलों के तहत 11.92 लाख हेक्टेयर भूमि शामिल है। आबियाना खत्म होने से अब किसानों को सीधे तौर पर लगभग 140 करोड़ रुपये का लाभ होगा।

फिर भड़की हिंसा : आईईडी बम ब्लास्ट, 1 की मौत-उपद्रवियों ने एनजीओ का ऑफिस भी फूंका

इम्फाल, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के इम्फाल वेस्ट के थांगमेइबैंड में डीएम कॉलेज के बाहर रात को आईईडी विस्फोट हुआ। इसमें एक शख्स की मौत हो गई है, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि मरने वाले कि पहचान 24 साल के ओइनम केनेगी के रूप में हुई है। इसके अलावा शनिवार को ही इम्फाल ईस्ट में उपद्रवियों ने यूनाइटेड कमेटी मणिपुर एनजीओ के ऑफिस को भी जला दिया। यह घटना देर रात करीब 12.40 बजे घटी है। पुलिस घटनास्थल की जांच कर रही है। इस आगजनी से फिलहाल किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। सूत्रों के मुताबिक जब यह घटना घटी तब ऑफिस खाली था।

माघ पूर्णिमा पर यूपी में बड़ा हादसा

ट्रैक्टर ट्रॉली के तालाब में पलटने से 24 लोगों की मौत

कासगंज, 24 फरवरी (एजेंसियां)। घटना के ग्रामीणों द्वारा राहत बचाव कार्य शुरू किया गया है. गंभीर रूप से घायल कई श्रद्धालुओं को बड़े अस्पताल में रेफर किया गया है. बता दें कि मारे गए सभी लोग माघ पूर्णिमा के मौके पर पटियाली के कादरगंज गंगा घाट पर स्नान करने जा रहे थे. घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि कासगंज में शनिवार सुबह एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और तालाब में गिर गई, जिससे सात बच्चों सहित 24 लोगों की मौत हो गई. पटियाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पटियाली-दरियावगंज मार्ग पर उस समय दुर्घटना हुई जब ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर लोग गंगा नदी में स्नान करने जा रहे थे. अलीगढ़ रेंज के कमिश्नर शलभ माथुर ने बताया कि, 'ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और 7-8 फुट गहरे तालाब में गिर गई. उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर चालक दूसरे वाहन से आगे निकलने की कोशिश कर रहा था और इसी वजह से हादसा हुआ. सात बच्चों समेत कुल 24 लोगों की मौत हो गई है. लगभग 15-20 लोग घायल हो गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.' उन्होंने कहा, 'ट्रैक्टर-ट्रॉली एटा जिले के जैथरा से आ रही थी. मैं घटनास्थल पर जा रहा हूं.' माथुर ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव मृतकों के परिवारों को सौंप दिए जाएंगे. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कासगंज में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है. सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. सीएम ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने का भी आदेश दिया है. सीएम योगी ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था करने को कहा है. योगी सरकार ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की मदद देने का ऐलान किया है.

प्रतिबंधित ई-सिगरेट की बड़ी खेप जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

नोएडा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। गौतम बुद्धनगर कमिश्नरेट की सेक्टर-39 पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 3.100 किग्रा गांजा, 960 ई-सिगरेट और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई है। बरामद ई-सिगरेट की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए है। पुलिस ने तसलीम और अहमद रफी को सेक्टर-41/42 कट के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि नेपाल बॉर्डर से चीन में निर्मित ई-सिगरेट को खरीदते हैं। जबकि, गांजा उत्तराखंड से मंगाया जाता है। इसे दिल्ली के रोहिणी में बेचा जाता है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और गिरोह में शामिल संभावित शातिरों के बारे में जानकारी भी जुटा रही है। चिंता की बात यह है कि ई-सिगरेट स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हैं। ई-सिगरेट के सेवन से हार्ट, किडनी और लीवर को गंभीर नुकसान पहुंचता है। इसमें कैंसर पैदा करने वाले एजेंट भी होते हैं।

सीएम शिंदे और उनके बेटे को धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

मुंबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने पुणे से शनिवार को एक शख्स को गिरफ्तार किया। उस पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत शिंदे को धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया के जरिए धमकी दी थी और उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 506 (2) और 505 (1) (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है।

ऊंचे इलाकों में बर्फबारी के बाद मौसम खुलने से हिमस्खलन का खतरा बढ़ा, एहतियात बरतने के निर्देश

श्रीनगर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पर्वतीय इलाकों में भारी बर्फबारी के बाद अब मौसम खुलने से हिमस्खलन का खतरा बढ़ गया है। बांदीपोरा, गांदरबल, डोडा, पुंछ, किश्तवाड़, रामबन समेत छह जिलों में अगले 24 घंटे में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जेकेडीएमए) ने इन इलाकों के लोगों और पर्यटकों को एहतियात बरतने के निर्देश जारी किए हैं। जेकेडीएमए के एक अधिकारी के अनुसार, उक्त छह जिलों में

2400 मीटर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अगले 24 घंटे के दौरान हिमस्खलन का खतरा बना हुआ है। इन इलाकों में कम तीव्रता वाला हिमस्खलन हो सकता है। अधिकारी ने आपातकालीन स्थिति में लोगों से 112 नंबर पर संपर्क करने की सलाह दी है। वहीं, गुलमर्ग की अफरवट पहाड़ी के बैक कंट्री एरिया में बीते दिन हिमस्खलन की घटना के बाद गुलमर्ग डेवल्पमेंट अथॉरिटी (जीडीए) की ओर से भी ऊपरी इलाकों में स्कीयर्स को प्रशिक्षित लोकल गाइड के साथ जाने की सलाह दी है।

एक अधिकारी ने कहा कि भारी बर्फबारी हुई है और अब मौसम खुल रहा है। ऐसे में हिमस्खलन का खतरा बढ़ गया है, इसलिए पूरी एहतियात बरतने की जरूरत है। जीडीए के पास प्रशिक्षित टीमें हैं, जो किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सक्षम हैं। बता दें कि गुलमर्ग के आर्मी रिज क्षेत्र में वीरवार को पर्यटन विभाग और जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्की गश्ती दल के संयुक्त अभियान में हिमस्खलन की चपेट में आए रूस के छह स्कीयर और एक स्थानीय स्की गाइड सहित सात लोगों को बचाया गया है। हिमस्खलन कोंगडोरी क्षेत्र के दूरदराज इलाके में आया है। गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर गेम्स चल रहे हैं, लेकिन खेल आयोजन स्थल इस हिमस्खलन वाले इलाके से काफी दूर है।

हम सब जीने वालों को जीने की राह बताए : एल वी प्रसाद

अतुल कुमार

हम सब जीने वालों को जीने की राह बताए : एल वी प्रसाद

कुछ समय पूर्व एक विदेशी संस्था द्वारा दुनिया के सबसे बेहतरीन नेत्र चिकित्सालयों को ले सर्वेक्षण किया गया जिसमें हैदराबाद स्थित एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान को बेस्ट नेत्र संस्थानों में एक के रूप में चुना गया .एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट को नौजवान पीढी खूब जानती है लेकिन एल वी प्रसाद को कम . नेत्रों से जुडे असाध्य रोगी इस हास्पीटल की विशेषज्ञता को जानते हैं . आंखों के सर्वश्रेष्ठ ट्रीट्मेंट के लिये इसकी ख्याति है .सबकी ईक्विटी (समानता) एफीसिएंसी (दक्षता) और एक्सेलेंस (श्रेष्ठता) के लिये इसकी प्रसिद्धि है .गांव खेडों तक से आर्थिक रूप से कमज़ोर रोगी यहां आ इलाज करवाते हैं क्योंकि यह संस्थान 50 % रोगियों का मुफ्त में इलाज करता है इसने हज़ारों लोगों को रौशनी दी . केवल लाभ को पाना संस्थान का उद्देश्य नहीं . नो प्राफिट नो लास के आधार पर अपनी समर्पित सेवाएं बीते 38 वर्षो से दे रहा है . यद्यपि आंखों के इलाज के लिये कई अस्पताल खुल गये हैं लेकिन एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान की स्थापना तब हुई जब शरीर के सबसे नाज़ुक आंखों से जुडी कठिन बीमारियों के इलाज की कोई खास व्यवस्था नहीं थी .

तभी अस्पताल के नाम के पीछे खडे महान व्यक्ति ने यह बीडा उठाया कि किसी को अंधेरी ज़िंदगी ले अंधे पन में नहीं जीने दूंगा .समाज की तकलीफों ,परेशानियों और उससे जूझने की जुस्तजू को एक

क्रियेटिव आदमी से बेहतर और कौन जान सकता है ! वही हुआ . बेचैन करने वाली उन परिस्थितियों के समाधान के लिये उनकी दूर दृष्टा नज़र ने जो कार्य किया वह आज विज्ञान जगत की गौरवशाली मिसाल है इससे नेत्रहीनता की रोकथाम ही नहीं हुई बल्कि नेत्र स्वास्थ की व्यापक सुविधा मिली . आंखों से जुडी लाइलाज बीमारियों को ठीक करने में इसकी ख्याति है .

आंखों के महत्व का जब भी ज़िक्र होता है तब शायर मजरूह सुल्तान पुरी की खूबसूरत लाइनें याद आती हैं " तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है ,ये उठे सुबह चले ये झूके शाम ढले ,मेरा जीना मेरा मरना इन्हीं पलकों के तले " .

एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट की स्थापना की दिलचस्प घटना है . बात उन दिनों की है जब अस्सी के दशक के मध्य में एक फिल्म रिलीस हुई " एक दूजे के लिये" जो उस दौर की सबसे बंपर हिट फिल्म साबित हुई . फिल्म के गाने गली गली गूंजे . फिल्म साउथ इंडियन लडके की नार्थ इंडीयन लडकी के साथ प्रेम कथा पर आधारित थी . जिसके लीड कलाकार कमल हासन और रति अग्निहोत्री थे . फिल्म के निर्देशक के बालचंदर थे .यह तेलुगु फिल्म " मारो चरित्र " का हिंदी रि मेक थी . फिल्म के निर्माता एल वी प्रसाद थे . इसकी ज़बरदस्त

सफलता को इसी से समझा जा सकता है कि उस वर्ष इसको 13 फिल्म फेयर अवार्ड मिले . फिल्म से हुए भारी मुनाफे को पा एल वी प्रसाद ने निश्चय किया कि इसे अच्छे सामाजिक कल्याण के कार्य के लिये दान दिया जाए . उस दौरान उनकी भेंट उस समय के मशहूर नेत्र विशेषज्ञ डा जी एन राव (डा गुल्लापल्ली नागेश्वर राव) से हुई जो उस समय अमेरिका में काम कर रहे थे .

एल वी प्रसाद ने उनसे कहा कि नेत्र रोग के इलाज के लिये

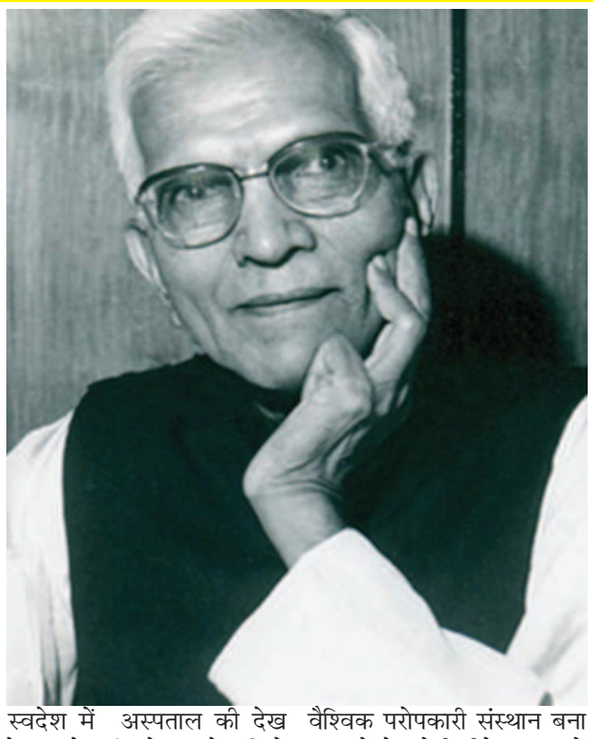

स्वदेश में अस्पताल की देख रेख को संभालें इसके लिये उन्होंने हैदराबाद के प्रमुख स्थान बंजारा हिल्स में पांच एकड ज़मीन और एक करोड रुपये जो उस दौर में बहुत बडी राशि हुआ करती दान स्वरूप फिल्म से हुए प्राफिट में से दी . इससे डा राव इतने प्रभावित हुए कि अस्पताल का नाम उन्हीं पर रखा . जो वैश्विक परोपकारी संस्थान बना . लाखों नेत्र रोगी बीते 38 सालों से इससे लाभान्वित हो रहे हैं . फिल्म के प्राफ़िट ने कैसे वैश्विक मानकों से लैस एक अस्पताल को जन्म दिया यह हैरत के साथ उस दौर के लोगों की देश समाज के प्रति सेवा भावना को प्रकट करता है .

और आज ! अरबों रुपयों की फिल्म की कमाई और प्राफिट के इश्तहार पढने मिलते हैं लेकिन इनसे समाज को क्या मिलता है ,सोचिये ? ऐसे इनवेस्ट्मेंट पोट्फोलियोस किन के लिये ! जिसमें इंवायर्मेंट तथा समाज

कल्याण की भावना शामिल न हो .तेलुगु ,तमिल और हिंदी के प्रसिद्ध निर्माता निर्देशक और अभिनेता एल वी प्रसाद को संसार त्यागे 30 वर्षों से अधिक हो गया लेकिन जिस अनूठे योगदान को छोडा , उसे साइंस और मेडिकल वर्ल्ड बडे आदर और सम्मान से देखता है . यह अनोखे इतिहास की रचना है . किस दौर के लोग थे वह ? जिनमे परोपकार की भावना कूट कूट भरी थी .दरअसल वह सोच ही आज खत्म होती दिखायी देती है .ऐसा क्यों ? इस पर मंथन होना चाहिये .क्यों कि आज हेल्थ और एजुकेशन पहुंच से दूर हो रहे हैं .सामान्य जन की इस बडी चिंता को कौन समझेगा ! बिज़नेस के सभी सेक्टर्स में प्राफिट के समाचार पढने मिलते हैं लेकिन उनके द्वारा पर्यावरण व समाज के वेल्फेयर के लिये किसी संस्थान को जन सेवा भाव के रूप में खडा करने के समाचार दिखायी नहीं देते .

किसी ने खूब कहा " प्यार से बडा कोई धर्म नहीं होता और परोपकार से बडा कोई कर्म नहीं होता " एल वी प्रसाद ने वही सिद्ध किया . मशहूर फिल्म बानक और अभिनेता थे .हिंदी की पहली बोलती फिल्म " आलम आरा " तेलुगु की पहली बोलती फिल्म " भक्त प्रहलाद और तमिल की पहली बोलती फिल्म " कालिदास " में अभिनय किया .उन अग्रदूतों में थे जिन्होंने भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया तेलुगु ,तमिल ,कन्नड , और मलयालम फिल्में निर्देशित कीं हिंदी में " राम और श्याम

बनायी जो तेलुगु फिल्म " रामुडु भीमुडु " का रीमेक थी . फिल्म के हीरो दिलीप कुमार थे . हिंदी फिल्मों में जुडवा भाइयों का ट्रेंड तभी से शुरु हुआ . पूरा नाम लक्ष्मी वरप्रसाद राव था उनका जन्म 17 जनवरी 1908 को संयुक्त आंध्र प्रदेश के एलुरु ज़िले के सुदूर गांव के किसान परिवार में हुआ बचपन से अभिनय में रुचि के कारण मुंबई गये और अपनी अलग पहचान बनायी . मुंबई में कडा संघर्ष किया. मूल रूप से तेलुगु भाषी होने के कारण कुछ भाषायी बाधाएं हुईं लेकिन जल्द हिंदी सीख उसमें निपुण हुए .

मेहनत और नसीब का परिणाम देखिये मुंबई की जिस ड्रीमलैंड टाकीस में टिकट कलेक्टर का काम किया उसी में उनकी बनायी फिल्म " खिलौना " ने सिल्वर जुबिली मनायी . इसे जुनून का साकार रूप कह सकते हैं . हिंदी में " शारदा " " छोटी बहन " बेटी बेटे " " दादी मां " और " जीने की राह " आदि का डायरेक्शन किया वहीं " हमराही ' " ससुराल ' " राजा और रंक " मिलन " " खिलौना " " उधार का सिंदूर " और " एक दूजे के लिये " आदि को प्रोड्यूस किया . साफ सुथरी मीनींग फुल पारिवारिक फिल्मों के बानक के रूप में शोहरत थी . फिल्म कंपनी प्रसाद प्रोडक्शंस की स्थापना की जो अच्छी पारिवारिक फिल्मों का ब्रांड बना . फिल्मों की कहानी ,संवाद , संगीत और गानों पर विशेष ध्यान देते कोई अटपटा दृश्य हो तो कथाकार से साफ पूछते क्या आप इसे अपनी फैमिली के साथ देख सकते हो ! सोचिये ! उस दौर के फिल्म मेकर्स मनोरंजन में आदर्श के कितने ऊंचे मानक रखते जो समाज के लिये पावरफुल मेसेज बनते . और आज ? बहुभाषी फिल्म बानक थे .बांग्ला में भी फिल्में बनायीं सिनेमा में विराट योगदान के लिये सर्वोच्च पुरस्कार दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया . समाज और सिनेमा को सुनहरा योगदान देने वाले इस महान फिल्मकार ने 22 जून 1994 को दुनिया को अलविदा कहा .s

काव्य कुंज

पीड़ा भरी पुकार

संजीव ठाकुर, रायपुर

मेरी पीड़ा भरी पुकार तुम्हें हमेशा सुहाती,
जब भी मनुहार से तुम्हें मैं पुकारती।
उसी क्षण तुम तत्काल दौड़े चले आते,
सदैव मेरी पीड़ा से कितना तुम अकुलाते।
भरी तपन में बूंद बूंद वर्षा की बनकर तुम,
आप्लावित कर देते संपूर्ण इस धरा को तुम ।
देख कर फैली हुई रात्रि की चांदनी तुम्हारी,
मेरी अंधेरी निशा भी बन जाती दिवाली।
भव्य दिव्य प्रकाश तुम्हारा जो पा जाति मैं,
जगमग सी जगमगाती अंधेरी दुनिया मेरी।
फूलों सा डाली-डाली मुस्कुराते अधर तुम्हारे,
गीत मधुर मधुर पंछियों को सुना तुम लहराते।
ईश्वर से है कामना, हर क्षण हो मुझे पीड़ा,
मेरी दर्द भरी पुकार तुम सुनकर दौड़े चले आते।
स्नेह मनुहार मेरा सदैव मैं तुम्हें यूं ही पुकारती रहूं,
मेरी पुकार पर तुम तत्क्षण पास चले आते रहें।

आंसू मेरे अपने मेरे दिल के उदगार

गीता अग्रवाल हैदराबाद

आंसू मेरे अपने हैं
मेरे दिल के उदगार,
छुपा न सके दुनिया से
अपने ये व्यवहार,
गलतफहमियों के घेरे में
आ गए शायद
कैसे समझू किसका
मुझसे कितना सरोकार,
आंसू मेरे अपने हैं मेरे दिल के उदगार।
दिल लगाने कि तो की है खता,
जुदाई की भी अब तो सहनी है सजा,
दिल पे लगी चोट तो आंसू का फूटा ज्वार
मेरे आंसू मेरे कारण करते हैं स्वीकार,
आंसू मेरे अपने हैं मेरे दिल के उदगार।
कैसे समझू किसका मुझसे कितना सरोकार।।
मेरे अर्थों को बेअर्थ किसी ने कर दिया,
जज्बात मेरे अपने थे मैंने स्वयं को दर्द दिया,
अपने,गैर की पहचान होती है कितनी मुश्किल
मेरी समझ की न रही कभी तेज तलवार,
आंसू मेरे अपने हैं मेरे दिल के उदगार।
कैसे समझू किसका मुझसे कितना सरोकार।।
भावों में न बहे दिल अपने से अपनी फरियाद,
आए न मुझे कभी किसी की कोई भी याद,
बहते रहें सागर से जीवन की गहराइयों में
पर कभी भी किसी लहर का न करूं इंतजार,
आंसू मेरे अपने हैं मेरे दिल के उदगार।
कैसे समझू किसका मुझसे कितना सरोकार।।
हे ईश्वर मुझे थोड़ी तीव्र बुद्धि तो दे दो,
संसार को समझ लूं थोड़ी शक्ति तो दे दो,
रम जाऊं खुद में ही खुद की ही करूं परवाह
खुशी के आंसू बहाऊं उसकी ही हूं हकदार
आंसू मेरे अपने हैं मेरे दिल के उदगार।
कैसे समझू किसका मुझसे कितना सरोकार।।

यही बहुत है

डॉ डी डी देसाई

दर बदर की ठोकरों से जुड़ा है गहरा रिश्ता,
ज़ख्म देख मेरे तुने मरहम बढ़ाया .. यही बहुत है।
हक़ीक़त में किसी के काबिल तो हम नहीं थे,
तुमने सपने में हमारा हाथ थामा. यही बहुत है।
कभी सोचा नहीं कि खुशियाँ हमें भी गँवारा होंगी,
तुमने देख मुझे मुस्कुरा दिया. यही बहुत है।
अंगारों पर खड़ी जिंदगी दर्द तो लाजमी है,
तूमने बहते अश्कों की वजह पूछी..यही बहुत है।
सूरज डूबाअँधेरी हुई दुनिया.. है मुश्किल में,
तू चाँद बन आयी आसमान मेंयही बहुत है।
दया..करुणा.. कृपादृष्टी.. से वंचित है दुनिया,
तुमने सर पर हाथ रखा हमारे यही बहुत है।
सदियों से भीख माँग रही है ख्वाहिशें जीने की,
तुमने अपने हाथों से निवाला दिया..यही बहुत है।
साँसे तो उधार की हैआज है तो कल नहीं..,
इन साँसों पर है नाम तुम्हारा यही बहुत है।
अब नहीं है डर.. न ही हैशिकायत मौत से,
पाकर तुम्हें मोक्ष मिला है. यही बहुत है।

बसन्त

रेणुका अग्रवाल

आई बसन्त बहार।
मिला दिल को क़रार।
हवा में सुगंध फैली,
दिलों में भर गया प्यार।
पंछियों की चहचहाट।
मन मे भरे अकुलाहट।
ये प्राणवायु अनमोल,लाये शरीर मे सजावट।
न गर्मी है न सर्दी है कैसी ये खुदगज़ी है।
मौसम का मिज़ाज़ है, मौसम की ही मर्जी है।
फूलों की बहार देखो। शबनम बेशुमार देखो।
ये हवाएँ सुहानी है, है दिलों में प्यार देखो।
अभी बसन्त है पंचमी है। शारदे माँ भी जन्मी है।
जन जन में ज्ञान उपजाए, मां जग का भला करवाए।
खेत हो खलिहान हो। बहुत सारे किसान हो।
अन्न का भरा रहे भंडार भी, किसान का सम्मान हो।
किसान है तो जीवन है। वरना असम्भव तनभी है।
पेड़ पौधे जगह जगह हो, धरती भी बड़ा उपवन है।
जागो सुबह उठकर देखो। थोड़ा थोड़ा चलकर देखो।
बहुत अच्छा लगता है, ताज़ी हवा चखकर देखो।
छह ऋतुओं की क़ीमत अनमोल।
जिनका अलग अलग है झोल।
सबका अपना अपना है मोल। पर पृथ्वी तो है गोलम गोल।
हर मौसम का असर प्यारा। सबका भाव है न्यारा न्यारा।
हर मौसम की ख़ास है बातें,हर मौसम का मिलता सहारा।
कुदरत है जो सोंच बनाई। वनस्पति भी ख़ूब बनाई।
फ़ूल फल और तरकारी, इंसान को है लगती प्यारी।

अरदास

दर्शन सिंह हैदराबाद

राह चलते खड़ी कर दी जाती हैं बाधाएं
फ़रमान,घुटने टेक अन्यथा मौत की सजाएं
नहीं पहचाने, हूं जग का दीन ए इलाही
गलतियां भी नहीं, गजब का एहसास
ता को विघन कोउ लागे
जा की प्रभु आगे अरदास
नाक की सीध में चलता रहा
मियां की दौड़ मस्जिद तक
चक्की पीसता रहा
कांटों से लिपटा था प्रकाश पुंज
अश्रुपूरित,
बेमतलब बेवक्ते हास परिहास
ता को विघन न कोउ लागे...
न कोई पूर्व चेतावनी,
स्तब्ध दरवाजे पर आंधी,तूफान मंडराने लगा है
खून पसीने से सींची झोपड़ी गिराने लगा है
क्या कहूं, हास्यास्पद समंदर
चलूं या रुकूं, हसू या रोऊं विवादस्पद उल्लास
ता को विघन न कोउ लागे...
क्लिष्ट 84 लाख परीक्षाएं, मातलोक आए
पूछना चाहता हूं,
आखिर क्योंकर विपत्ति बादल छाए
थक गया,अब और नहीं सिरजनहार
प्रभु !आखिर कब होगी मृदभाव का आभास
ता को विघन न कोउ लागे
जा की प्रभु आगे अरदास

मंजिल पा ही लूँगी

लवली आनंद, बिहार

मंजिल तक का रास्ता बड़ा कठिन है
और रास्ते में मयखाने भी हैं
सभी ने कहा वो शाकी है
बहक जायेगा ही, बस
तमाशा देखते रहना है
हर एक शराफत भरी
निगाहें टिकी मुझ पर हैं
पर पाँव लड़खड़ा रहे मेरे हैं
दिल डबडबा गए मेरे हैं
न लड़खड़ाहट दिख रही है
न मेरी घबराहट दिख रही है
जो शराफत का चोला ओढे नज़रे हैं
उनकी टक-टकी लगी मेरे बहकने पे है
लड़खड़ाती डगमगाती बस कदमों में
और जान बाकी है
लोग देखते रहेंगे, और रह ही जाएंगे
मैं मंजिल पा लूँगी और उससे भी आगे
बस बढ़ती चली जाऊँगी।

आया वसंत

कण-कण को, जड़ चेतन को
इसलिए वसंत ढूँढ रहा है वन को
विरले वन देख रहे हैं
अपने घायल तन को
वे सोच रहे, घायल गात से
कैसे मिले? वसंत-मीत से
किसने काटा वन का तन ?
मनुष्य खोलो अपना मन -
कोयल कूक रही है कंठ खोलकर
गा रही ऋतुराज के अमोघ स्वर
पर, उसके राग में है अंतर
उदास युक्त है उसका उर
गायब हो गया उसका घर
ऐसा किसने किया है नर ?
ऋतु बसंत का प्राण समीर
बरसाने आया निर्मल प्यार
हरियाली की खोज में है संचार
लुप्त हुई हरियाली
हाय ! समीर की आँखें गीली
किसने किया है सब कुछ खाली?
जरा बताओ मालिक-माली
कलियों को देने बल
आये हैं वसंत के पल
पर, कलियाँ कोमल हैं चंचल
ओझल हो गये उनके असीम दल
मानव खोल तेरा दिल
किसने किया है इन्हें ओझल ?
बसंत आया सुनाने गीत
दिखते नहीं सरसों के खेत
वहाँ खड़े हैं बड़े-बड़े भवन !
कुचला किसने खेतों के तन ?
क़ुदरत को किसने की हैरान ?
सच बोलो तुम हे इंसान---
बचाते चलना क़ुदरत की जान
होगा तब नित वसंत गान---

कविः प्राणसुमन

चिराग बन चलता चल

कुमकुम कुमारी बिहार

जिंदगी की राह में,
कदम मिला के चलता चल।
गम मिले कि मिले खुशी,
तू मुस्कुरा के बढ़ता चल।
यह न सोच कि क्या मिला,
जो मिला बहुत मिला।
अंधेरे को न कोसना,
तू बन चिराग जलता चल।।
जीवन आनी जानी है,
पल-दो-पल की कहानी है।
ध्यान लगा के सुन जरा,
ये गीता की जुबानी है।
कर्म सदा तू करता चल,
फल की इच्छा मत कर।
फिर देख कैसे दुनिया ये,
बनती तेरी दीवानी है।।
हौसलें को रख बुलंद,
बढ़ने का संकल्प कर।
औरों की न आस रख,
खुद पे तू विश्वास कर।
होगा नया सवेरा,
मिटेगा घोर अंधेरा।
पिघलेगा ये पीर पहाड़,
कदम तो रख तू जमकर।।
अवनि से अम्बर तक,
फैल रहा प्रकाश है।
जो कभी झुकता नहीं,
उम्मीदों का आकाश है।
चल सदा तू चलता चल,
आगे - आगे बढ़ता चल।
होगा तेरा जय- जयकार,
हमको तो विश्वास है।।

चेहरे से परदे जरूर हटाऊंगा

हम रहे हमेशा सादगी में,
इंसानियत रहा हमारा गहना,
कभी इतराए नहीं अपने कर्मो से,
हमेशा सीखा है हमने प्रेम में बहना।
तुम कहते हो कि मैं कुछ कमाल कर दूं,
सलीका अपना ज़रा बदल दूं,
पर मेरे दोस्त दुनिया क्या समझेगी,
हमको नहीं आता किसी के लिए यूं बदलना।
जब मैं बदलूंगा पूरी तरह से बदलूंगा,
दिल से निभाते आया हूं सारे रिश्ते,
जब इतराऊंगा तो खूब इतराऊंगा,
सबके चेहरे से परदे जरूर हटाऊंगा।

डॉक्टर जय अनजान, बिलासपुर

लगन

टी तारासिंह हैदराबाद

कांटों से दोस्ती कर लेना
कलियों से प्यार कर लेना
फुल अगर जीवन में ना खिले तो
गम ना करना नाराज ना होना
एक दिन ऐसा भी आयेगा
कर भरोसा अपने किस्मत पर
हाथों की लकीरें बदल जायेगी
सब तुमसे मोहब्बत करने लगेगें
पत्थर क्या पहाड़ भी तुम्हे रास्ता देगें
हस कर चला चल अपनी मंजिल तक
सच्ची लगन तुझे कामयाब बनायेगी
तेरी जिंदगी अब पूरी बदल जायेगी ।।

यह कैसा लोकतंत्र?

डॉ विजय पांढरीपांडे हैदराबाद

डॉ विजय पांढरीपांडे
यह कैसा लोकतंत्र?
कौन कब किधर
कल उधर आज इधर
कल फिर न जाने किधर
यह कैसा लोकतंत्र?
पॉलिटिक्स है या कुडादान?
गनदगी से फैला
चाट रहे मैला
कहा है राष्ट्रभान
सब है बाहुबली
गुंडे लुटेरे मवाली
व्होट के खातर झोली
फिर गुंडागर्दी गाली
शासन मे दुःशासन
ना कानून का पालन
जनता रहे भुखी प्यासी
इनका सोनेका आसन!
हम ही है मूर्ख
ये बने सयाने
पहले वचन आश्वासन
फिर गिने बहाने
सत्ता स्वार्थ यही है मंत्र यह कैसा लोकतंत्र?
****

स्वप्न सजा दीजिए

सपनों में आकर न हमें इतना सताइए
उतरना ही है तो दिल की गहराइयों
में उतर जाइए ।
आंखों में क्या देखते हैं ?
उतरना ही है तो आंखों के सागर में
नदियां बनकर उतर जाइए ।
तारे बनकर क्या कीजिएगा ?
चमकना ही है तो चांद बनकर खिल जाइए ।
किसी के जीवन में रंग भरना ही है तो
इंद्रधनुष बनकर छा जाइए ।
फूल बनकर क्यों बिखरना चाहते हैं ?
महकना ही है तो फूलों की खुशबू बनकर
दिलों में उतर जाइए ।
शबनम की बूंदें बनकर क्यों टपकना चाहते हैं ?
बरसना ही है तो सावन की बूंदें
बनकर बरस जाइए ।
दिल की हसरतें दबाकर क्यों रखते हैं
सजाना ही है तो प्यार का स्वप्न सजा दीजिए ।

- पुष्पेश कुमार पुष्प

बेटी हूं

वीरेंद्र बहादुर सिंह

बेटी हूं, खुश हूं। बेटी हूं, दुखी हूं।
खुद के अस्तित्व को पा रही हूं,
बेटी हूं, खुश हूं।
दुनिया के दूषण के कारण,
मां-बाप को होने वाली चिंता से,
बेटी हूं, इसलिए दुखी हूं।
मां के स्नेह के साथ और,
पिता के अटूट विश्वास के साथ,
स्वप्न को साकार कर रही हूं,
बेटी हूं, इसलिए खुश हूं।
अनेक अवरोध और मर्यादा होने से,
बेटी हूं, दुखी हूं।
बेटी के व्यक्तित्व के साथ,
मम्मी-पापा के प्यार को पा रही हूं,
बेटी हूं, खुश हूं।
अंत में प्रकृति की अद्भुत रचना हूं
बेटी हूं, खुश हूं। बेटी हूं, खुश हूं।

सुख के सपने पक्के हो

रमेश गायकवाड रागा, हैदराबाद

बन बन के बार-बार न टूटे
भावनाएं कभी रूठ न जाएं
दिल में इरादे सच्चे हो
सुख के सपने पक्के हो
सागर किनारे रेत के घर
क्षण भर के लिए गिर न जाए
चित्र जो सजा कर रखे
लहरों के न धक्के हो
सुख के सपने पक्के हो
चांदनी रात कुछ देर ठहर जाएं
जल में कुछ पल छाया निहरें
अद्भुत दृश्य आंखों में समा जाएं
कला का अलंकार न कच्चे हो
सुख के सपने पक्के हो।।

प्रकृति का स्फुरण

डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

प्रकृति के कण कण में स्फुरण,
स्पंदन, प्रस्फुटन, आकर्षण,
सूर्य किरणों का है विकिरण,
है चाँदनी का अलंकरण,
है इंद्रधनुषी छटा बिखेरे,
व्योम, क्षितिज, वसुधा अनुपम ।
सागर लहरों से उत्सर्जित,
ऊर्जा का है उष्मीकरण,
मानव मन की कंपन से,
उत्साहित सृष्टि का तन मन,
संगीत गति भी अति तरंगित,
लय ताल राग का आलिंगन,
प्राणिमात्र के मनभावन में,
पुष्पित पल्लवित ये जीवन ।
परमपिता करबद्ध प्रार्थना,
सबका जीवन हर्षित हो,
ईर्ष्या और वैमनस्य न जन्मे,
हर जन मन परिमार्जित हो,
युवाशक्ति बने समृद्ध प्रबल,
चहुँओर स्वच्छंदता आच्छादित हो,
जन जन में स्फूर्ति व्यापे,
नयी ऊर्जा अभिमंत्रित हो।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

शाहबाज प्रधानमंत्री जरदारी राष्ट्रपति बनेंगे

नवाज शरीफ खाली हाथ लौटेंगे लंदन ?

पाकिस्तान में नई सरकार बनने जा रही है। लंदन से लौटे नवाज शरीफ की बजाय शाहबाज को प्रधानमंत्री बनाया जा रहा है, जबकि आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। पाक के प्रधानमंत्री के पद के लिए फरवरी के अंत तक संसद में चुनाव होगा। इसके बाद के हफ्तों में पाक के अगले राष्ट्रपति की नियुक्ति होगी।

नवाज की जगह पीएम पद के लिए शाहबाज के नाम पर सहमति क्यों बनी, क्या इसके पीछे पाकिस्तानी सेना की भी कोई शर्त थी, और पाकिस्तान में नई सरकार बनने के बाद भारत पर इसका क्या असर पड़ेगा...? इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

पाकिस्तान में इमरान खान इस वक्त जेल में हैं। उनकी पार्टी पीटीआई का सिंबल चुनाव आयोग ने रद्द कर दिया था। फिर भी पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवारों को समर्थन देकर चुनाव लड़ाया। दूसरी तरफ है पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) गठबंधन। इसमें खास तौर से पीएमएलएनऔर पीपीपी और कुछ छोटी पार्टियां भी थीं, लेकिन चुनाव के पहले ही पीडीएम में फूट पड़ चुकी थी। पार्टियों ने अकेले चुनाव लड़ा। चुनाव के बाद, बहुमत के लिए गठबंधन की जरूरत फिर महसूस हुई। करीब दो हफ्ते तक सत्ता की साझेदारी पर कई राउंड की बातचीत भी हुई, लेकिन सहमति नहीं बनी। पीपीपी के मुखिया बिलावल भुट्टो जरदारी इस पावर-शेयरिंग के लिए तैयार नहीं थे। 20 फरवरी की देर रात कहानी बदली और बिलावल भुट्टो जरदारी ने शाहबाज शरीफ की पार्टी को साथ लेकर सरकार बनाने का ऐलान कर दिया। हालांकि, अभी ये तय नहीं हुआ कि सरकार में किस पार्टी से कितने मंत्री होंगे। बिलावल के पिता आसिफ अली जरदारी बीच में बैठे थे। जानकार कहते हैं कि पीपीपी का चेहरा भले ही बिलावल हों, लेकिन पार्टी के बड़े निर्णय आसिफ अली जरदारी ही लेते हैं। नवाज शरीफ, चुनावों के लिए ही लंदन से पाकिस्तान खास तौर पर आए। बीते दिनों जब उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तान के अगले प्रधानमंत्री बनने की रेस में नहीं हैं तो मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी कई वजहें गिनाई गईं।

कहा जा रहा है कि नवाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना के संबंध उतने अच्छे नहीं हैं जितने शाहबाज शरीफ के हैं। और सेना शहबाज शरीफ को ही प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। ये भी कहा गया कि पाकिस्तानी सेना ने नवाज के आगे दो शर्तें रखीं। एक ये कि अगर वे अपनी बेटी मरियम को पाकिस्तान का सीएम बनाना चाहते हैं तो उन्हें प्रधानमंत्री पद से दूर रहना होगा। दूसरी शर्त ये थी कि अगर नवाज शरीफ खुद प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं तो उन्हें शाहबाज शरीफ को पंजाब का सीएम बनाने के लिए सहमत होना पड़ेगा। पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार आसिम रजा ने नवाज शरीफ की सियासत को बेहद करीब से देखा है। वो सेना की शर्तों की बात से इनकार करते हैं। उन्होंने कहा, 'नवाज शरीफ की सियासत सीधी है। वे असल में गठबंधन की सरकार नहीं चाहते थे। उन्हें उनके नजदीकी

लोगों ने आश्वस्त किया था कि पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिल रहा है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे पहले के चुनावों में भी वो पाकिस्तान की अवाम से अपील करते रहे हैं कि मुझे स्पष्ट बहुमत के लिए वोट करिए।'

आसिम ये मानते हैं कि नवाज शरीफ का इरादा मरियम को पंजाब का सीएम बनाना था। वो कहते हैं कि नवाज शरीफ, गठबंधन की सरकार को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं हैं। मरियम को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाने का उनका इरादा शुरू से था। वो पूरा हुआ। अब नवाज मीडिया से दूर हैं। बहुत मुमकिन है कि वो बहुत जल्दी वापस लंदन चले जाएं।

इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस गठबंधन को जनादेश की लूट करार दिया है। उसका कहना है कि उसे सत्ता से बाहर रखने के लिए चुनाव में धांधली हुई है। इमरान खान का कहना है कि वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष को पत्र लिखकर पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद रोकने को कहेंगे। उनका तर्क है कि जब तक पाकिस्तान चुनाव में हुई धांधली की जांच का आदेश नहीं दिया जाता, तब तक आईएमएफ से पाकिस्तान को कोई मदद नहीं मिलनी चाहिए।

आसिम रजा का कहना है कि पाकिस्तान के एक बड़े इलाके में इमरान खान की पार्टी के लोग सड़कों पर हैं। उन्हें कुछ और दलों का भी समर्थन है। पाकिस्तान की मीडिया भले ही उसे पर्याप्त जगह नहीं दे रही है, लेकिन ये विरोध प्रदर्शन काफी बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। आसिम ये भी कहते हैं कि आईएमएफ को पत्र लिखना इमरान की अपनी सियासत के लिए भी अच्छा नहीं होगा। मनोहर पर्रीकर इंस्टिट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस से जुड़े अशोक बेहुरिया पाकिस्तान के मामलों के जानकार हैं। वह पीडीएम 2.0 की सरकार आने से भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में सुधार को लेकर बहुत आशावादी नहीं लगते। वो तीन प्रमुख बातें कहते हैं...। इमरान खान की सरकार का भारत के प्रति वही रवैया था जो पाकिस्तानी सेना का रहा है। वो सीमाई मामलों और कश्मीर मुद्दे को लेकर अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप की बात करती रही। इमरान खान की सरकार गिरने के बाद नवाज और बिलावल की पार्टी के शासन के कुछ महीनों में पाकिस्तान की तरफ से कुछ सकारात्मक बयान जरूर आए। नवाज शरीफ भी ये कहते रहे हैं कि वो पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन ये भावना सिर्फ बयानों तक ही सीमित है। अभी भी देशी मामलों में सेना का ही निर्देश प्राथमिक बना हुआ है।

नई गठबंधन सरकार भी भारत को लेकर कुछ सकारात्मक रह सकती है, लेकिन ये सरकार बेहद कमजोर होगी और इस पर भी सेना का नियंत्रण रहेगा। ऐसे में पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते बेहतर होने की उम्मीद कम ही है। पाकिस्तान जैसे देश में अस्थिर सरकार होना भारत के लिए अच्छा नहीं है, क्योंकि ऐसे में पाकिस्तान की सेना उसके विदेशी मामलों से जुड़े निर्णयों पर हावी हो जाती है। लेकिन आज भारत मजबूत स्थिति में है, उसे पाकिस्तान के किसी भी आक्रामक निर्णय का जवाब आक्रामकता से ही देने में कोई गुरेज नहीं होगा। हालांकि, आसिम रजा कहते हैं कि नवाज शरीफ और आसिफ अली जरदारी दोनों भारत को लेकर आशावादी रहे हैं। नई सरकार आने से दोनों देशों के मुद्दे हल होने की संभावना नजर आती है। आसिम के मुताबिक, पाकिस्तान की आम अवाम और ब्यूरोक्रेसी भी गठबंधन सरकार को लेकर आशान्वित है।

पीडीएम गठबंधन की बातचीत में जो तय हुआ उसके हिसाब से राष्ट्रपति का पद पीपीपी को ऑफर किया गया था। मौजूदा राष्ट्रपति आरिफ अल्वी का कार्यकाल 09 सितंबर 2023 को खत्म हो गया था। ऐसे में अगर सब ठीक रहा तो पीपीपी के को-चेयरमैन आसिफ अली जरदारी मार्च 2024 में पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के बतौर शपथ लेंगे। पाकिस्तान में भारत की ही तरह हेड ऑफ द स्टेट, राष्ट्रपति होता है। उसकी ही सहमति से कोई कानून बनता और लागू होता है। साल 2010 से पहले पाकिस्तान में राष्ट्रपति प्रधानमंत्री से ज्यादा ताकतवर होते थे, लेकिन अब पाकिस्तान का राष्ट्रपति, ज्यादातर मामलों में कैबिनेट और प्रधानमंत्री की सलाह पर निर्भर रहता है।

पाकिस्तान में 5 वर्ष के लिए राष्ट्रपति की नियुक्ति होती है, लेकिन वह तब तक पद पर बना रह सकता है जब तक अगला राष्ट्रपति न चुन लिया जाए। मौजूदा राष्ट्रपति आरिफ अल्वी कार्यकाल पूरा होने के बाद भी पद पर हैं। नेशनल असेंबली और चारों राज्यों की प्रोविंशियल असेंबली भंग होने के चलते उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। अब नेशनल असेंबली और प्रोविंशियल असेंबली फिर से बहाल हो रही है, इसलिए साथ ही राष्ट्रपति चुनाव भी पूरा हो जाएगा।

इससे पहले सितंबर 2008 में पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव हुआ था। इसमें पीपीपी के आसिफ अली जरदारी की जीत हुई थी उन्होंने 5 साल का कार्यकाल पूरा किया। और इस दौरान ही संविधान में संशोधन करवा कर प्रधानमंत्री के पद को मजबूत बनाया। ये जरदारी की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक गिनी जाती है।

मोदी की गारंटी–विपक्ष बिना वारंटी!

सुरेश गांधी

फिरहाल, पीएम नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से 2024 का चुनावी शंखनाद कर दिया हैं। पीएम मोदी ने जब कहा, मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी तो जनता ताली बजा उठी। मैं हर बार कोई न कोई काम लेकर आता हूं। अब काम दूंगा करोगे न? हर बार आपने शानदार तरीके से काम किया है। मेरा सबका प्रयास वाला लक्ष्य एक सफल प्रयोग है। खास बात यह है कि चुनावी मोड में नजर आ रहे पीएम मोदी, काशी में किए गए 10 कार्यों का तैयार रिपोर्ट कार्ड भी लोगों के सामने रखा तो कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, इन्होंने अपने युवराज को एक स्टार्टअप बनाकर दिया है. अभी वो नॉन स्टार्टर है. न तो लिफ्ट हो रहा है, ना लॉन्च हो रहा है. बेशक, प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र में महिला, किसान, युवा, पिछड़ा और अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को रिझाते हुए अपने तीसरे कार्यकाल का सपना भी दिखाया। साथ ही कहा कि पांच वर्ष भारत के सामर्थ्य का सबसे प्रखर कालखंड रहेगा। भारत का आर्थिक, सामाजिक हर क्षेत्र बुलंदी पर होगा। भारत 11वें नंबर से ऊपर उठकर 5वें नंबर पर आया। अब तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की सबसे मजबूत शक्ति बनेगा। देश को चार लेन, छह लेन, आठ लेन की सड़कें बन रही है। वंदे भारत चल रहा है। ऐसे ही विकास कार्य आए दिन होंगे। देश का कायाकल्प होने वाला है। इस भारत को विकसित भारत का इंजन बनाऊंगा। गठबंधन पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा माल वही है, पैकिंग नई है। इस बार यूपी की जनता ने मोदी की गारंटी वाली सरकार चुनने का निर्णय ले लिया है। इस बार जमानत भी नहीं बचेगी।

पीएम ने कहा कि मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरी करने वाली गारंटी। पीएम ने कहा यूपी और बिहार को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार काम कर रही है। भविष्य में बनारस से कोलकाता का समय करीब-करीब आधा होने वाला है। इन सड़कों पर आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। काशी यूपी ही नहीं देश की भी एक महत्वपूर्ण नगरी बनेगी। आने वाले दिनों में काशी मेक इन इंडिया का ज्ञान देगी। पीएम ने कहा आने वाले पांच वर्षों में काशी का नेशनल परिसर तैयार हो जाएगा। जिससे युवाओं को काफी फायदा होगा। बुनकरों को भी संबल प्रदान किया जाएगा। एक नया मेडिकल कॉलेज बनने वाला है। आज कई करोड़ की मशीनों का लोकार्पण कर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। काशी का तेज विकास नहीं थमेगा। काशीवासियों और बाबा का आशीर्वाद पाकर विकास कार्यों को मैं आगे बढ़ा रहा हूं। पीएम

मोदी ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मोदी को गाली देते-देते तो इन्होंने 2 दशक बिता दिए और अब ईश्वर रूपी जनता-जनार्दन पर, यूपी के नौजवानों पर ही ये लोग अपनी फ्रस्ट्रेशन निकाल रहे हैं। कांग्रेस के युवराज का कहना है कि काशी के नौजवान, यूपी के नौजवान नशेड़ी हैं। जिनके अपने होश ठिकाने नहीं हैं, वो यूपी के, मेरी काशी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे हैं। अरे घोर परिवारवादियों... काशी का, यूपी का नौजवान तो विकसित यूपी बनाने में जुटा है, अपना समृद्ध भविष्य लिखने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहा है। आजकल तो इनके गुस्से का, इनकी बौखलाहट का एक और भी कारण है। इनको काशी और अयोध्या का नया स्वरूप बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा। ये अपने भाषणों में राम मंदिर को लेकर कैसी-कैसी बातें करते हैं। मैं ये नहीं जानता था कि कांग्रेस को प्रभु श्रीराम से इतनी नफरत है। ये अपने परिवार और वोटबैंक से बाहर देख नहीं सकते, सोच नहीं सकते। तभी तो हर चुनाव के दौरान साथ आते हैं और जब परिणाम 'निल बटे सन्नाटा' आता है तो ये एक-दूसरे को गाली देते हुए अलग हो जाते हैं।

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार काशी आए पीएम मोदी ने कहा कि संत रविदास की जन्मस्थली से पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी का सीधा जुड़ाव है। पंजाब की 13 में 8, हरियाणा की 10 में 6 और पश्चिमी यूपी की 12 लोकसभा सीटों पर अनुसूचित जाति के मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसी तरह विकास योजनाओं के जरिये आजमगढ़, मिर्जापुर और वाराणसी मंडल की 12 लोकसभा सीटों का समीकरण साधने की कोशिश की गई है। संत रविदास मंदिर परिसर से पीएम मोदी ने विपक्ष को अनुसूचित जाति विरोधी बताया। पीएम मोदी वर्ष 2016 और 2019 में भी संत रविदास मंदिर गए थे। करखियांव की जनसभा से पीएम मोदी ने महिलाओं को संदेश दिया। कहा कि बनास डेयरी प्रबंधन से दूध का पैसा सीधे बहनों के बैंक खातों में डिजिटल तरीके से भेजा जाएगा। दरअसल, वाराणसी में ही 30 लाख मतदाताओं में 14,03,428 महिला हैं। ऐसे ही प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में महिला मतदाताओं की भूमिका निर्णायक रहती है। किसान, नौजवान और छोटे उद्योगों से जुड़े मजदूरों को भी साधा है। पीएम मोदी ने लोकल फॉर वोकल की भी चर्चा की और खुद को देश के हर छोटे किसान, छोटे उद्यमी का एंबेसडर भी बताया। पिछड़ों को श्रम बाजार से जोड़ने के अभियान का जिक्र किया। छोटे किसान, पशुपालक, कारीगर, शिल्पकार और लघु उद्यमियों से जुड़े फायदे भी बताएं। साथ ही गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि हमारे देश में जाति के नाम पर उकसाने और उन्हें लड़ाने में भरोसा रखने वाले इंडी गठबंधन के लोग दलित, वंचित के हित की योजनाओं का विरोध करते हैं। जाति की भलाई के नाम पर ये लोग अपने परिवार के स्वार्थ की राजनीति करते हैं।

जबकि बीएचयू मे पीएम ने काशीवासियों को स्वरोजगार का नया मंत्र दिया। उन्हें कमाई के तरीके बताते हुए बगैर निवेश आत्मनिर्भरता का हुनर भी समझाया। उन्होंने कहा कि आन द स्पॉट पेंटिंग, स्केचिंग और लोकल टूरिस्ट गाइड जैसे हुनर को विकसित करके आमदनी बढ़ाई जा सकती है। इसमें निवेश की जरूरत नहीं पड़ती है। हुनरमंदी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आन द स्पॉट पेंटिंग, स्केचिंग और लोकल टूरिस्ट गाइड जैसे हुनर को विकसित करके आमदनी बढ़ाई जा सकती है। इसमें निवेश की जरूरत नहीं पड़ती है। हुनरमंदी की जरूरत है। कहा कि काशी में रोज एक लाख से अधिक देसी-विदेशी पर्यटक आते हैं। सब गंगा घाट जाते हैं। आरती देखने के साथ नौकायन करते हैं। मंदिरों में दर्शन-पूजन करके सारनाथ, मार्कंडेय महादेव सहित ऐतिहासिक स्थलों पर भ्रमण करते हैं। अपनी सुविधा के लिए संबंधित जगह की तस्वीर और जानकारी पर आधारित पोस्टकार्ड पास रखते हैं। इससे उनको मदद मिलती है। इसका फायदा उठा सकते हैं।

कीरू हाइड्रो प्रोजेक्ट क्या है?

गडबडी के दावे पर पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक पर सीबीआई ने छापेमारी की

जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक के दिल्ली, गुरुग्राम और बागपत में तीन ठिकानों सहित कुल 30 जगहों पर सीबीआई ने छापेमारी की। ये कार्रवाई कीरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में कथित भ्रष्टाचार को लेकर की गई। सत्यपाल मलिक जब जम्मू-कश्मीर के गवर्नर थे तब उन्होंने दावा किया था कि हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की 2 फाइलें क्लियर करने के लिए 300 करोड़ की रिश्वत की पेशकश की गई थी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन के कहने पर सीबीआई ने मामले की जांच शुरू की थी। गुरुवार को सीबीआई छापे के बाद मलिक ने कहा कि वो बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं किसान का बेटा हूं, छापों से नहीं घबराऊंगा।'

आखिर कीरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की कहानी क्या है? इस प्रोजेक्ट को लेकर रिश्वत का मामला कैसे सामने आया और अब सत्यपाल मलिक खुद को बेवजह परेशान करने का आरोप क्यों लगा रहे हैं...?

सत्यपाल मलिक 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे थे। इससे पहले वे बिहार के राज्यपाल थे और बाद में गोवा के राज्यपाल बनाए गए। अक्टूबर 2021 में सत्यपाल मलिक ने दावा किया था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल रहने के दौरान दो फाइलें क्लियर करने के एवज में 300 करोड़ रुपए की रिश्वत देने की पेशकश की गई थी। उन्होंने ये भी कहा था कि इनमें से एक फाइल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक नेता से जुड़ी थी। सत्यपाल मलिक के आरोपों के बाद जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने कहा कि मलिक द्वारा लगाए गए आरोप गंभीर हैं और प्रशासन ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। इसके बाद सीबीआई ने दो केस दर्ज करके जांच शुरू की थी और 2 दिसंबर 2023 को सीबीआई ने दिल्ली, नोएडा, चंडीगढ़ और शिमला में 6 जगहों पर और फिर 29 जनवरी 2024 को दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में 8 जगहों पर तलाशी ली थी।

जांच के दायरे में अनिल अंबानी की बीमा कंपनी भी

सीबीआई ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर प्रशासन के कहने पर दो अलग-अलग केस दर्ज किए थे। पहला केस वर्ष 2017 में एक निजी कंपनी को जम्मू-कश्मीर के कर्मचारियों की स्वास्थ्य बीमा स्कीम का ठेका देने और उसे लगभग 60 करोड़ रुपए जारी करने से जुड़ा था। दूसरा केस, वर्ष 2019 में कीरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के सिविल वर्क का ठेका एक निजी फर्म को देने का था।

फरवरी 2019
प्रोजेक्ट का शिलान्यास हुआ। इस वक्त सत्यपाल मलिक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे।

दोनों मामलों में अनिल अंबानी की रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी और सीवीपीपीएल के अधिकारियों सहित कई अन्य लोगों पर मामला दर्ज किया गया था। अधिकारी के मुताबिक, अब तक इन मामलों में सत्यपाल मलिक से भी गवाह के तौर पर पूछताछ की जा रही थी।

कीरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट क्या है?

कीरू, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर बन रहा एक रन-ऑफ-रिवर प्रोजेक्ट है। रन-ऑफ प्रोजेक्ट का मतलब नदी के पानी के बहाव की गतिज ऊर्जा का इस्तेमाल करके उससे बिजली पैदा करना। आम तौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स में पानी को स्टोर करने के लिए एक बांध बनाया जाता है।

जरूरत के मुताबिक बांध से आगे पानी छोड़ा जाता है। प्रोजेक्ट पर काम कर रही कंपनी सीवीपीपीएल यानी चेनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का इरादा इसके जरिए 624 मेगावाट बिजली पैदा करना है।

कीरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को सीवीपीपीएल यानी चेनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड नाम की कंपनी बना रही है। साल 2011 में शुरू की गई इस कंपनी में भारत सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन की हिस्सेदारी है। शेयर्स की बात करें तो सीवीपीपीएल में भारत सरकार के उद्यम, नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एनएचपीसी के 51% और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के उद्यम, जम्मू एंड कश्मीर पावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, के 49% शेयर हैं। सीवीपीपीएल, चिनाब नदी के बेसिन पर कीरू के अलावा तीन और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। इन प्रोजेक्ट्स के नाम हैं- पाकल दुल, क्वार और किरथई-II।

कीरू प्रोजेक्ट में खेल कैसे हुआ?

कीरू प्रोजेक्ट के मामले में, सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में कहा गया है कि इस मामले में जम्मू-कश्मीर के एंटी करप्शन ब्यूरो और बिजली विभाग ने जांच की थी। जांच की रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कीरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के सिविल वर्क पैकेज की टेंडरिंग की प्रक्रिया में दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया था। हालांकि, सीवीपीपीएल की 47वीं बोर्ड बैठक में ये निर्णय लिया गया था कि टेंडर देने की जो प्रक्रिया अभी चल रही है उसे रद्द कर दिया जाएगा और ई-टेंडरिंग के जरिए फिर से टेंडर निकालकर बोली लगाई जाएगी, लेकिन इस निर्णय को लागू नहीं किया गया और टेंडर फिर से उसी फर्म को दे दिया गया।

एंटी करप्शन ब्यूरो की जांच में पाया गया था कि सीवीपीपीएल की 47वीं बोर्ड मीटिंग में प्रोजेक्ट का टेंडर रद्द करने के बाद अगली ही मीटिंग में टेंडर फिर से मेसर्स पटेल इंजीनियरिंग को दे दिया गया। कुल मिलाकर चार हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की इस परियोजना का भविष्य अंधेरे में है। ये भी कहा जा रहा है कि प्रोजेक्ट के तहत घटिया स्तर का काम किया जा रहा है। प्रोजेक्ट के तहत नए रोजगार बढ़ने की उम्मीद भी बेमानी साबित हुई है।

सीबीआई ने इस मामले में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के अलावा कई राज्यों मसलन उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार और राजस्थान में भी छापेमारी की है। दिल्ली, गुरुग्राम और उत्तर प्रदेश के बागपत में तीन ठिकाने सत्यपाल मलिक के हैं। छापेमारी की कुछ जगहें उनके कुछ सहयोगियों की भी हैं।

इनके अलावा, सीवीपीपीएल के तत्कालीन चेयरमैन आईएएस ऑफिसर नवीन चौधरी, मैनेजिंग डायरेक्टर एमएस बाबू, डायरेक्टर एमके मित्तल और अरुण मिश्रा के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई है। सत्यपाल मलिक का कहना है कि वे छापों से घबराने वाले नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया साइट X पर लिखा, 'पिछले तीन-चार दिनों से मैं बीमार हूं और अस्पताल में भर्ती हूं। जिसके बावजूद मेरे मकान में तानाशाह द्वारा सरकारी एजेंसियों से छापे डलवाए जा रहे हैं। मेरे ड्राइवर, मेरे सहायक के ऊपर भी छापे मारकर उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। मैं किसान का बेटा हूं, इन छापों से घबराऊंगा नहीं। मैं किसानों के साथ हूं।'

कीरू प्रोजेक्ट में 300 करोड़ रुपए की रिश्वत की पेशकश के बारे में सत्यपाल मलिक से सवाल पूछा गया। द वायर के लिए करण थापर को दिए एक इंटरव्यू में सत्यपाल मलिक ने कहा, 'मैंने 300 करोड़ रुपए की रिश्वत की बात कभी नहीं कही। दोनों डील्स में प्रति डील 150 करोड़ रुपए की बात थी। सत्यपाल ने कहा कि ये डील मुझे नहीं ऑफर की गई। किसी और के लिए थी। मैंने दोनों फाइल्स को रिजेक्ट कर दिया था। और इस बारे में प्रधानमंत्री को बताया था।'

कीरू प्रोजेक्ट मामले में दिलचस्प सवाल ये है कि जिस प्रोजेक्ट को लेकर सबसे पहले सत्यपाल मलिक ने ही गड़बड़ी का दावा किया था। क्या उसमें वे खुद ही फंसते नजर आ रहे हैं। उनके ठिकानों पर तलाशी के क्या मायने हैं? और जब देश के एक बड़े हिस्से के किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर बड़ा प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में सत्यपाल मलिक का किसानों के समर्थन की बात करना, क्या संदेश देता है?

राजनीतिक मामलों के जानकार अरुण दीक्षित इन छापों की टाइमिंग पर सवाल उठाते हैं। दीक्षित के मुताबिक, 'सीबीआई की कार्रवाई इतनी देर से क्यों हो रही है? उसी वक्त जांच करवानी चाहिए थी और जो भी दोषी होता उसे सजा देनी चाहिए थी।

सत्यपाल मलिक भी अगर दोषी थे तो उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए थी, लेकिन हमें प्रतिक्रिया की टाइमिंग देखनी होगी। छापेमारी के बाद अपनी प्रतिक्रिया में सत्यपाल मलिक ने ये भी लिखा है कि वो किसानों के साथ हैं। क्या छापेमारी की कार्रवाई का किसानों के हालिया आंदोलन से कोई सांकेतिक संबंध है? अरुण दीक्षित कहते हैं, 'सत्यपाल मलिक खुद किसान परिवार से आते हैं। राज्यपाल के बतौर अपना कार्यकाल खत्म करने के बाद से किसानों के हालिया आंदोलन तक, सत्यपाल मलिक लगातार किसानों के बीच जाते रहे हैं। उन पर दबाव बनाने के अलावा सीबीआई की कार्रवाई का उद्देश्य उनके बहाने किसानों के आंदोलन को एक सियासी संदेश देना भी हो सकता है।'

आप भी दोपहर बाद करते हैं पूजा? जल्द बदल लें ये आदत, नहीं तो होगा बड़ा नुकसान

शास्त्रों में दोपहर बाद पूजा करना निषेध माना गया है। दोपहर के बाद पूजा प्रारंभ नहीं करना चाहिए। यदि कोई प्रातः काल से पूजा पाठ पर बैठा हुआ है और पूजा करते-करते दोपहर हो जाए तो कोई आपत्ति नहीं है। इससे भी उन्हें शुभ फल की प्राप्ति होगी। लेकिन दोपहर 12:00 के बाद पूजा प्रारंभ नहीं करना चाहिए। यह पूरी तरह से गलत और वर्जित माना गया है। ऐसा करने पर शुभ फल नहीं मिलता है।

दोपहर बाद पूजा से भगवान क्यों होते हैं नाराज

उन्होंने कहा यदि कोई पूजा 12:00 बजे के बाद यानी दोपहर में प्रारंभ करता है, तो उसकी पूजा का शुभ फल नहीं मिलेगा। उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा जैसे महादेव को 12:00 बजे के बाद यानी दोपहर के बाद जल अर्पण करते हैं तो वह गर्म जल के समान होता है। गर्म जल चढ़ाने से भगवान नाराज होते हैं, जिस कारण उसका परिणाम उल्टा प्राप्त होता है और लोगों को बहुत सारे नुकसान भी उठाने पड़ते हैं।

पंडित जी कहते हैं बहुत लोग ऐसे होते हैं कि दिन में भी सत्यनारायण भगवान की पूजा कर लेते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। इसका व्रत का महत्व होता है इसलिए यह व्रत पूर्ण होने के बाद शाम में ही पूजा करनी चाहिए। संध्या में ही पूजा प्रारंभ करना चाहिए।

ब्रह्म मुहूर्त में पूजा करने से होते सभी कामना की पूर्ति

प्रातः काल ही पूजा करना चाहिए। सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में पूजा करनी चाहिए। दोपहर से पहले पूजा कर लेनी चाहिए। प्रातः कालीन पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती हैं। जिससे उन्हें धर्म, कर्म ,धन और मोक्ष चारों फल की प्राप्ति होती हैं। हालांकि उन्होंने कहा आजकल के लोग ज्यादातर भाग दौड़ में रहते हैं। ऐसे लोगों को सुबह सवेरे ही प्रातः कालीन स्नान कर पूजा पाठ कर लेना चाहिए। हालांकि वह अपनी श्रद्धा भक्ति से जिस विधि से पूजा कर पाए और भगवान की सच्ची भक्ति अलग-अलग तरह से भी की जाती है। लोग जैसे चाहे उनका मन में श्रद्धा और भक्ति के साथ उनकी पूजा कर सकते हैं, लेकिन प्रातः काल ही पूजा करने से ज्यादा फलीभूत होता है। जो बहुत शुभ फलदायक होता है और ब्रह्म मुहूर्त में सूर्य उदय से पूर्व ही पूजा करना बेहतर फल की प्राप्ति देता है। उन्होंने कहा दोपहर बाद पूजा करने के लिए कोई भी शास्त्र समर्थन या अनुमति नहीं देता है।

दोपहर बाद पूजा करने से होगा भारी नुकसान

पंडित दयानाथ मिश्र कहते हैं कि दोपहर बाद पूजा करनी ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि रही बात नुकसान की तो जब ईश्वर ही नाराज हो जायेंगे तो हम इंसानों के लिए नुकसान ही होता है। चाहे अर्थ का नुकसान हो या धर्म का नुकसान हो या स्वास्थ्य का। या मोक्ष का नुकसान एवं अन्य चीजों की नुकसान होता है।

मांसाहारी बने रहे और अहिंसा पर प्रचार करते रहे

लोग हैं जो काशी और काबा जाते थे, वे ही क्रेमलिन जाते हैं। वे वे ही लोग हैं जो गीता और कुरान में अपनी सांत्वना खोजते थे, अब दास कैपिटल और कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो में खोजते हैं। मगर बात नहीं बदली। पहले पीछे था स्वर्ग, अब आगे है स्वर्ग। और जिंदगी अभी है! और जिंदगी यहीं है!

और जिंदगी में कुछ भी करना हो तो अभी करना होगा, आज करना होगा, तत्क्षण करना होगा! मगर तत्क्षण करने के लिए तो हमारी तैयारी नहीं। हम तो कहते हैं, कोई हमें एक प्यारा सपना दे दो कि हम सपने को ओढ़ लें और सो जाएं। तो तुम्हारे साधु-संत कह रहे हैं कि कलियुग है, बुरा समय है, बड़ा कठिन समय है। इस कठिन समय में तो बस भक्ति-मार्ग ही एक सरल उपाय है। तपश्चर्या कठिन है, योग कठिन है, और सब ध्यान कठिन हैं, भक्ति सरल है—गए मंदिर में, उतार ली आरती, चढ़ा दिए दो फूल, सिर पटका पत्थर की किसी मूर्ति पर, कि घर के ही एक कोने में भगवान को बना लिया—खुद का ही बनाया हुआ भगवान, खुद ही उसके सामने सिर झुका कर बैठ गए, इन खेलों का नाम भक्ति है। यह सरल है। निश्चित ही सरल है। और सस्ता क्या हो सकता है? और तुम सोचते हो कि बस हल हो गया। कलियुग है, समय कठिन है, सुगम मार्ग हाथ लग गया।

और छोटे-छोटे लोगों की बात छोड़ो! जयप्रकाश नारायण अधमरी हालत में लटके हैं, जबरदस्ती मशीनों पर लटकाए गए हैं—विनोबा ने उनको दो संदेश भेजे। पहला संदेश भेजा एक संदेशवाहक के हाथ। जयप्रकाश न बोल सकते हैं, न बोलने की हालत में हैं, न लोगों को पहचानते हैं, और विनोबा क्या संदेश पहुंचाते हैं, मालूम है? कि शाकाहारी हो जाओ! कि जब तक मांसाहार न छोड़ोगे, तब तक स्वस्थ न होओगे!

यह कोई वक्त है? और जिंदगी भर क्या किया? जयप्रकाश जिंदगी भर वर्षों विनोबा के चरणों में बैठे रहे, तब न उनसे कहा कि शाकाहार करो, मांसाहार छोड़ो! मांसाहारी बने रहे और सर्वोदयी बने रहे।

मांसाहारी बने रहे और गांधीवादी बने रहे। मांसाहारी बने रहे और अहिंसा पर प्रचार करते रहे। अब मरते वक्त, जब कि न होश है, न सुनने-समझने की क्षमता है—अपनी सगी बहिन को भी नहीं पहचान पाए; लोग जाते हैं, उनको आंख खोल कर देखते हैं, कुछ पहचान नहीं पाते—ऐसी नब्बे प्रतिशत मृत अवस्था में उनको संदेश भेजा जा रहा है, साधु-संत संदेश भेज रहे हैं: शाकाहारी हो जाओ! अब तो शाकाहारी हैं ही, अब कौन मांसाहार कर रहा है? कौन मांसाहार करवाएगा?

और दूसरा संदेश भेजा है कि राम-हरि, राम-हरि जपते रहना। सांस बाहर जाए तो राम कहना, सांस भीतर जाए तो हरि कहना। राम-हरि, राम-हरि जपते रहना। यह आदमी मर रहा है, जिंदगी भर न राम जपा, न हरि जपा, और अब तो कुछ होश भी नहीं है—अब सांस के साथ राम-हरि, राम-हरि जपते रहना! और तुम भी कहोगे कि विनोबा ने भी क्या धार्मिक संदेश भेजे हैं!

धार्मिक नहीं हैं, सिर्फ एक ही बात की खबर देते हैं कि ये लोग सठिया गए हैं। इन्हें खुद भी होश-हवास नहीं है कि ये क्या कर रहे हैं और क्या कर रहे हैं। **(क्रमशः)**

सुख-शांति और आनंद जीवन में स्थाई चाहिए तो तुरंत करें यह काम

याद रहे, पुण्य और पाप कर्म दोनों ही बांधते है। एक लोहे की जंजीर है तो एक सोने की। लोहे की जंजीर से छुटकारा पाने का मन भी करता है। लेकिन अगर जंजीर सोने की हो, तो छूटने का मन नहीं करेगा। पाप कर्म बंधन है तो पुण्यकर्म भी बंधन है। जब तुम सुख में होते हो तो इसमें एक इच्छा होती है। फिर मन करता है कि अब यह परिस्थिति बनी रहे। हमेशा सुख बना रहे। यह कामना जब मन में उत्पन्न होती है तो हम भूल जाते हैं कि परिस्थिति परिवर्तनशील होती है। कोई भी परिस्थिति कायम नहीं रहती। कभी राजा, कभी रंक, कभी बहुत कुछ, कभी कुछ भी नहीं। क्या समुद्र में रहकर कोई जहाज एकदम शांत रह सकता है? जब समुद्र के पानी में ही लहरें उठ रही हों, तो भला जहाज कैसे शांत रह सकता है।

समय बदलता रहता है। बदलाव समय का स्वरूप है। इक्कीस साल पहले हमारा जो शरीर था, वह आज नहीं है। गंगा के घाट पर बैठकर गंगाजी को देखते हो तो तुम्हें लगता है कि गंगा वही है, ऐसा नहीं है। गंगा वही नहीं है, बल्कि घाट वही है। देखते-देखते गंगा में बहुत जल बह गया। समय का चक्र चलता ही रहता है। हमारी दृष्टि में वर्तमान, भूत, भविष्य काल ऐसे भेद हो सकते हैं। समय

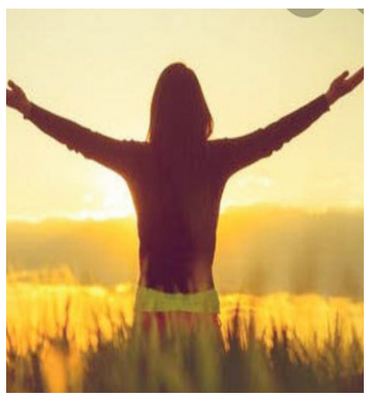

अपने आप में न भूत है, न वर्तमान है, न भविष्य है। सब कुछ समय के भीतर हो रहा है, और समय में सब बदल रहा है। लेकिन समय नहीं बदलता। वह अव्यय, अखंड है। यह समय, यह काल परमात्मा का ही स्वरूप है। गीता में कहा गया है कि परमात्मा सबके भीतर है, सबके बाहर भी है। जो भीतर है उसको हम अंतर्यामी कहते हैं, और जो बाहर है उसको हम काल स्वरूप कहते हैं।

अंतर्यामी हैं प्रभु। तुम्हारे भावों, तुम्हारे विचारों सबके वह साक्षी हैं। तुम उनसे कुछ छिपा नहीं सकते। बाहर वह काल स्वरूप हैं। भीतर हैं तो तुम्हारी सांसें चल रही हैं। मजे की बात है, भीतर रहकर वह जीवन दे रहे और बाहर रहकर वो जीवन हर रहे हैं। हर सांस के साथ तुम्हारा जीवन नष्ट होता जा रहा है। जिस तरह से प्रकाश और सागर की तरंगें होती हैं। वैसे ही हम भी एक तरंग हैं चैतन्य के महासागर की। उठी हुई तरंग को जीवन कह दो, लेकिन वास्तव में वह तरंग पैदा नहीं हुई। वह उसी चैतन्य के महासागर में तुम्हें दिखी। वह दिखना जब बंद हो गई तो उसको चाहे तुम मृत्यु कह लो। वास्तव में मृत्यु जैसी कोई चीज है ही नहीं। गीता में भगवान श्रीकृष्ण समझाते हैं, आत्मा किसी काल में भी न तो जन्म लेती है, न मरती है और न उत्पन्न होकर फिर होने वाली ही है। यह अजन्मी, नित्य, सनातन और पुरातन है। शरीर के मारे जाने पर भी यह नहीं मरती।

मनुष्य के जीवन में तीन बातें है। शोक, मोह और भय। शोक इसलिए कि आनंद नहीं है। मोह इसलिए कि सुख नहीं है, और भय इसलिए कि शांति नहीं है। तुम चाहते हो आनंद, सुख-शांति और ये तीनों स्थायी हों तो शोक, मोह, भय को छोड़ो। ईश्वर हम सभी के हृदय में है पर हमारा अहंकार उन्हें प्रकट नहीं होने देता। अहंकार को त्यागना है क्योंकि मन की ऐसी स्थिति में मनुष्य सोचने लगता है कि सब मेरा है। यह विनाश का मूल है।

सीढ़ियों के नीचे नहीं रखनी चाहिए यह वस्तुएँ

कई पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार प्रत्येक घर में एक प्रकार की ऊर्जा होती है, और वास्तु यह निर्धारित करता है कि उस ऊर्जा को उस घर में रहने वाले परिवार के लिए सकारात्मक और संतोषजनक कैसे बनाया जाए। यदि आप एक स्वतंत्र घर बना रहे हैं या आपके फ्लैट के भीतर सीढ़ियां हैं, तो सीढ़ी से जुड़े वास्तु उपाय आपके घर में संतुलन ला सकते हैं। यदि आपकी सीढ़ियां वास्तु नियमों का पालन करती हैं तो यह आपके जीवन में प्रसिद्धि का कारण बन सकती हैं। दूसरी ओर, अगर ऐसा नहीं होता तो आपक्को असफल होने से कोई नहीं रोक सकता। सीढ़ियों के नीचे कई चीजों को रखना अशुभ होता है लेकिन लोग अक्सर घर में कम जगह होने की वजह से इस जगह का इस्तेमाल करते हैं। कई बार लोग सीढ़ियों के नीचे ऐसी चीजें बनवा लेते हैं जिससे बहुत बड़ा वास्तु दोष बन जाता है। इससे लोगों को अपने जीवन में कई तरह की पेचीदगियों और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।

आज हम आपको बताएंगे कि हमें सीढ़ियों के नीचे कौन सी चीजें रखनी चाहिए और क्या नहीं।

शौचालय- ज्यादातर लोग सीढ़ियों के नीचे शौचालय बनवाते हैं। यह बड़े पैमाने पर वास्तु दोष पैदा करता है। इससे घर के सदस्य रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। घर में हमेशा पैसों की तंगी बनी रहती है।

पानी से जुड़ी चीजें- हमें कभी भी सीढ़ियों के नीचे पानी से जुड़ी चीजें नहीं रखनी चाहिए। कई बार इस जगह पर वाशबेसिन बना देते हैं, लेकिन यह एक बहुत बड़ा वास्तु दोष पैदा करता है। हमें एक्वेरियम जैसी चीजें भी नहीं रखनी चाहिए क्योंकि ये भी पानी से जुड़ी होती हैं। सीढ़ियों के नीचे पानी से

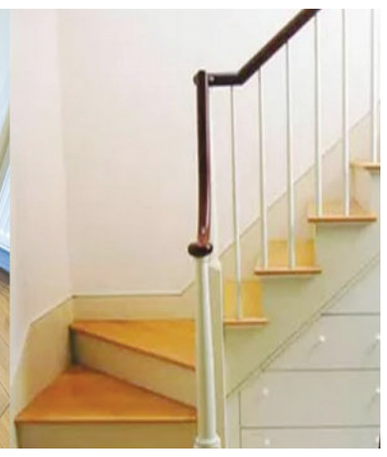

संबंधित सामान रखने से घर में धन का संचय नहीं होता है। परिश्रम से कमाया हुआ धन व्यर्थ के कार्यों में व्यर्थ जाता है।

पूजा घर- सीढ़ियों के नीचे पूजा कक्ष बनाना किसी भी तरह से अच्छा नहीं माना जाता है। वास्तु शास्त्र में इसे एक प्रमुख वास्तु दोष माना गया है।

अध्ययन कक्ष- अक्सर लोग सीढ़ियों के नीचे बच्चों के पढ़ने की जगह या अपना कार्यस्थल बना लेते हैं, लेकिन ऐसा करने से बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता और आप भी पूरे ध्यान से अपना काम पूरा नहीं कर पाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार सीढ़ियों के नीचे बैठकर कोई भी काम करने से आपको अनगिनत मानसिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। वहां काम करते वक्त आपका दिमाग अतिरिक्त बोझ महसूस कर सकता है इसलिए सीढ़ियों के नीचे बैठकर काम न करें।

कूड़े का डिब्बा- आपको घर की सीढ़ियों के नीचे कचरे का डिब्बा नहीं रखना चाहिए। सीढ़ियों के नीचे रोजाना अच्छे से साफ-सफाई करनी चाहिए। यहां पर कूड़ा रखना न सिर्फ कीटाणुओं को बढ़ाता है बल्कि यह घर में नकारात्मकता भी लाता है इसलिए घर की सीढ़ियोंके नीचे कूड़ा नहीं रखना चाहिए।

लॉकर- लॉकर में आप रुपए-पैसे रखते हैं और रुपए पैसों को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। सीढ़ियों के नीचे का स्थान भले ही सुरक्षित हो लेकिन यह लॉकर के लिए सही नहीं है। लॉकर को सीढ़ियों के नीचे रखना मां लक्ष्मी के अनादर करने के समान होता है। ऐसे में आपको आर्थिक समस्याएं हो सकती हैं।

जूते-चप्पल- आपको सीढ़ियों के नीचे जूते-चप्पल भी नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता फैल सकती है। यह घर के सदस्यों में तनाव का भी कारण बन सकता है। जूते-चप्पल और शू रैक रखने के लिए सबसे अच्छा स्थान घर के बाहर का होता है।

इस दिशा में न रखें घर-गाड़ी की चाबी आ सकता है दुर्भाग्य

अक्सर हम घर में आने के बाद अपनी गाड़ी या घर के मुख्य द्वार पर लगे ताले की चाबी यहां वहां रख देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में हर एक चीज रखने की सही दिशा के बारे में बताया गया है। जिसके कारण हमारे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। अगर आप भी अपने घर और गाड़ी की चाबियां यहां-वहां रखते हैं तो अपनी ये आदत बदल दें और सही दिशा में रखना शुरु कर दें।

चाबियां किस दिशा में रखना उत्तम होगा?

वास्तु के अनुसार हम जिस जगह चाबी रखते हैं, वह बहुत महत्वपूर्ण होती है। ज्यादातर लोग घर में चाबियां ऐसी जगह रखते हैं, जहां वे उन्हें आसानी से ढूंढ सकें। घर की कुछ जगह ऐसी हैं, जहां चाबी रखने से बचना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में रखी चाबियां सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं। जानेंगे सही दिशा के बारे में, जहां चाबियां रखनी चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, भूलकर भी चाबियां ड्राइंग रूम में नहीं रखनी चाहिए क्योंकि अगर घर की चाबियां ड्राइंग रूम में रखी जाएंगी तो बाहर से आने वाले हर व्यक्ति की नजर इन पर पड़ेगी। इससे आपके विकास में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसी वजह से ड्राइंग रूम में चाबी रखना अच्छा नहीं माना जाता है।

पूजा का स्थान घर का सबसे पवित्र स्थान होता है, वास्तु शास्त्र के अनुसार कहा जाता है कि घर के पूजा कक्ष में भी चाबियां रखने से बचना चाहिए। उन चाबियों के गंदे होने की अधिक आशंका है। इससे घर में अधिक नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। इससे कई समस्याएं खड़ी हो जाती हैं।वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की रसोई का संबंध हमारे स्वास्थ्य से होता है। इसे घर का हृदय कहा जाता है और इसका संबंध हमारी प्रगति से है। इसलिए आपको किचन में भी चाबियां नहीं रखनी चाहिए। अगर रखा जाए तो इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में चाबी रखने की शुभ दिशाओं के बारे में जान लेते हैं। कहा जाता है कि आपकी लॉबी की पश्चिम दिशा चाबी रखने के लिए सबसे अच्छी दिशा है। चाबी रखने के लिए लकड़ी का स्टैंड कमरे के उत्तर या पूर्व कोने में रखना चाहिए। यह आपको कई चमत्कारिक परिणाम देगा।

वास्तु शास्त्र के अनुसार डाइनिंग टेबल, कुर्सी या बच्चों के कमरे में चाबी रखने से नकारात्मक ऊर्जा आती है। चाबियां कहीं भी नहीं रखनी चाहिए बल्कि लकड़ी के स्टैंड का प्रयोग करना चाहिए। चाबी का स्टैंड कमरे के उत्तर या पूर्व भाग में रखें। तभी आपको बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। इसके अलावा, जिन चाबियों का आप उपयोग नहीं करते उन्हें कभी भी ताले में बंद करके न रखें। इससे आपकी आर्थिक उन्नति नहीं होगी। इसके अलावा घर में कभी भी पुरानी चाबियां और जंग लगी चाबियां नहीं रखनी चाहिए।

सगुण ब्रह्म को ही प्रेम मानता हूं

कृपालु श्रीरामचंद्रजी मुनि से मिलते हुए ऐसे शोभित हो रहे हैं, मानो सोने के वृक्ष से तमाल का वृक्ष गले लगकर मिल रहा हो। मुनि निस्तब्ध खड़े हुए टकटकी लगाकर श्रीरामजी का मुख देख रहे हैं, मानो चित्र में लिखकर बनाए गए हों। तब मुनि ने हृदय में धीरज धरकर बार-बार चरणों को स्पर्श किया। फिर प्रभु को अपने आश्रम में लाकर अनेक प्रकार से उनकी पूजा की। मुनि कहने लगे- हे प्रभो ! मेरी विनती सुनिए।मैं किस प्रकार से आपकी स्तुति करूं? आपकी महिमा अपार है और मेरी बुद्धि अल्प है। जैसे सूर्य के सामने जुगनू का उजाला!

मुनि सुतीक्ष्णजी ने कहा- ऐसा अभिमान भूलकर भी न छूटे कि मैं सेवक हूं और श्रीरघुनाथजी मेरे स्वामी हैं। मुनि के वचन सुनकर श्रीरामजी मन में बहुत प्रसन्न हुए। तब उन्होंने हर्षित होकर श्रेष्ठ मुनि को हृदय से लगा लिया और कहा- हे मुनि! मुझे परम प्रसन्न जानो। जो वर मांगो, वही मैं तुम्हें दूं! मुनि सुतीक्ष्णजी ने कहा- मैंने तो वर कभी मांगा ही नहीं। मुझे समझ ही नहीं पड़ता कि क्या झूठ है और क्या सत्य है, हे रघुनाथजी! हे दासों को सुख देने वाले! आपको जो अच्छा लगे, मुझे वही दीजिए। श्रीरामचंद्रजी ने कहा- हे मुने!

तुम प्रगाढ़ भक्ति, वैराग्य, विज्ञान और समस्त गुणों तथा ज्ञान के निधान हो जाओ। तब मुनि बोले- प्रभु ने जो वरदान दिया वह तो मैंने पा लिया। अब मुझे जो अच्छा लगता है वह दीजिए। हे प्रभो! हे श्रीरामजी! छोटे भाई लक्ष्मणजी और सीताजीसहित धनुष-बाणधारी आप निष्काम होकर मेरे हृदयरूपी आकाश में चंद्रमा की भांति सदा निवास कीजिए।'एवमस्तु' (ऐसा ही हो) ऐसा

उच्चारण कर श्रीरामचंद्रजी हर्षित होकर अगस्त्य ऋषि के पास चले।

तब सुतीक्ष्णजी बोले- गुरु अगस्त्यजी का दर्शन पाए और इस आश्रम में आए मुझे बहुत दिन हो गए। अब मैं भी प्रभु के साथ गुरुजी के पास चलता हूं। इसमें हे नाथ! आपपर मेरा कोई एहसान नहीं है। मुनि की चतुरता देखकर कृपा के भंडार श्रीरामजी ने उनको साथ ले लिया और दोनों भाई हंसने लगे। रास्ते में अपनी अनुपम भक्ति का वर्णन करते हुए देवताओं के राजराजेश्वर श्रीरामजी अगस्त्य मुनि के आश्रम पर पहुंचे। सुतीक्ष्ण तुरंत ही गुरु अगस्त्यजी के पास गए और दंडवत करके ऐसा कहने लगे- हे नाथ! अयोध्या के राजा दशरथजी के कुमार जगदाधार श्रीरामचंद्रजी छोटे भाई लक्ष्मणजी और सीताजी सहित आपसे मिलने आए हैं, जिनका हे देव! आप रात-दिन जप करते रहते हैं। यह सुनते ही अगस्त्यजी तुरंत ही उठ दौड़े। भगवान को देखते ही उनके नेत्रों में (आनंद और प्रेम के आंसुओं का) जल भर आया। दोनों भाई मुनि के चरणकमलों पर गिर पड़े। ऋषि ने बड़े प्रेम से उन्हें हृदय से लगा लिया। ज्ञानी मुनि ने आदरपूर्वक कुशल पूछकर उनको लाकर श्रेष्ठ आसन पर बैठाया। फिर बहुत प्रकार से प्रभु की पूजा करके कहा- मेरे समान भाग्यवान आज दूसरा कोई नहीं है। वहां जहां तक जितने भी अन्य मुनिगण थे, सभी श्रीरामजी के दर्शन करके हर्षित हो गए। मुनियों के समूह में श्रीरामचंद्रजी सबकी ओर सम्मुख होकर बैठे हैं। ऐसा जान पड़ता है मानो चकोरों का समुदाय शरद पूर्णिमा के चंद्रमा की ओर देख रहा हो। तब श्रीरामजी ने मुनि से कहा- हे प्रभो! आपसे तो कुछ छिपा है नहीं। मैं जिस कारण से आया हूं वह आप जानते ही हैं।

इसी से हे तात! मैंने आपसे समझाकर कुछ नहीं कहा। हे प्रभो! अब आप मुझे वही मन्त्र दीजिए, जिस प्रकार मैं मुनियों के द्रोही राक्षसों को मारूं। प्रभु की वाणी सुनकर मुनि मुस्कराए और बोले- हे नाथ! आपने क्या समझकर मुझसे यह प्रश्न किया है? हे पापों का नाश करने वाले! मैं तो आप ही के भजन के प्रभाव से आपकी कुछ थोड़ी-सी महिमा जानता हूं। आपकी माया गूलर के विशाल वृक्ष के समान है, अनेकों ब्रह्माण्डों के समूह ही जिसके फल हैं। चर और अचर जीव (गूलर के फल के भीतर रहने वाले छोटे-छोटे) जन्तुओं के समान उनके भीतर बसते हैं और वे (अपने उस छोटे-से जगत के सिवा) दूसरा कुछ नहीं जानते। उन फलों का भक्षण करने वाला कठिन और कराल काल है। वह काल भी सदा आपसे भयभीत रहता है। उन्हीं आपने समस्त लोकपालों के स्वामी होकर भी मुझसे मनुष्य की तरह प्रश्न किया।**(जारी)**

'हीरो नं 1' के साथ ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन

ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन जल्द बॉलीवुड में एंट्री करने वाली है। वह रोहित सराफ, जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल के साथ फिल्म' इश्क विश्क रिबाऊंड' से फिल्मों में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है लेकिन उसकी पहली फिल्म के बीच अब ऐसी खबर आई है कि उसको दूसरी फिल्म भी मिल गई है।

कहा जा रहा है कि वह फिल्म 'हीरो नम्बर 1' में टाइगर श्रॉफ की पहली प्रेमिका की भूमिका निभाएगी। इस फिल्म में सारा अली खान भी होगी।फिल्म का निर्देशन जगन शक्ति करने वाले हैं। इससे पहले वह फिल्म 'मिशन मंगल' का निर्देशन कर चुके हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।'हीरो नंबर 1' की शूटिंग जल्द शुरू हो सकती है। यह भी कहा गया है कि शूटिंग लंदन में होगी लेकिन टाइगर ने पहले ही एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर ली है। वहीं, सारा और पश्मीना आने वाले समय में उसके साथ जुड़ेंगी। टाइगर ने जैकी भगनानी के प्रोडक्शन के साथ तीन फिल्मों का करार किया था और 'गणपत' तथा 'बड़े मियां छोटे मियां' के बाद, 'हीरो नंबर 1' तीसरी फिल्म है।

सामने आया पश्मीना की डेब्यू फिल्म का टीजर शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म' इश्क विश्क' वर्ष 2003 में रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। कॉलेज रोमांस दिखाने वाली इस फिल्म का सीक्वेल आएगा, यह कोई सोच भी नहीं सकता था लेकिन ऐसा वाकई में होने जा रहा है। आखिरकार इसका खुलासा हो गया है। रोहित सराफ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके फिल्म का नाम 'इश्क विश्क रीबाऊंड' बताया है। फिल्म का एक छोटा-सा टीजर सामने आया है। इसमें एनिमेटेज अंदाज में बताया जा रहा है कि एक परफैक्ट रोमांटिक कॉमेडी के लिए क्या चाहिए। रोहित कहता है कि 'इसके लिए प्यार, थोड़ी दोस्ती, थोड़ा-सा ड्रामा और बहुत सारा कन्फ्यूजन चाहिए।' इसके बाद ओरिजनल फिल्म का सोनू निगम की आवाज में इश्क विश्क वाला गाना बजता है। सूत्रों की मानें तो यह फिल्म 28 जून को रिलीज होगी जिसमें पश्मीना पर कुछ खूबसूरत गाने भी फिल्माए गए हैं।

'बॉलीवुड' में कदम रखने जा रही भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी

सलमान खान के साथ फिल्म 'मैंने प्यार किया' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी भी अपनी मां के नक्शे कदमों पर चलते हुए अभिनय जगत में कदम रख चुकी है।

वह पिछली बार वैब सीरीज 'मिथ्या' में नजर आई थी जिसमें उस के अभिनय की खूब सराहना हुई। उसने एक तेलुगु फिल्म 'नेनु स्टूडेंट सर' में भी काम किया है और अब वह बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार है। उसकी पहली बॉलीवुड फिल्म का नाम 'यू शेप की गली' है। अवंतिका ने खुलासा किया कि उस की मां भाग्यश्री उसे और उसके भाई अभिमन्यु दसानी को क्या सलाह देती है। साथ ही, उसने स्टार किड होने के फायदे और नुकसान के बारे में भी खुलकर बात की।

भाग्यश्री देती है यह सलाह

अवंतिका ने कहा, मेरे और मेरे भाई दोनों के लिए, वह हमेशा कहती थीं कि चाहे आप कितने भी अच्छे हों या आपको

कितनी भी सफलता क्यों न मिल जाए, लेकिन यहां स्थिरता नहीं है। यहां बहुत सारे उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। चाहे अच्छा या बुरा, आपको उससे संतुष्ट रहना चाहिए और खुद पर गर्व करना चाहिए।

स्टार किड होने से फिल्में नहीं मिलतीं

अवंतिका ने स्टार किड होने के बारे में कहा, लगता है कि आप अकेले नहीं हैं, इंडस्ट्री में कोई तो आपके साथ है। हालांकि, मेरी मां ने कई साल पहले इंडस्ट्री को छोड़ दिया था, इसलिए यह पहले जैसा नहीं है। अभी भी कुछ फायदे हैं, क्योंकि मेरी मां और भाई को इंडस्ट्री में बहुत सम्मान मिला है इसलिए मुझे भी वही सम्मान मिलता है। मुझे एक चाय मिल सकती है, लेकिन मुझे किसी फिल्म का ऑफर नहीं मिलेगा। कोई बिना टैलेंट आप पर पैसा क्यों लगाएगा ? मैं अब भी ऑडिशन देती हूं, मेरी अब भी ट्रेनिंग चल रही है। शुरुआत में बुरा लगता था लेकिन अब नहीं।

क्या बचपन से बनना चाहती थी अभिनेत्री नहीं। दरअसल, बचपन में हर हफ्ते मेरी पसंद बदलती रहती थी। जो भी फिल्म में अच्छा किरदार दिखता, मैं वही बनने की ख्वाहिश रखती। कभी लॉयर तो कभी डॉक्टर। मैं पढ़ाई में अच्छी रही हूं, इकोनॉमिक्स और बिजनैस में अच्छे मार्क्स लाए हैं। जब मैंने दो-तीन एक्टिंग कोर्स किए, तब एहसास हुआ कि मुझे इस प्रोफैशन से कितना लगाव है और इससे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। अवंतिका की फिल्म 'यू शेप की गली' की बात करें, तो यह एक रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म का निर्देशन अविनाश दास ने किया है।

वीजू और मैं एक साथ बड़े हुए, इसलिए वह मेरे सबसे बड़े 'सपोर्टर' : रश्मिका

रश्मिका और विजय को एक-दूसरे से अपनी पहली फिल्म 'गीता गोविंदम' की शूटिंग के दौरान प्यार हुआ था। 2018 में आई इस फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

रश्मिका मंदाना साऊथ की फिल्मों में खूब नाम कमाने के बाद अब बॉलीवुड में भी कदम रख चुकी है। 'गुडबाय' में अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह अभिनेत्री सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'मिशन मजनू' और फिर रणबीर कपूर के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' में नजर आ चुकी है। अब जल्द ही वह ब्लॉकबस्टर पैन इंडिया फिल्म 'पुष्पा' के दूसरे पार्ट में नजर आएगी। इसके पहले पार्ट में रश्मिका के रोल को काफी लोकप्रियता मिली थी। इसके अलावा हाल ही में पीरियड एक्शन फिल्म 'छावा' की शूटिंग उसने पूरी की है।

पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में

रश्मिका और विजय देवरकोंडा काफी समय से रोमांस को लेकर अटकलों में घिरे हुए हैं। दोनों को 2019 की फिल्म 'डियर कॉमरेड' में एक साथ देखा गया था और प्रशंसक हमेशा दोनों के बीच कैमिस्ट्री की बातें करते रहे हैं। अब रश्मिका ने इस विषय पर चुप्पी तोड़ी है।

रश्मिका ने विजय के साथ अपने संबंधों को लेकर कहा, वीजू और मैं एक साथ बड़े हुए, इसलिए मैं अभी अपने जीवन में जो कुछ भी करती हूं, उसमें उनका योगदान है। रश्मिका ने खुलासा किया कि वह विजय की हर राय मानती है। उसने अपने रिश्ते को कन्फर्म नहीं किया है।

अगली फिल्में

रश्मिका की कई फिल्में रिलीज के लिए कतार में हैं। इनमें 'पुष्पा 2', 'रेनबो', 'द गर्लफ्रेंड' और तेलुगु में 'धनुष' के अलावा नागार्जुन और जिम सरभ के साथ एक अनाम फिल्म शामिल है। रश्मिका की पाइपलाइन में विक्की कौशल के साथ फिल्म 'छावा' भी है।

पसंद है अल्लू अर्जुन

'पुष्पा 2' में वह अल्लू अर्जुन के साथ नजर आने वाली है। उसके साथ काम करने के बारे में वह कहती है, वह एक परफैक्शनिस्ट हैं। मैं जितने भी पुरुषों से मिली हूं, उनमें से वह सबसे मेहनती हैं। वह हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहेंगे क्योंकि शूटिंग के दौरान मैं एक पहली फिल्म ' गीता गोविंदम' की शूटिंग के दौरान प्यार हुआ था। 2018 में आई इस फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। दोनों सितारों को अक्सर साथ में छुट्टियां मनाते और वक्त बिताते देखा जाता है। पिछले साल रश्मिका और विजय मालदीव में छुट्टियां मनाने साथ गए थे, वहीं इस साल उन्हें वियतनाम में साथ देखा गया था। हालांकि, उन्होंने अभी तक

विजय मेरे हर विषय को काफी गंभीरता से लेते हैं। वह बताते हैं कि यह अच्छा है... यह अच्छा नहीं है... मैं यह सोचता हूं... तुम्हें यह नहीं करना चाहिए। उन्होंने मेरे पूरे जीवन में किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में मेरा अधिक समर्थन किया है, इसलिए मुझे लगता है कि वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका मैं वास्तव में बहुत सम्मान करती हूं। वहीं मैं भी उनके लिए काफी सकारात्मक विचार रखती हूं।

फिल्म के सैट पर हुआ था प्यार

सूत्रों की मानें तो रश्मिका और विजय को एक-दूसरे से अपनी अभिनेता के रूप में उनकी सराहना करने लगी और फिल्म के प्रचार के दौरान मैं उन्हें एक इंसान के रूप में पसंद करने लगी। वह अपने आसपास के लोगों का बहुत ख्याल रखते हैं।

प्रसिद्धि के चलते प्राइवेसी न रहने पर बोली मैं खुद से कहती हूं कि यह तो हमारे काम का हिस्सा है। अब हर किसी के बारे में सब कुछ बाहर है... तो अब अगर आप स्क्रीन पर रहना चाहते हैं, तो आपको अपने बारे में लिखे गए लेखों से 'सहमत' होना होगा। यह ऐसा ही है। मुझे वास्तव में कोई आपत्ति नहीं है, जब तक कि मैं अपने लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाती हूं, भले ही यह किसी गपशप से ही क्यों न हो। मैं यहां अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हूं। अगर यह हो जाता है, तो मुझे खुशी होगी।

27 वर्षीय रश्मिका तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में खूब काम करती है। पिछले साल उसकी 3 फिल्में रिलीज हुई थीं। पहली तमिल सुपरस्टार विजय के साथ 'वारिसू' ने दुनिया भर में 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनैस किया था। फिर वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्पाई थ्रिलर फिल्म 'मिशन मजनू' में दिखी, जो एक ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी। उसकी तीसरी फिल्म संदीप वांगा रैड्डी की 'एनिमल' थी, जिसने जबरदस्त कमाई की। इसमें रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी थे। 'डीपफेक' पर बोली नवम्बर 2023 में वायरल हुए अपने एक 'डीपफेक' वीडियो पर उसने आवाज उठाई थी और अब इसे बनाने वाला इंसान गिरफ्तार हो चुका है। रश्मिका का कहना है कि जागरूकता फैलाने के लिए इस तरह की घटना के बारे में बात करना जरूरी है। उसने कहा, ₹मैंने सोचा कि किसी कॉलेज जाने वाली लड़की के साथ ऐसा हुआ होता तो क्या होता। मैं उनके लिए बहुत डर गई थी। अगर मैं इस बारे में बात करूंगी तो कम से कम 41 मिलियन लोगों को इसके बारे में पता होगा कि' डीपफेक' जैसी कोई चीज होती है, जो सही नहीं है।

एक-दूसरे को 'समय' देना सबसे बड़ा उपहार : मुक्ति मोहन

डांसर और अभिनेत्री मुक्ति मोहन ने पिछले साल 10 दिसम्बर को कुणाल ठाकुर के साथ शादी की। यह जोड़ा जीवन के नए चरण का पूरा आनंद ले रहा है।अपने मिलन का जश्न मनाने के महत्व को व्यक्त करते हुए, मुक्ति बताती है, हम हाल ही में मिनीमून (छोटी छुट्टी) के बाद काम पर लौटे हैं और इसके बाद एक शादी समारोह में शामिल हुए। पहले जुदा गुजरने वाला समय अब हमारा समय बन गया है। हमें यात्रा करना और एक साथ रहना पसंद है, इसलिए हमने वैलेंटाइन्स डे पर भी यही किया। सबसे खास उपहार जो हम एक दूसरे को दे सकते हैं वह है समय। अपनी व्यस्तता में से समय निकालना तथा एक-दूसरे को और जानना तथा एक साथ जश्न मनाना सबसे अच्छा है। मैं उसे जितना हो सके समय देने जा रही हूं। एडवेंचर इस जोड़े का इंतजार कर रहा है, क्योंकि दोनों को ही एडवेंचर स्पोर्ट्स यानी साहसिक खेलों से लगाव है। मुक्ति ने बताया, हमें साहसिक खेल पसंद हैं, इसलिए किसी सुंदर समुद्र तट पर अच्छे डिनर की योजना मैं ने कुछ समय से मन में बना रखी है।

हम 2020 से एक साथ हैं, लेकिन हर साल काम में काफी व्यस्त रहा करते थे। हमें शादी के बाद आधिकारिक तौर पर वह समय मिल रहा है, यहां तक कि परिवार भी हमारी योजनाओं को लेकर काफी उत्साहित है। वह बताती है, मेरी बहन नीति की शादी की सालगिरह वैलेंटाइन्स- डे के अगले दिन यानी 15 फरवरी को थी हम वैलेंटाइन्स डे एक साथ गुजारने के बाद उनके फार्महाऊस पर गए और पूरे परिवार के साथ इसलिए जश्न मनाया। मुक्ति फिल्मों कई और धारावाहिकों में काम कर चुकी है। उसने अपने अभिनय सफर की शुरूआत फिल्म 'ब्लड ब्रदर्स' से की थी। मुक्ति मोहन का जन्म 21 जून, 1987 को नई दिल्ली में हुआ था। उसकी तीन बहनें हैं कृति, शक्ति और नीति मोहन। शक्ति अभिनेत्री और कोरियोग्राफर है, बड़ी बहन नीति हिंदी सिनेमा में पार्श्व गायिका है जबकि कृति एक सैलीब्रिटी मैनेजर है।

कोई मुझे 'गलत तरीके से छू' रहा था : भूमि पेडणेकर

लीक से हटकर फिल्में करने वाली भूमि पेडणेकर दमदार अभिनय के लिए लोकप्रिय है। हाजिरजवाबी के लिए भी पहचानी जाने वाली इस एक्ट्रैस ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

अपने उत्पीड़न की दर्दनाक कहनी शेयर करते हुए उसने कहा, ₹मुझे आज भी वह दिन बहुत अच्छे से याद है जब मैं बांद्रा के एक मेले में अपने परिवार के साथ घूमने गई हुई थी। मैं उस समय बहुत छोटी थी। शायद मैं 14 साल की थी। उस वक्त मेरे साथ बिल्डिंग के और भी बच्चे थे।

मैं चल रही थी तो मेरे बैक (नितम्ब) पर कोई बार-बार चुटकी काट रहा था और लगातार गलत तरीके से टच कर रहा था। मुझे समझ आ रहा था कि मेरे साथ क्या हो रहा है? जब मैंने पीछे मुड़कर देखा तो मैं नहीं जान सकी कि किसने ऐसा किया क्योंकि वहां बहुत भीड़ थी।

उसने आगे कहा, उस समय तो मैंने किसी से कुछ नहीं कहा क्योंकि इस घटना के बाद मैं सदमे में थी। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि मेरे साथ आखिर हुआ क्या लेकिन मुझे आज भी याद है कि किस तरीके से वह शख्स मेरी बॉडी को टच कर रहा था। ऐसी चीजों को आपका शरीर याद रखता है। यह एक ऐसा सदमा होता है, जिससे आप कभी उबर नहीं सकते।

उसने एक और डरावनी तथा सदमा देने वाली घटना के बारे में बात करते हुए बताया कि जब वह स्कूल में थी तो उसकी कुछ सहेलियों के साथ भी उत्पीड़न हुआ था।

उसने बताया कि एक दिन जब उसकी कुछ सहेलियां स्कूल से लौट रही थीं तो एक ऑटोरिक्शा वाले ने जानबूझ कर उनके सामने अपनी पैंट की जिप खोल दी थी। सामाजिक मुद्दों से जुड़ी फिल्में करने वाली भूमि इन दिनों फिल्म 'भक्षक' में नजर आ रही है जो एक शैल्टर होम में रहने वाली लड़कियों के उत्पीड़न की कहानी है।

मनी लांड्रिंग केस में सजा काट रहे जेट एयरवेज़ के फाउंडर को घातक बीमारी, वकील ने मांगी जमानत

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। समय बलवान होता है। यह लाइन आदि काल से चली आ रही है और सत्य भी है। कोई राजा कभी भी रंक हो सकता है।

जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल का एक समय एयरलाइन इंडस्ट्री में जलवा हुआ करता था। आज वह अपने गुनाह की सजा काट रहे हैं।

कुछ दिन पहले उन्होंने जज के सामने हाथ जोड़कर गुहार लगाई थी और कहा था कि वह जीवन से उम्मीद खो बैठे हैं। ऐसी जिंदगी जीने से बेहतर है की वह जेल में ही मर जाए। अब उनका वकील कोर्ट में जमानत के लिए अपील कर रहा है। वकील ने इसके पीछे की वजह एक गंभीर बीमारी बताई है। सरकारी जे जे अस्पताल के एक मेडिकल बोर्ड ने शुक्रवार को एक विशेष अदालत को सूचित किया कि जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल की निजी मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि वह "घातक रोग" से पीड़ित हैं, लेकिन इसके लिए और परीक्षण करने की जरूरत है।

ईडी ने किया विरोध

प्रवर्तन निदेशालय , जिसने व्यवसायी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है, उसने स्वास्थ्य आधार पर उनकी अंतरिम जमानत याचिका का विरोध किया और सुझाव दिया कि उनका इलाज शहर स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल में किया जा सकता है। 74 वर्षीय गोयल ने 15 फरवरी को अदालत का रुख करते हुए कहा था कि उन्हें विशेष उपचार की आवश्यकता है क्योंकि प्राइवेट डॉक्टरों द्वारा किए गए टेस्ट से पता चला है कि उनकी आंत में छोटा ट्यूमर है। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम मामलों के न्यायाधीश एम जी देशपांडे ने रिपोर्ट की जांच के लिए जे जे अस्पताल द्वारा एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का आदेश दिया है।

शुक्रवार को सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि बोर्ड ने कोई राय नहीं दी, लेकिन स्पष्ट रूप से कहा कि उसे कुछ टेस्ट करने की जरूरत है जो जे जे अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं। अभियोजन एजेंसी ने कहा कि गोयल को जमानत नहीं दी जानी चाहिए, लेकिन पुलिस सुरक्षा के तहत टाटा मेमोरियल अस्पताल में उनका इलाज किया जा सकता है।

छह महीने का समय

व्यवसायी के वकील अबाद पोंडा ने तर्क दिया कि जे जे अस्पताल के बोर्ड ने पुष्टि की थी कि निजी मेडिकल रिपोर्ट असली थीं, और उनके मुवक्किल को निजी अस्पताल में इलाज कराने का अधिकार है। वकील ने छह महीने के लिए मेडिकल जमानत की मांग करते हुए कहा कि गोयल "अपने जीवन के अंतिम पड़ाव" पर हैं और अपनी पसंद का इलाज पाने के हकदार हैं। मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी।

इस गुनाह की काट रहे सजा

गोयल को केनरा बैंक द्वारा जेट एयरवेज को दिए गए 538.62 करोड़ रुपए के लोन से प्राप्त रकम की हेराफेरी के आरोप में ईडी ने सितंबर 2023 में गिरफ्तार किया था। यह मामला बैंक के पैसों के दुरुपयोग या हेराफेरी के संबंध में जेट एयरवेज, गोयल, उनकी पत्नी अनीता और अब बंद हो चुकी एयरलाइन के कुछ पूर्व अधिकारियों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एफआईआर से उपजा है।

मार्च में पूरे चौदह दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मार्च का महीना त्योहारों के लिहाज से काफी अहम होता है। इस महीने में महाशिवरात्रि के साथ होली का त्योहार भी काफी अहम है। वहीं दूसरी ओर गुड फ्राइडे भी इसी महीने में आता है। इसका मतलब है इन तीन त्योहारों में पूरे देश में बैंक बंद रहते हैं। साथ ही कुछ राज्यों में होली का त्योहार एक बाद भी होता है। चापचार कुट और बिहार दिवस के मौके पर उन राज्यों और शहरों में बैंकों का अवकाश रहेगा। इसके अलावा इस बार 5 रविवार भी पड़ रहे हैं। वहीं दूसरे और चौथे रविवार को भी अवकाश रहता है। इसका मतलब है कि देश भर में बैंकों का अवकाश मार्च के महीने में 14 दिनों का रहने वाला है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश में किन दिनों में और किस वजह से बैंकों का अवकाश रहने वाला है।1 मार्च को चापचार कुट की वजह से मिजोरम के आईजोल शहर में बैंकों का अवकाश रहेगा। 3 मार्च को रविवार को होने की वजह से देश के सभी राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। 8 मार्च को महाशिवरात्रि की वजह से देश के सभी राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। 9 मार्च को दूसरा शनिवार होने की वजह से देश के सभी राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। 10 मार्च को रविवार को होने की वजह से देश के सभी राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। 17 मार्च को रविवार को होने की वजह से देश के सभी राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। 22 मार्च को बिहार दिवस के मौके पर पूरे बिहार के बैंकों में अवकाश रहेगा। 23 मार्च को चौथा शनिवार होने की वजह से देश के सभी राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। 24 मार्च को रविवार को होने की वजह से देश के सभी राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। 25 मार्च को होली यानी दुल्हैंडी यानी रंग वाली होली के दिन देश के अधिकतर राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। 26 मार्च को याओसैंग सेकंड डे एवं होली के मौके पर भुवनेश्वर, इंफाल और पटना में बैंकों का अवकाश रहेगा। 27 मार्च को होली के मौके पर बिहार के सभी शहरों में बैंकों का अवकाश रहेगा।

तीसरी तिमाही में 6.4 फीसदी रह सकती है विकास दर

29 फरवरी को आएंगे जीडीपी के आंकड़े

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 6.4 फीसदी रहने की उम्मीद है। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की रिपोर्ट के मुताबिक, विनिर्माण व कंस्ट्रक्शन क्षेत्र जीडीपी में सबसे ज्यादा योगदान करेंगे। सरकार 29 फरवरी को जीडीपी के आंकड़े जारी करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, सख्त मौद्रिक नीतियों और अन्य चुनौतियों के बीच दुनिया में मंदी का खतरा बना हुआ है। इनसे वैश्विक विकास प्रभावित होने का जोखिम है। घरेलू स्तर पर लचीलेपन के कारण भारतीय जीडीपी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर स्थिति में है। चालू वित्त वर्ष में जीडीपी 6.8 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। 2024-25 में यह 6.75-6.8 फीसदी रह सकती है। हालांकि, विपरीत वैश्विक स्थितियों के कारण निर्यात प्रभावित हो सकता है।

कृषि और उद्योग क्षेत्र में धीमी रहेगी वृद्धि

रिपोर्ट के अनुसार, कषि और उद्योग क्षेत्र में धीमी वृद्धि रहेगी। सेवा क्षेत्र में तेज वृद्धि की उम्मीद है। औद्योगिक क्षेत्र की विकास दर जहां 8 फीसदी रह सकती है, वहीं खनन और विनिर्माण की वृद्धि दर छह और 8.6 फीसदी रह सकती है। हालांकि, दूसरी तिमाही की तुलना में यह कम रह सकती है। ट्रैक्टर और दोपहिया वाहनों की बिक्री में नरमी से ग्रामीण मांग धीमी होने की आशंका है। हालांकि, जनवरी में ई-वे बिल जेनरेशन में वृद्धि से सेवाओं को कुछ मदद मिलेगी।

सेवा क्षेत्र : 6.7 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगा आगे

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी रिपोर्ट में कहा, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में निर्माण क्षेत्र की विकास दर बेहतर रह सकती है। इस दौरान सेवा क्षेत्र 6.7 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ सकता है। दूसरी तिमाही में इसकी वृद्धि दर 5.8 फीसदी रही थी। तीसरी तिमाही के दौरान कारोबार, होटल और परिवहन क्षेत्र की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। कर्ज वितरण की अच्छी स्थिति से वित्तीय क्षेत्र 6.5 फीसदी की दर से आगे बढ़ सकता है।

गौतम अडानी से मिले ऊबर के सीईओ, साथ काम करने की इच्छा जताई

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ऊबर के सीईओ डारा खोसरोवशाही ने देश के दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी से मुलाकात की है। दोनों कारोबारियों ने मिलकर काम करने की इच्छा जताई है। ऊबर के सीईओ और अडानी ग्रुप के चेयरमैन के बीच भारत की आर्थिक तरक्की को लेकर चर्चा हुई। साथ ही भारतीय उपमहाद्वीप को लेकर ऊबर के प्लान पर भी वार्ता की गई। गौतम अडानी ने भारतीय ड्राइवरों का जीवन बेहतर करने और इलेक्ट्रिक वेहिकल को बढ़ावा देने के लिए ऊबर की प्रशंसा भी की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुलाकात को शानदार बताया

ऊबर के सीईओ डारा खोसरोवशाही इन दिनों भारत में हैं। उन्होंने गौतम अडानी के साथ नाश्ते के दौरान हुई मुलाकात को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। इसमें उन्होंने कहा कि यह एक शानदार मुलाकात थी। वह अडानी ग्रुप के साथ काम करना चाहते हैं। गौतम अडानी ने भी इस मुलाकात के बारे में एक्स पर अपने अनुभव बताए। उन्होंने लिखा कि वह भविष्य में ऊबर के साथ काम करना चाहेंगे। कंपनी ने भारत में अच्छा काम किया है।

ऊबर ने ओएनडीसी के साथ साइन किया एमओयू

ऊबर ने 22 फरवरी को ही भारत के ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स के साथ एमओयू साइन किया था। कंपनी ओएनडीसी की मदद से ऊबर एप पर ज्यादा से ज्यादा मोबिलिटी ऑफर देना चाहती है। ओएनडीसी के साथ मिलकर ऊबर ज्यादा सुरक्षित एवं सस्ती राइड सेवाएं दे सकेगी। भारत सरकार के डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटर्नल ट्रेड ने ओएनडीसी को एक नॉन प्रॉफिट प्राइवेट आर्गनाईजेशन के तौर पर बनाया है।

नंदन नीलेकणि से भी मिले थे डारा खोसरोवशाही

इससे पहले ऊबर के सीईओ डारा खोसरोवशाही ने इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि के साथ बेंगलुरु में मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि दुनियाभर की कंपनियों और सरकारों को भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से सीखना चाहिए। उन्होंने भारत की तकनीकी तरक्की का लाभ उठाने की इच्छा भी जताई थी। नंदन नीलेकणि ने जब उनसे भारत के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा था कि यह देश सबसे कठिन मार्केट में से एक है। भारतीय कस्टमर बहुत कुछ चाहते हैं और बेहद कम पैसा देना चाहते हैं। अगर ऊबर यहां सफल हो गई तो हम दुनिया में कहीं भी सफलता हासिल कर सकते हैं।

हैदराबाद में आज का सोने का भाव

हैदराबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। सोने की दर 24 कैरट के लिए रु 62950 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रु 57700/10 ग्राम। हैदराबाद शहर में सोने की दर या कीमत प्रमुख दो कारकों पर निर्भर करती हैः पहला सोने की शुद्धता है और दूसरा सोने का वजन है। 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के लिए विभिन्न वजन श्रेणियां उपलब्ध हैं, यह 8 ग्राम, 10 ग्राम, 100 ग्राम, 1 किलोग्राम और अधिक में उपलब्ध है। यहां आप 24 ग्राम सोने की दर प्रति ग्राम, प्रति 10 ग्राम, प्रति किलोग्राम और प्रति टोला जैसे विभिन्न वजन में सोने की कीमत और चांदी की कीमत की जांच कर सकते हैं। आज के लिए कीमत अपडेट नहीं होने के मामले में हम लास्ट अपडेटेड दिन के प्राइस को आज के गोल्ड प्राइस के रूप में दिखा रहे हैं।

रुपए में शुद्ध सोने (24 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6295 (छह हजार दो सौ पचानवे), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 50360 (पचास हजार तीन सौ साठ), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 62950 (बासठ हजार नौ सौ पचास), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 629500 (छह लाख उनतीस हजार पांच सौ), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6295000 (बासठ लाख पचानवे हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 73423.7 (तिहतर हजार चार सौ तेइस)

रुपए में स्टैंडर्ड गोल्ड (22 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 5770 (पांच हजार सात सौ सत्तर), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 46160 (छयालिस हजार एक सौ साठ), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 57700 (सतावन हजार सात सौ), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 577000 (पांच लाख सतहतर हजार), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 5770000 (सतावन लाख सत्तर हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 67300.2 (सड़सठ हजार तीन सौ)।

बिजली उपभोक्ताओं की बल्ले-बल्ले !

अब आवेदन के तीन दिन के भीतर मिलेगी बिजली

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं के लिए नए कनेक्शन लेने और छतों पर लगने वाली सौर इकाइयों के लिए नियमों को सरल किया है। नए नियमों के तहत अब बिजली कनेक्शन महानगरीय क्षेत्रों में तीन दिन, नगरपालिका क्षेत्रों में सात दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिन में मिलेंगे। बिजली मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नई व्यवस्था को लागू करने के लिए मंत्रालय ने बिजली (उपभोक्ता अधिकार) नियम, 2020 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। संशोधनों के बाद छत पर सौर बिजली इकाई लगाने की प्रक्रिया भी सरल हो गई है। इसके अतिरिक्त नई व्यवसथा से बहुमंजिला फ्लैटों में रहने वाले उपभोक्ताओं को भी कनेक्शन का प्रकार चुनने का अधिकार दिया गया है और आवासीय सोसाइटी में सामान्य क्षेत्रों और बैक-अप जनरेटर के लिए अलग-अलग बिलिंग सुनिश्चित की गई है, केंद्र सरकार का मानना है कि इससे इस क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकेगी। संशोधित नियम में उपभोक्ताओं की शिकायतों के मामले में बिजली की खपत के सत्यापन के लिए वितरण कंपनियों द्वारा लगाए गए मीटरों की जांच का भी प्रावधान किया गया है। केंद्रीय बिजली मंत्री आर के सिंह ने कहा कि सरकार के लिए उपभोक्ताओं का हित सर्वोपरि है। ये संशोधन इसी को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं।अभी पहाड़ी क्षेत्रों के ग्रामीण इलाकों में नए कनेक्शन लेने या मौजूदा कनेक्शन में संशोधन के लिए समय अवधि पहले की तरह 30 दिन ही रहेगी और इस संशोधन ने छत पर सौर प्रणाली स्थापित करने को भी अधिक सरल और तीव्र बना दिया है। मंत्रालय ने कहा कि 10 किलोवाट की तक की सौर प्रणालियों के लिए तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन की जरूरत नहीं होगी। इससे अधिक क्षमता की सौर प्रणालियों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन की समयसीमा 20 दिन से घटाकर 15 दिन कर दी गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को अनोखी पहल की. उन्होंने घाटकोपर रेलवे स्टेशन से कल्याण रेलवे स्टेशन तक लोकल से सफर किया.

एमडी चंद्रू कालरो ने दिया सफलता का मंत्र, वैल्यूएशन नहीं वैल्यू बनाएं

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। अमर उजाला की खास पेशकश शिखर का सफर में टीटीके प्रेस्टीज ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर चंद्रू कालरो ने किचन कुकवेयर मैन्युफैक्चरिंग उद्योग में कंपनी की उपलब्धियों के बारे में बताया। नवउद्यमियों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें वैल्युएशन नहीं वैल्यू क्रिएट करने पर ध्यान देना चाहिए। टीटीके प्रेस्टीज ग्रुप सिर्फ प्रेशर कुकर नहीं बनाता। उसकी जो प्रोडक्ट रेंज है, उत्पाद श्रृंखला है वो बहुत लंबी है। कंपनी के एमडी चंद्रू कालरोस ने बताया कि टीटीके प्रेस्टीज भारत में सबसे पहले प्रेशर कुकर को लाया था। उन्होंने कहा, बहुत से लोगों को यह जानकर हैरानी होगी कि हमारे उत्पादों में प्रेशर कुकर का

टर्नओवर मात्रा एक तिहाई है। हमारे कंपनी के टर्नओवर में दो तिहाई हिस्सा अन्य उपादों का है। इनमें कुकवेयर जैसे नॉन स्टिक, स्टेनलेस स्टील, कास्ट आयरन आदि शामिल हैं। हम इंडक्शन कुकटॉप बनाते हैं। हम मिक्सर ग्राइंडर और स्मॉल इलेक्ट्रिक अप्लायंसेज बनाते हैं। हमारे पास करीब 700 एक्टिव प्रोडक्ट्स हैं।कंपनी के सबसे सस्ते और अफोर्डेबल कुकर से जुड़े सवाल कालरोस ने बताया कि कंपनी का सबसे सस्ता और अफोर्डेबल कुकर करीब 900 रुपये का है। वहीं, सबसे महंगा कुकर करीब 4000 के करीब है। उन्होंने बताया कि 10 साल या 15 साल पहले अगर आप देखें तो अल्युमिनियम के उत्पादों का सेल लगभग 75% था, वहीं 25% सेल था स्टील स्टेनलेस स्टील उत्पादों का। अब लोगों की धारना बदल रही है और स्टेनलेस स्टील के उत्पादों की बिक्री बढ़ी है। उन्होंने बताया कि उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश में सेल जो एक समय में 90% अल्युमिनियम उत्पादों का था, वहां आज लगभग 50% स्टेनलेस स्टील के उत्पाद बिक रहे हैं। कुछ लोग ऐसा कहते हैं की अल्युमिनियम सेहत के लिए उतना फायदेमंद नहीं है, इस बारे में जब टीटीके प्रेस्टीज के एमडी से जब सवाल पूछा गया तो उन्होंने बताया कि हमने बहुत रिसर्च पेपर्स देखे हैं जो की अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं, ऐसी कोई बात नहीं है।

अगर कोई ऐसी बात होती तो खुद हमारी सरकार इसे बैन कर देती। कोविड के बाद कंपनी ने कैसे रिकवर किया इस सवाल के जवाब में कालरो ने बताया कि टीटीके प्रेस्टीज कूकवेयर सेगमेंट की लीडर कंपनी है। कोविडकाल ने किचन को सबसे आगे कर कर दिया। जब लॉकडाउन हुआ तो लोग घरों में फंस गए। लोगों को घर से बाहर जाने का मौका न हीं मिल रहा था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	06-01 बजे
चंद्र-	सिंह में	मीन...	07-40 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	09-16 बजे
बुध-	कुंभ में	वृष...	11-00 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	13-00 बजे
शुक्र-	मकर में	कर्क...	15-13 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	17-25 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	19-32 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	21-17 बजे
		वृश्चिक..	23-47 बजे
		धनु.....	02-01 बजे
		मकर...	04-07 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत- **2080**
शक संवत -**1945**, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-41 सूर्यास्त. - 18-17
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् -**5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा -**20:36** - तक उपरान्त द्वितीया
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , रविवार **25 February**
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - **01 - 24** - तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - सुकर्मा - **14 - 27** - तक उप धृति
करण- बालव - **07 - 17** - तक उप- कौलव
विशेष:- फाल्गुन प्रारम्भ
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:52 से 18:20 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:41 - 08:06 अशुभ	शुभ.	18:17 - 19:52 शुभ
चंचल	08:06 - 09:34 शुभ	अमृत	19:52 - 21:25 शुभ
लाभ	09:34 - 11:02 शुभ	चंचल.	21:25 - 22:57 शुभ
अमृत	11:02 - 12:29 शुभ	रोग	22:57 - 24:29 अशुभ
काल.	12:29 - 13:57 अशुभ	काल	24:29 - 02:01 अशुभ
शुभ.	13:57 - 15:25 शुभ	लाभ	02:01 - 03:34 शुभ
रोग	15:25 - 16:52 अशुभ	उत्पात	03:34 - 05:06 अशुभ
उत्पात	16:52 - 18:17 अशुभ	शुभ	05:06 - 06:41 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

हालाँकि आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेंगा । इसके लिए यदि संभव हो , तो आप एक दिन का अवकाश भी ले सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है। हालांकि, कम ध्यान की वजह से आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है और यह आपकी वित्तीय योजना को प्रभावित कर सकता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको अपना कठोर और मजाकिया दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, बेहतर होगा कि आप लोगों की भावनाओं से सम्बन्ध स्थापित करे और साथ ही साथ ये जानने की भी कोशिश करे कि वे क्या चाहते हैं और कौन सा रास्ता उन्होंने अपनाया है ! ध्यान देने योग्य बात ये है की आपको समझना होगा की चीजे कैसे कार्य कर रही है बजाय की आप अपना तरीका अपने सहकर्मियों पर थोपे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योंकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौंपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे हैं, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके , हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले । आप अपने परिवार या अपनी जीवन संगिनी का मत भी ले सकते है की कौन सा कार्य क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त रहेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यों के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी और आज का दिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अपने से नीचे कार्य पद पर तैनात सहकर्मियों से प्रशंसा पाने का समय है ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

10 लाख के ईनामी नक्सली ने किया सरेंडर

मनोहर परहिया अपने एक साथी के साथ किया सरेंडर भाजपा नेता जयवर्धन सिंह हत्याकांड में रहा है शामिल

लातेहार, 24 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति नई दिशा से प्रभावित होकर जेजेएमपी के जोनल कमांडर मनोहर परहिया उर्फ विमलेश परहिया अपने एक अन्य साथी एरिया कमांडर दीपक कुमार भुइयां उर्फ कुंदन के साथ सरेंडर कर दिया है। मनोहर पर सरकार द्वारा 10 लाख का इनामी घोषित है। दोनों नक्सलियों ने शुक्रवार को लातेहार एसपी कार्यालय में पलामू आईजी राजकुमार लकड़ा, सीआरपीएफ पलामू जोन के पुलिस उपमहानिरीक्षक पंकज कुमार, पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के समक्ष आत्म समर्पण किया। सरेंडर करने के बाद दोनों नक्सलियों को माला, बुके व शॉल देकर स्वागत किया। साथ ही मनोहर परहिया को 10 लाख रुपए का प्रतीकात्मक चेक सौंपा गया। सरेंडर करने वाला मनोहर परहिया (अमवाटिकर, छिपादोहर) व दीपक कुमार भुईयां (चापीकला, पांकी, पलामू) का रहने वाला है। पलामू आईजी राजकुमार लकड़ा ने कहा कि

सीआरपीएफ व जिला पुलिस के संयुक्त नेतृत्व में दोनों नक्सलियों का सरेंडर करना बड़ी उपलब्धि है। आगामी होने वाला चुनाव की दृष्टि से भी यह बड़ी सफलता है। उन्होंने सरेंडर करने वाले सभी पुलिस पदाधिकारी को बधाई देता है। एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि पिछले दो वर्षों से लगातार सीआरपीएफ, कोबरा, झारखंड जगुवार व जिला पुलिस के द्वारा नक्सलियों के विरुद्ध अभियान चलाई जा रही है। जिससे पुलिस को कई उपलब्धि भी मिली है। अभियान का ही नतीजा है कि 10 लाख की इनामी मनोहर परहिया अपने एक दस्ता सदस्य एरिया कमांडर के साथ सरेंडर किया है। उन्होंने कहा कि मनोहर परहिया छिपादोहर वाले क्षेत्र में काफी सक्रिय रहा है। उसके सरेंडर करने से क्षेत्र में घटनाएं कम होगी। मौके पर आसूचना झारखंड सेक्टर के कमांडेंट रवि शंकर मिश्रा, 11वीं बटालियन के कमांडेंट वेद प्रकाश त्रिपाठी, 214 बटालियन के द्वितीय कमांडेंट अभिनव आनंद आदि मौजूद थे। सरेंडर करने वाला मनोहर परहिया भाजपा नेता जयवर्धन सिंह हत्याकांड में भी शामिल रहा है। 20 नवंबर 2022 को पुलिस को जेजेएमपी उग्रवादी के बीच मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर हुए थे।

सर्चिंग पर निकले जवानों पर नक्सलियों का हमला

मुठभेड़ में मारा गया एक नक्सली शव बरामद, सर्च ऑपरेशन जारी

सुकमा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के बुर्कालंका में शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है। बताया जा रहा है कि जवानों ने मृत नक्सली के शव को भी बरामद कर लिया है। दरअसल, जवानों को सूचना मिली थी कि सुकमा के बुर्कालंका इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। मुखबिर की इसी सूचना के बाद डीआरजी जवानों को शुक्रवार की रात सर्च ऑपरेशन पर निकाला गया था। जवान सुबह नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंचे, जहां पहले से ही घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने जवानों पर हमला कर दिया।

इसके बाद फोर्स ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का जवाब दिया। सूत्रों के मुताबिक, करीब 20 से 25 मिनट तक दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग निकले। फायरिंग रुकने के बाद जवानों ने इलाके की सर्चिंग की। सर्चिंग में एक नक्सली के शव को बरामद किया गया है।

राममय होगा राजिम कुंभ कल्प

अयोध्या धाम का दिखेगा वैभव, मुंबई–छत्तीसगढ़ के 350 कारीगरों ने 15 दिन शिफ्टों में किया काम

रायपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राजिम कुंभ कल्प राममय होगा। श्रद्धालु राजिम पहुंचकर अयोध्या धाम का वैभव देख सकें, इसलिए अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर कुंभ का मुख्य पंडाल बनाया गया है। इस पंडाल में भगवान राम के बचपन, उनकी शिक्षा-दीक्षा, शादी, वनवास, माता शबरी से भेंट, राम-भरत मिलाप की खूबसूरत झांकियां सजाई गई हैं।

आयोजन समिति के मुताबिक ये पंडाल पूरे कुंभ के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेगा। इसके अलावा लेजर शो में भांचा राम की झलकियां दिखाई जाएंगी। राजिम कुंभ कल्प का आयोजन देश और दुनिया के पर्यटन नक्शे पर छाप छोड़ सके, इसलिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने पूरी तैयारी की है। समिति के सदस्यों के मुताबिक अयोध्या मंदिर जैसा पंडाल बनाने के लिए एक्सपर्ट की मदद ली गई है। मुंबई के एक्सपर्ट और छत्तीसगढ़ के कारीगरों की संयुक्त टीम ने इस पंडाल को बनाया है। ये पंडाल 350 कारीगरों और एक्सपर्ट ने 10 दिनों में दो शिफ्ट में काम करके तैयार किया है। इस पंडाल में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है। पंडाल में पहुंचने वाले श्रद्धालु

भीड़ के रूप में जमा ना हों, इसलिए एहतियातन सीसीटीवी कैमरों से पंडाल की निगरानी की जा रही है। राजिम कल्प कुंभ के उद्घाटन से पहले आयोजन स्थल का दौरा किया। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अधिकारी अयोध्या मंदिर पंडाल और संगम में लगाए गए फाउंटेन की जांच करते दिखे। पंडाल के अंदर सबसे बडी झांकी राम वन गमन पथ की है। इस झांकी में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण की बडी मूर्तियां लगी हैं। मूर्तियों के नीचे छत्तीसगढ़ राम वन गमन पथ का नक्शा बना हुआ है। नक्शे पर पटरी बिछी हुई है और उसके चारों तरफ लेजर को सेट किया गया है।

श्रद्धालु उद्घाटन के बाद जब इस पंडाल के अंदर पहुंचेंगे, तो भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ राम वन गमन पथ पर चलते हुए दिखाई देंगे। पंडाल के अंदर लोमस ऋषि के आश्रम की झांकी भी बनाई गई है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने लक्ष्मण और माता सीता ने यहां के लोमस ऋषि आश्रम में कुछ समय बिताया था। पंडाल के अंदर कुलेश्वर महादेव मंदिर स्थापना की झांकी भी बनाई गई है। इस झांकी में भगवान राम और सीता शिवलिंग की पूजा करते दिखाई दे रहे हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार कुलेश्वर महादेव शिवलिंग की स्थापना माता सीता ने की थी, जो दुनिया का पहला पंचमुखी शिवलिंग है। श्रीराम ने कुलेश्वर महादेव की पूजा अपने कुल देवता के रूप में की थी। यहां के भगवान श्री राजीव लोचन और कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर का अपना अलग ही इतिहास है जो लोगों की आस्था का केंद्र है।

राजिम कुंभ में बने अयोध्या मंदिर पंडाल में कौशल्या धाम की स्थापना की गई है। यहां पर चंदखुरी में लगी प्रतिमा से मिलती-जुलती प्रतिमा लगाई गई है। पंडाल के अंदर कौशल्या प्रतिमा से जुड़ी जानकारी भी लिखी हुई है। अयोध्या मंदिर पंडाल में राम-भरत मिलाप की झांकी भी लगी हुई है। वनवास के दौरान जब भरत भगवान श्रीराम को मनाने पहुंचे थे, उसी समय को झलकाती मूर्ति लगाई गई है। कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा परेशानी ना हो, इसलिए परिक्रमा पथ को और चौड़ा किया गया है।

कारोबारी ललितेश चौधरी के कई ठिकानों पर छापा

स्टेट जीएसटी की टीम ने दफ्तर-घर और गोदाम में दी दबिश, दस्तावेज खंगाल रहे अधिकारी

रायपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में शुक्रवार देर रात स्टेट जीएसटी की टीम ने छापेमार कार्रवाई की है। कारोबारी ललितेश चौधरी के छोटापारा स्थित दफ्तर, डूमरतराई स्थित गोदाम, करंसी टावर और शंकर नगर में बने जिम में अधिकारियों की टीम दस्तावेज खंगाल रही है। बताया जा रहा है कि, बड़े पैमाने पर कर चोरी के सबूत अधिकारियों को मिले हैं। जिसके बाद जीएसटी की टीम ने एक साथ कई ठिकानों पर दबिश दी है। बीजेपी सरकार लगातार ऐसे कारोबारी पर नकल कस रही है, जो राज्य के टैक्स में गड़बड़ी कर रहे है। फिलहाल अधिकारियों की टीम मामले की जांच जारी है। जांच के बाद स्टेट जीएसटी की तरफ से बड़े खुलासे

हो सकते हैं। वहीं, एक दिन पहले ही स्टेट जीएसटी ने 6 करोड़ से अधिक के कर चोरी के मामले का खुलासा किया था। छत्तीसगढ़ के कारोबारियों पर सरकार नकेल कस रही है। जीएसटी चोरी मामले में रायपुर में बड़ी कार्रवाई की गई है। राजधानी के तीन आयरन स्टील उत्पाद निर्माता की फैक्ट्रियों पर छापा मारकर 6.75 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी है। बताया जा रहा है कि इस मामले में अभी जांच चल रही है। आगे और भी खुलासे हो सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में मिला दुर्लभ प्रजाति का 'लौडांकिया' सांप

जहर कम, खूबसूरती अद्भुत, ओडिशा और असम के बाद बैलाडीला की पहाड़ियों पर दिखा

जगदलपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में बैलाडीला की पहाड़ियों पर दुर्लभ प्रजाति का एक सांप मिला है। इस सांप का नाम 'लौडांकिया' है। इससे पहले इंडिया में यह असम और ओडिशा में मिल चुका है। छत्तीसगढ़ में यह सांप पहली बार मिला है। वन विभाग और प्राणी संरक्षण कल्याण समिति ने इस सांप को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया है। अब इस सांप को लेकर शोध करने की तैयारी है। प्राणी संरक्षण कल्याण समिति के सदस्य अमित मिश्रा ने कहा कि बैलाडीला की पहाड़ी में एनएमडीसी के स्क्रीनिंग प्लांट में यह सांप मिला है। इसे वाइन स्नेक प्रजाति का बताया जा रहा है। पूरे भारत में वाइन स्नेक की करीब 7 से 8 प्रजातियां हैं, लेकिन दंतेवाड़ा में मिला सांप बहुत दुर्लभ है। जब इसका आकार और रंगरूप दूसरे वाइन स्नेक से मैच नहीं हुआ, तो

इसकी जांच के लिए तस्वीरें स्पेशलिस्ट के पास भेजी गईं। जांच में सांप की पहचान लौडांकिया वाइन स्नेक के रूप में हुई है। भारत में पहली बार ये साल 2019 में असम और ओडिशा में मिला था। जिसके बाद अब छत्तीसगढ़ में मिला है। इसकी जानकारी मिलते ही वन विभाग को इस नए प्रजाति के बारे में बताया गया। बैलाडीला की पहाड़ी में इनकी संख्या कितनी है और माइनिंग इलाके में ये सेफ हैं या नहीं, इस पर शोध किया जा रहा है। इस सांप की लंबाई करीब चार से साढ़े चार फीट की होती है। रंग हल्का भूरा होता है। इसकी पहचान इसके सिर से होती है, जो थोड़ा नुकीला होता है। अगर साइड एंगल से देखें, तो एक तीर के सामने वाले हिस्से की तरह होता है। इस सांप में जहर कम होता है। यह बेहद खूबसूरत और आकर्षक होता है। ये अमूमन पेड़ों पर पाए जाते हैं। छोटे कीड़े, छिपकली, बड्स एग इनके मुख्य आहार हैं। अगर ये किसी इंसान को काट ले, तो मौत का चांस कम होता है। अमित मिश्रा ने बताया कि प्राणी संरक्षण कल्याण समिति का गठन करीब 4 से 5 साल पहले हुआ था। इससे पहले वे अकेले ही सांपों का रेस्क्यू करते और जंगल में छोड़ते थे। उन्होंने बताया कि अब उनकी टीम में करीब 10 से 12 लोग हैं। जिले भर में अब तक करीब 15 से 20 हजार सांपों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया है। लगभग साल भर पहले बैलाडीला की पहाड़ी पर एक और दुर्लभ प्रजाति का सांप मिला था। इस सांप को 'एरो हेडेड ट्रिंकेट' के नाम से जाना जाता है।

जेएसएससी पेपर लीक मामले में भागलपुर, नवादा से गिरफ्तारी

दोनों ने इन्वेस्ट किए थे डेढ़ करोड़, अब तक 5 अरेस्ट, एसआईटी के हाथ अब भी खाली

रांची, 24 फरवरी (एजेंसियां)। जेएसएससी स्नातक स्तरीय परीक्षा पेपर लीक मामले में अब तक पांच गिरफ्तारी हो चुकी है। तीन गिरफ्तारी रांची से हुई है। वहीं दो गिरफ्तारी शुक्रवार को बिहार के भागलपुर और नवादा जिले से हुई है। भागलपुर से गिरफ्तार युवक का नाम राहुल पीयूष और नवादा से गिरफ्तार युवक का नाम अभिषेक राज है। अब एसआईटी पटना के राजीव कुमार की तलाश कर रही है।

गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में एसआईटी को पता चला है कि अभिषेक और राहुल ने पटना के राजीव कुमार के साथ मिलकर पेपर लीक करने के लिए डेढ़ करोड़ रुपए इन्वेस्ट किए थे। दोनों ने बैंक अकाउंट खोला। जिसमें उम्मीदवारों से लिए गए पैसे जमा कराए जा रहे थे। एसआईटी को अब राजीव की तलाश है। राजीव

ने ही पेपर लीक की साजिश रची थी। उसके साथ अभिषेक और राहुल भी शामिल था। पूछताछ के दौरान राहुल पीयूष और अभिषेक राज ने बताया कि राजीव ऐसे उम्मीदवारों की तलाश करता था, जो नौकरी के लिए मोटी रकम देने के लिए तैयार हो। लेकिन परीक्षा से पहले ही पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इससे उम्मीदवार सेट नहीं हो पाए और इन्हें पैसे नहीं मिले। जांच में यह भी पता चला कि अभिषेक ने ही पेपर की कॉपी जेएसएससी के ईमेल पर भेजा था। एसआईटी गठन के 15 दिन से अधिक हो जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली ही हैं। भागलपुर और नवादा से हुई गिरफ्तारी से पहले रांची से झारखंड विधानसभा के अवर सचिव और उनके दो बेटों की गिरफ्तारी हुई है। एसआईटी ने उनसे पूछताछ भी की है। उनके जब्त मोबाइल से भी कई चीजें सामनें आई हैं, लेकिन एसआईटी यह पता लगाने में अब भी अक्षम ही रहा है कि पेपर लीक किसने और कहां से किया है। इससे पहले एसआईटी चेन्नई जाकर भी परीक्षा लेने वाली एजेंसी से पूछताछ कर चुकी है। गिरफ्तारी के बाद झारखंड विधानसभा के अवर सचिव मोहम्मद शमीम और उनके दो बेटे शाहजाद और शाहनवाज के मोबाइल की फोरेंसिक जांच की गई।

नए नाम से जाना जाएगा अब छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

सरकारी कर्मियों के पेंशन-रिटायरमेंट के लिए 7 हजार करोड़ रुपए, 100 से ज्यादा पदों पर भर्ती

रायपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव अब नए नाम से जाना जाएगा। इसका नाम 'अमृतकाल-छत्तीसगढ़ विजन @2047' रखा जाएगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ 2047 तक कैसे विकासशील राज्य से विकसित राज्य बने, इसका विजन डाक्यूमेंट तैयार किया जाएगा। इस विजन डॉक्यूमेंट को छत्तीसगढ़ में राज्य स्थापना के दिन 1 नवंबर 2024 को जनता को समर्पित किया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश की बीजेपी सरकार ने मंत्री ओपी चौधरी और केदार कश्यप के विभागों के बजट मांग को पारित कर दिया है। इसमें मंत्री ओपी चौधरी के वित्त, आवास एवं पर्यावरण विभाग, योजना, आर्थिक और सांख्यिकी विभाग शामिल हैं। वहीं मंत्री केदार कश्यप के वन और जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, सहकारिता कौशल विकास विभाग शामिल हैं। आने वाले दिनों में इन दोनों मंत्रियों के विभागों में 100 से

ज्यादा सरकारी पदों पर भर्तियां की जाएंगी। दोनों के विभागों में नए पद सृजित किए जा रहे हैं। नए सेटअप के तहत युवाओं को नौकरी मिलेगी। नए अंदाज में राज्योत्सव करने, 20 लाख पौधे प्रदेश में लगाने, प्रदेश के सभी सरकारी कर्मचारियों के पेंशन और रिटायरमेंट फंड का बंदोबस्त किया गया है। मंत्री केदार कश्यप के विभागों के लिए 5,608 करोड़ 54 लाख 69 हजार रुपए की अनुदान मांगें विधानसभा से पारित कर दी गईं। वन विभाग को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि हमारी सरकार पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के साथ ही आदिवासी भाइयों की चिंता करते हुए उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए प्रयत्नशील है। प्रदेश में 'हरियर छत्तीसगढ़' योजना के तहत 2,431 हेक्टेयर क्षेत्र में 20 लाख से अधिक पौधे लगाने की योजना पर सरकार काम कर रही है। करीब 7 करोड़ के खर्च से सरकार नदी तट पर वृक्षारोपण योजना चलाएगी। नदियों के किनारे पेड़-पौधे रोपे जाएंगे। मवेशियों के लिए स्थायी चारागाह की व्यवस्था होगी। स्थानीय युवकों को राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं जैसे जंगल लॉजेस एंड रिजॉर्ट कर्नाटक, बॉम्बे नेचुरल, हिस्ट्री सोसायटी से नेचर गाइड के रूप में प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। मंत्री केदार कश्यप ने सदन में कहा कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईको टूरिज्म का चलन बढ़ा है। राज्य के नैसर्गिक पर्यटन केन्द्रों को विकसित करने के उद्देश्य से ईको टूरिज्म बोर्ड की स्थापना की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के तहत मानव-हाथी द्वंद्व को रोकने के लिए 'मिशन बी' योजना का विस्तार 7 जिलों में किया जाएगा।

देर रात पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

होटल, लॉज की हुई चेकिंग, ली गई पूरी जानकारी

जगदलपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। बस्तर पुलिस द्वारा देर रात अलग-अलग क्षेत्रों में कॉम्बिंग गस्त किया। इस दौरान होटल, लॉज में रुकने वाले यात्रियों के सामानों की जांच करने के साथ ही होटलों में रुकने वाले की पूरा जानकारी ली गई।

बताया जा रहा है कि बस्तर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु काम्बिंग गश्त लगातार किया जा रहा है, जिसके लिए जिला बस्तर के समस्त थानों /चौकियों के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा मध्यरात्रि से लेकर सुबह तक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा आपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करने की बात कहते हुए संपूर्ण जिला में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए समस्त एसडीओपी अधिकारियों व थाना प्रभारीगण के द्वारा पुलिस बल के साथ मध्य रात्रि में कॉम्बिंग गश्त की शुरुआत की गई।

जिला बस्तर के समस्त शहर के मुख्य इलाकों में गश्त किया गया तथा लॉज / होटल/ धर्मशाला/ सराय की बारीकी से चेकिंग की गई, साथ ही मोबाइल चेक पोस्ट के माध्यम से शहर में प्रवेश करने वाले समस्त वाहनों एवं सामानों का औचक निरीक्षण किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाना एवं आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराना है।

विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में पीएम बोले- हर घर को 'सूर्य घर' बनाना चाहते हैं

बालोद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। बालोद जिले के ग्राम करहीभदर में विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, यहां पर हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण भी किया गया इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी सत्ताधारी दल के नेता, जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि डबल इंजन की सरकार है और गांव गरीब किसान हर वर्ग के लिए सरकार जो कार्य कर रही है देश के प्रधानमंत्री को आज हमने आम जनता के साथ मिलकर सुना उन्होंने अपने भविष्य के सपनों को हम सब के बीच रखा है इस दौरान जरूरतमंद हितग्राहियों को मौके पर ही कीट प्रदान किया गया। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रावल ने कहा कि इस योजना को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला और यहां तक की जितने हितग्राही हैं उन्हें भी लाभान्वित किया गया और इस आयोजन को लेकर जितने भी हमारे विभाग हैं उनके स्टाल भी लगाए गए थे वहीं अंतागढ़ के पूर्व विधायक एवं विधानसभा के सह प्रभारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण गरीब, किसान, युवा और नारीशक्ति के सशक्तिकरण से होगा। विकसित छत्तीसगढ़ की नींव आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से मजबूत होगी। लगभग 35 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णकांत पवार ने कहा छत्तीसगढ़ में अब और नौकरी के रास्ते खुलेंगे। आज एनटीपीसी के 1600 मेगावोल्ट पावर प्लांट को राष्ट्र को समर्पित किया है। इस प्लांट से देशवासियों को बिजली उपलब्ध हो पाएगी मोदी जी के ये गारंटी है इसका लाभ हम सब को जरूर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर वर्चुअल माध्यम से बालोद वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि, मोदी हर घर को 'सूर्य घर' बनाना चाहता है। मोदी हर परिवार को घर में बिजली बनाकर, वही बिजली बेचकर कमाई का एक और साधन देना चाहता है। इसी उद्देश्य के साथ हमने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। कांग्रेस ने सरकारें बार-बार बनाईं लेकिन भविष्य का भारत बनाना भूल गई क्योंकि उनके मन में सरकार बनाना ही था, देश को आगे बढ़ाना उनका एजेंडा ही नहीं था। आज भी कांग्रेस की राजनीति की दशा और दिशा यही है।

कांग्रेस परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से आगे सोच ही नहीं पाती।

महादेव सट्टा ऐप, 3 दिन की हिरासत में नीतीश दीवान

रायपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महादेव सट्टा ऐप मामले में ईडी की हिरासत में चल रहे नीतीश दीवान को शनिवार को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया। जहां सुनवाई के बाद 3 दिन के लिए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 26 फरवरी को होगी। 13 लोगों को नोटिस जारी कर आज कोर्ट में हाजिर होने को कहा गया था, लेकिन आज ये सभी उपस्थित नहीं हुए हैं।

दरअसल, ईडी ने 17 फरवरी को सट्टा ऐप के पैनल ऑपरेटर नीतीश दीवान को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। जिसे जज ने 8 दिन की ईडी को रिमांड दी थी। विशेष न्यायधीश अजय सिंह राजपूत छुट्टी पर है। इसलिए उनकी अनुपस्थिति में इसकी सुनवाई न्यायाधीश वंदना दीपक देवांगन की कोर्ट में चल रही है।

इस मामले में आरोपी बनाए गए 13 लोगों को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा है। जिसमें महादेव ऐप प्रमुख सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल, विशाल आहूजा, धीरज आहूजा, पूनाराम वर्मा, शिवकुमार वर्मा, यशोदा वर्मा, पवन नत्थानी, रोहित गुलाटी, अनिल अग्रवाल, शुभम सोनी समेत दो अन्य लोग शामिल हैं।

वहीं, पीएमएलए 2002 के तहत की गई तलाशी के दौरान कुल चल संपत्ति 572.41 करोड़ रुपए जब्त किया गया है। दो अनंतिम कुर्की आदेश जारी किए गए हैं। जिनमें 142.86 करोड़ रुपए मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है।

125 यूनिट मुफ्त घरेलू बिजली की सौगात

7.43 लाख उपभोक्ताओं को फायदा मिलेगा

रांची, 24 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में तय किया गया कि अब घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त बिजली की सीमा 100 से बढ़ाकर 125 यूनिट करने को मंजूरी दे दी गई।

कैबिनेट सचिव अजॉय कुमार सिंह ने कहा कि इस फैसले से 7.43 लाख उपभोक्ताओं को फायदा होगा। सरकार के मुताबिक 21,72,331 उपभोक्ता 100 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ उठा

रहे हैं। नए फैसले के बाद मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 29,15,951 हो जाएगी। सीएम चंपई सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट में शुक्रवार को कुल 29 प्रस्तावों को मंजूरी दी। इसमें गिरिडीह और जमशेदपुर में डेयरी संयंत्र स्थापित करने का फैसला भी शामिल है। सरकार ने उचित मूल्य की दुकानों में सभी 2जी नेटवर्क-आधारित 27,000 ई-पीओएस (बिक्री बिंदु) मशीनों को 4जी उपकरणों से बदलने का अहम फैसला भी लिया है। सरकार के मुताबिक उपकरणों की खरीद के लिए 63.72 करोड़ रुपये और उनके वार्षिक रखरखाव के लिए 28.67 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

सट्टेरियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

दो लाख कैश जब्त, आरोपियों को भेजा जेल

मुंगेली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मुंगेली जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जुआ-सट्टा के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है, थाना मुंगेली पुलिस द्वारा मुखबिरों की सूचना पर यश पान ठेला के पास दबिश देकर सट्टा खेला रहे आरोपी नमन गुप्ता के कब्जे से राशि 35100/- रूपये जप्त एवं घुठेरा रोड दाउपारा में दबिश देकर सट्टा खेला रहे आरोपी इकबाल खान के कब्जे से राशि 7500/- रूपये जब्त किया गया। इस प्रकार दोनों आरोपियों के कब्जे से 200000/- रूपये का सट्टा-पट्टी एवं कुल 42600/- रूपये नकद जप्त कर आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। जुआ-सट्टा पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जायेगी।

ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन निर्माण को अंतरिम सरकार ने दी मंजूरी

नई सरकार के गठन से पहले लिया फैसला

इस्लामाबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की अंतरिम सरकार ने पड़ोसी देश ईरान के साथ गैस पाइपलाइन के निर्माण कार्य को मंजूरी दे दी है। नकदी की संकट से जूझ रहे देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतो को पूरा करने में मदद मिलेगी। कैबिनेट कमेटी ऑन एनर्जी द्वारा फरवरी के बाद नई सरकार के गठन से पहले ही मंजूरी दे दी गई है।

ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन के निर्माण को मंजूरी

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पाकिस्तान की अंतरिम सरकार ने ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। समिति ने पेट्रोलियम डिवीजन की एक सिफारिश पर काम करते हुए पहले चरण में पाकिस्तान-ईरान सीमा से शुरू होकर बलूचिस्तान प्रांत के बंदरगाह शहर ग्वादर तक परियोजना की शुरुआत का समर्थन किया है। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान के लोगों को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के

लिए परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक मंजूरी दी, जिससे देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके।

जुर्माने के डर से पाकिस्तान ने उठाया कदम

पाकिस्तान की इंटरस्टेट गैस सिस्टम्स (प्राइवेट) लिमिटेड इस परियोजना को लागू करने के लिए तैयार है, जिसे गैस इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सेस (जीआईडीसी) के जरिए वित्त पोषित किया जाएगा। बयान में पाकिस्तान की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और बेहतर गैस आपूर्ति के माध्यम से स्थानीय उद्योग में विश्वास पैदा करने के लिए परियोजना के महत्व पर जोर दिया गया। इस परियोजना से बलूचिस्तान प्रांत में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का अनुमान है, जिससे पाकिस्तान की समग्र आर्थिक प्रगति में योगदान मिलेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि परियोजना को समय पर पूरा करने में विफल रहने पर 18 अरब अमेरिकी डॉलर के संभावित जुर्माने के डर से पाकिस्तान को कई वर्षों की देरी के बाद काम शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते ठंडे बस्ते में थी परियोजना

अंतरराष्ट्रीय अदालतों में मुकदमेबाजी से बचने के उद्देश्य से ईरान ने सितंबर 2024 तक 180 दिन का विस्तार दिया है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि यदि पाइपलाइन परियोजना से संबंधित अपने अधिकारों की रक्षा के लिए ईरान द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाती है तो पाकिस्तान और ईरान के बीच राजनयिक संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं। इस परियोजना की शुरुआत में भारत-पाकिस्तान-ईरान गैस पाइपलाइन के रूप में कल्पना की गई थी, लेकिन बाद में भारत ने इसे छोड़ दिया और पाकिस्तान और ईरान के बीच एक द्विपक्षीय परियोजना बन गई। अमेरिका द्वारा ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण अब तक पाकिस्तान पाइपलाइन का निर्माण नहीं कर पा रहा था।

कोलंबिया में समुद्र से निकाला जाएगा 316 साल पुराना जहाज

करोलिना, 24 फरवरी (एजेंसियां)। कोलंबिया की सरकार अटलांटिक महासागर में 316 साल पहले डूबे एक जहाज का मलबा निकालने की तैयारी में है। शुक्रवार को इसकी घोषणा की गई। यह स्पेन का जहाज है। इसका नाम सैन होजे है। बताया जाता है कि इस जहाज के मलबे के साथ 1.66 लाख करोड़ रुपए मूल्य का करीब 200 टन खजाना भी दफन है। मलबा ऊपर लाने से पहले पानी के नीचे खोज (एक्सप्लोरेशन) शुरू की जाएगी। इसके लिए कोलंबियाई नौसेना के जहाज की निगरानी में रोबोट को समुद्र में भेजा जाएगा। यह जहाज की जानकारी जुटाएगा। मलबे का कुछ हिस्सा बाहर निकालेगा। फिर मलबे में हुए बदलाव की जांच की जाएगी। इससे तय होगा कि मलबे का कौनसा हिस्सा बाहर निकाला जाए। जहाज का मलबा समुद्र में 2 हजार फीट की गहराई पर है। इस रोबोट में कैमरे में भी लगे होंगे, जिससे जहाज से जुड़ा रिकॉर्ड इकट्ठा किया जा सके। वहीं रोबोट को सैटेलाइट से भी कनेक्ट किया जाएगा।

मरियम नवाज का पंजाब की पहली महिला मुख्यमंत्री बनना तय

पीटीआई के हंगामे के बीच विधायक पद की शपथ ली, पीएमएल-एन गठबंधन के पास 215 सीटें

इस्लामाबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने शुक्रवार को विधायक पद की शपथ ली। पाकिस्तानी मीडिया 'डॉन' के मुताबिक, पंजाब विधानसभा के स्पीकर सिब्तैन खान ने 313 विधायकों को शपथ दिलाई। इसमें पीएमएल-एन और उसके सहयोगी दलों के 215 विधायक और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) पार्टी में शामिल हुए इमरान समर्थित 98 उम्मीदवार शामिल थे। मरियम और अन्य विधायकों की शपथ के दौरान पूर्व पीएम इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की। मरियम पीएमएल-एन पार्टी से पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार हैं। पंजाब प्रांत में नवाज की पीएमएल-एन और सहयोगी दलों को कुल 371 में से 215 सीटें

मिली हैं। इसके साथ उन्हें बहुमत हासिल हो गया है। इस वजह से मरियम का मुख्यमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। देश के 4 प्रांतों में पंजाब पहली प्रांतीय विधानसभा है, जिसका उद्घाटन सत्र बुलाया गया। शुक्रवार को ये सत्र 10 बजे शुरू होने वाला था, हालांकि इसमें दो घंटे से ज्यादा की देरी हुई। फिर इसे नमाज के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद 2.30 बजे सत्र फिर शुरू हुआ और पंजाब विधानसभा के वर्तमान अध्यक्ष सिब्तैन खान ने निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई। पंजाब विधानसभा 371 सीटों के साथ पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्वाचित सदन है। इसमें 297 सामान्य सीटें और 74 आरक्षित सीटें हैं, जिनमें 66 महिलाओं के लिए और 8 अल्पसंख्यकों के लिए हैं। 8 फरवरी को 296 सामान्य सीटों के लिए चुनाव हुए थे, क्योंकि एक सीट पर एक उम्मीदवार की मृत्यु की वजह से मतदान स्थगित कर दिया गया था।

यूएस-यूके और यूरोपियन संघ ने रूस के खिलाफ लगाए नए प्रतिबंध

वाशिंगटन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को दो साल हो गए हैं। इस अवसर पर अमेरिका ने एक बार फिर रूस के खिलाफ सख्ती बरती है। अमेरिका ने रूस के खिलाफ 500 से अधिक नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका के साथ-साथ ब्रिटेन और यूरोपियन संघ ने भी रूस के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रतिबंध लगाते हुए कहा कि आज मैं यूक्रेन पर विजय के लिए चल रहे युद्ध और साहसी भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता एलेक्सी नवलनी की मौत के कारण रूस के खिलाफ 500 से अधिक नए प्रतिबंधों की घोषणा कर रहा हूं। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान के अनुसार, बाइडन ने कहा कि यह प्रतिबंध नवलनी के कारावास से जुड़े व्यक्तियों के साथ-साथ रूस के वित्तीय क्षेत्र, रक्षा औद्योगिक आधार और खरीद नेटवर्क सहित अन्य क्षेत्रों को प्रभावित करेंगी। बाइडन का कहना है कि वे सुनिश्चित करेंगे कि दुनिया भर में पुतिन को आक्रामकता के लिए और अधिक कीमत चुकानी पड़े। अमेरिका के साथ-साथ दुनिया भर के 50 देश रूस के खिलाफ यूक्रेन के साथ खड़े हैं। आक्रमकता के लिए हम रूस को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिडेन ने आगे कहा कि यूक्रेन के लोग बहादुर हैं। वे अपनी स्वतंत्रता और भविष्य की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। वे रूस के साथ लड़ते रहेंगे। नाटो मजबूत और अधिक एकजुट है। इसके अलावा, बाइडन ने अप्रत्यक्ष रूप से रूस मदद करने वाले 100 संस्थाओं पर नए निर्यात प्रतिबंध भी लगाए हैं। हम रूस के ऊर्जा राजस्व को और कम करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं। ब्रिटेन ने भी रूस के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए हैं। पाबंदी के नए पैकेज की घोषणा करते हुए ब्रिटेन ने कहा कि वह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शस्त्रागार और युद्ध को कम करने की कोशिश कर रहा है।

जाह्नवी कंडुला मौत मामला, भारत बोला-फैसले का रिव्यू करे अमेरिका

बाइडेन प्रशासन ने कहा था- आरोपी पुलिस अफसर को सजा नहीं होगी

वॉशिंगटन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारत का कहना है कि अमेरिका भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत के जिम्मेदार पुलिस अफसर को सजा नहीं दिए जाने वाले फैसले की समीक्षा करे। सिएटल स्थित भारतीय दूतावास (काउंसुलेट) ने कहा कि अमेरिका फैसले को रिव्यू करे। फिलहाल यह मामला सिएटल अटॉर्नी जनरल के पास भेजा गया है। हम जाह्नवी कंडुला और उनके परिवार को न्याय दिलाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हमें सिएटल पुलिस की पूरी जांच का इंतजार है। दरअसल, 22 फरवरी को अमेरिकी अथॉरिटीज ने कहा था- सिएटल में 23 साल की भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत के जिम्मेदार पुलिस अफसर केविन डेव पर केस नहीं चलेगा। उसे सजा नहीं मिलेगी। उनके खिलाफ सबूत नहीं मिले। 24 जनवरी 2023 को जाह्नवी कंडुला की पुलिस पैट्रोल कार से टक्कर

लगने पर मौत हो गई थी। गाड़ी पुलिस ऑफिसर केविन डेव चला रहे थे, इसलिए उन पर जाह्नवी की मौत को लेकर कार्रवाई हो रही थी। भारतीय दूतावास ने कहा- अमेरिकी प्रशासन ने जाह्नवी कंडुला की मौत को लेकर एक इंवेस्टिगेशन रिपोर्ट जारी की। इसमें छात्रा को टक्कर मारने वाले पुलिस अफसर को सज नहीं दिए जाने की बात सामने आई। हम छात्रा के परिवार को न्याय दिलाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हमने उचित समाधान के लिए सिएटल पुलिस समेत स्थानीय अधिकारियों के सामने इस मामले को रखा है। फिलहाल मामले को समीक्षा के लिए सिएटल सिटी अटॉर्नी के ऑफिस भेजा गया है। हम सिएटल पुलिस की एडमिनिस्ट्रेटिव इंवेस्टिगेशन पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं। हम लगातार इस मामले पर नजर रखे हुए हैं। केवन के साथ कार में डेनियल ऑडेरर नाम का पुलिस अफसर भी मौजूद था। उसने जाह्नवी की मौत का मजाक उड़ाया था।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ऑफिसरों की कार का एक वीडियो और ऑडियो सामने आया था। इसमें डेनियल कह रहा था कि भारतीय छात्रा की जिंदगी की लिमिटेड वैल्यू थी। एक चेक लिखने से काम बन जाएगा।

पुलिस ऑफिसर डेनियल जब छात्रा की मौत का मजाक उड़ा रहा था, तो उसका बॉडी-कैम यानी उसके शरीर पर लगा कैमरा ऑन था। इससे सारी बातें रिकॉर्ड हो गईं। वो अपनी कार में बैठकर ये कहता सुनाई दे रहा था कि लड़की एक्सीडेंट के बाद 40 फीट तक नहीं उछली, पर वो मर चुकी है। इसके बाद डेनियल ठहाके लगाकर हंसने लगा। फिर उसने कहा- वो एक रेगुलर इंसान थी। 11 हजार डॉलर (9 लाख) का चेक लिखने से काम बन जाएगा। पुलिस ऑफिसर फिर हंसते हुए कहता है कि वो सिर्फ 26 साल की थी। उसकी लिमिटेड वैल्यू थी। जाह्नवी की मौत जनवरी 2023 में हुई थी। सितंबर 2023 में सिएटल पुलिस ने उसकी मौत का मजाक उड़ाए जाने का खुलासा किया था। पुलिस ने कहा था- डिपार्टमेंट के किसी कर्मचारी ने रूटीन चेक के लिए बॉडी-कैम से रिकॉर्ड किए गए ऑडियो सुने। जाह्नवी पर किए कमेंट्स कर्मचारी को आपत्तिजनक लगे और उसने अपने सीनियर्स से इसकी शिकायत की।

पूर्व मंत्री सुएला ब्रेवरमैन बोलीं-चरमपंथ पर बोलना इस्लामोफोबिक नहीं

लंदन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन की पूर्व गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने दावा किया है कि ब्रिटेन अब अपनी पहचान खो रहा है। ब्रिटेन की पहचान विभिन्न धर्मों और नस्लों का साथ और शांतिपूर्वक तरीके से रहना है लेकिन अब ब्रिटेन में इस्लामी और चरमपंथी कब्जा कर रहे हैं। मैंने इस्लामिक तुष्टिकरण के खिलाफ बोला था, जिस वजह से मुझे कैबिनेट से निकाल दिया गया। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मुझे पद से बर्खास्त कर दिया। ब्रिटेन अब ऐसा समाज हो गया है, जहां अभिव्यक्ति और ब्रिटिश मूल्य कमजोर हो गए हैं। ब्रिटेन में अब इस्लामवादियों, चरमपंथी और यहूदी विरोधियों का कब्जा है और यह सच्चाई है। बता दें, ब्रेवरमैन ने यह सभी बातें एक अखबार में छपे लेख में की है। ब्रेवरमैन ने आगे कहा कि इस्लामिक चरमपंथियों का हमारी न्यायपालिका और कानूनी पेशे में भी प्रभाव है। हमारे विश्वविद्यालय में उनका प्रभाव भी। वे अब संसद तक पहुंच रहे हैं। जीवन के सभी क्षेत्रों में हमारे मूल्यों और स्वतंत्रता पर हमला हो रहा है। इस्लामिक चरमपंथ को चुनौती देना इस्लामोफोबिक नहीं है। यह नागरिक का कर्तव्य है। इस्लामिक चरमपंथ के खिलाफ बोलने के कारण एक बार मुझे हटा दिया गया लेकिन मैं आगे भी बोलती रहूंगी। हमें जागने की आवश्यकता है। हम सोए हुए हैं। ब्रिटिश मूल्य कमजोर हो रहे हैं। शरिया कानून, इस्लामवादी और यहूदी विरोधी समाज पर कब्जा कर रहे हैं। हमें इस डर से बाहर निकलना है कि हमे इस्लामोफोबिक कहा जाएगा।

ईरान ने फिर पाक में हमला किया

आतंकी संगठन जैश-अल-अदल के कमांडर को मार गिराया, 16 जनवरी को बलूचिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी

तेहरान, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान ने शुक्रवार देर रात पाकिस्तान में सुन्नी आतंकी संगठन 'जैश-अल-अदल' के ठिकानों पर हमला किया। इसमें एक कमांडर समेत कई आतंकी मारे गए।

ईरानी मीडिया 'ईरान इंटरनेशनल इंग्लिश' ने ईरान के सरकारी मीडिया के हवाले से अपनी रिपोर्ट में लिखा- ईरान की सेना ने पाकिस्तान की सीमा में जैश-अल-अदल कमांडर इस्माइल शाहबख्श समेत कई आतंकियों को मार गिराया है। हालांकि, हमला पाकिस्तान के किस शहर में किया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई।

ईरान ने इसी तरह के हमला 16 जनवरी को भी किया था। तब ईरानी सेना ने बलूचिस्तान में मिसाइलें और ड्रोन्स से अटैक किया था। अगले ही दिन जवाब में पाकिस्तान ने ईरान में 48 किमी अंदर की एयरस्ट्राइक की थी। 4

दिन बाद यानी 20 जनवरी को दोनों देश तनाव घटाने पर राजी हो गए थे। पाकिस्तान को 16 जनवरी को हुई ईरान की एयरस्ट्राइक के बारे में जानकारी दी गई थी। ईरान के लोकल मीडिया की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। रिपोर्ट में कहा गया- पाकिस्तानी सेना को ईरान की तरफ से 16 जनवरी को की गई एयरस्ट्राइक के बारे में पहले से सूचना दी गई थी। हालांकि, ईरान ने पाकिस्तान को यह नहीं बताया कि वो इस खबर को सार्वजनिक करेगा। लोकल ईरानी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े एक टेलिग्राम चैनल के हवाले से लिखा- पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमले के लिए पाकिस्तानी सरकार के सहयोग की जरूरत थी। ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हमला किया था। कहा था कि उसने पाकिस्तान में आतंकी संगठन जैश अल अदल के ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद ईरान के विदेश मंत्री अमीर अब्दोल्लाहियन ने पाकिस्तानी विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी से फोन पर बात की थी।

रूस-यूक्रेन जंग के दो साल में 65 लाख यूक्रेनी बेघर

3.92 लाख रूसी सैनिकों की मौत, अमेरिका ने 500 रशियन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए

कीव/न्यूयॉर्क, 24 फरवरी (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग को आज दो साल पूरे हो गए। 24 फरवरी 2022 में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। इसे मिलिट्री ऑपरेशन बताया। इस हमले में अब तक 40 लाख से ज्यादा यूक्रेनी नागरिकों को देश छोड़ना पड़ा। ये लोग अन्य देशों में रिफ्यूजी की तरह रह रहे हैं।

65 लाख से ज्यादा यूक्रेनी देश में ही बेघर हो गए हैं। यूक्रेन के 10 हजार आम नागरिकों की मौत हुई है, जबकि 18,500 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन का दावा है कि रूस 3.92 लाख सैनिक गंवा चुका है।

इस बीच, अमेरिका ने रूस की 500 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इधर, रूस ने भी यूरोपियन यूनियन (ईयू) की कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं।

यूक्रेन के 30 हजार से ज्यादा युवा लापता

यूक्रेन में 30 हजार से ज्यादा यूक्रेनी अभी भी लापता हैं। उनके परिजन को उनकी रिहाई का इंतजार है। रूसी कब्जे वाले यूक्रेनी शहर दोनेत्स्क में रहने वाली इरिना हमेशा फोन पर निगाह रखती हैं। करीब 19 महीने पहले दोनेत्स्क में रूस से लड़ रहे उसके 25 साल के बेटे व्लादिस्लाव से आखिरी बार बात हुई थी। वो कहती हैं- बेटे की खोज के लिए उन्होंने सभी कोशिशें कर लीं, लेकिन अभी तक उसकी कोई खबर नहीं मिली है।

मारियुपूल की एना उसेंको 2022 में जंग शुरू होने से पहले बिजनेस टूर के लिए घर से निकली थीं। उनके भाई हर्मन सिकोरस्की का कहना है कि मार्च 2022 के बाद एना से कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

अमेरिकी प्राइवेट स्पेसक्राफ्ट चांद की सतह पर तिरछा गिरा

साइंटिस्ट डेटा कलेक्ट करने की कोशिश कर रहे, कल हुई थी लैंडिंग

वॉशिंगटन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड होने वाला अमेरिकी प्राइवेट स्पेसक्राफ्ट चांद की सतह पर तिरछा गिरा है। यह जानकारी स्पेसक्राफ्ट को बनाने वाली ह्यूस्टन बेस्ड प्राइवेट कंपनी इंट्यूटिव मशीन्स ने शुक्रवार देर रात दी। इंट्यूटिव मशीन्स के लैंडर ओडिसियस को 15 फरवरी 2024 को लॉन्च किया गया था। 23 फरवरी को भारतीय समय के मुताबिक, 4 बजकर 53 मिनट पर इसकी चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंडिंग हुई थी।

कंपनी ने लैंडिंग को लेकर कहा था कि लैंडर ओडिसियस सही तरीके से लैंड हुआ, लेकिन शुक्रवार देर रात कंपनी के सीईओ स्टीव अल्टेमस ने कहा कि डेटा में गड़बड़ी की वजह से यह जानकारी मिली थी। लैंडिंग से पहले ओडिसियस के नेविगेशन सिस्टम में कुछ खराबी आई थी। इसके बावजूद लैंडिंग कराई गई। अब लैंडर तिरछा गिरा है। हमें लगता है कि यह चांद की सतह पर उतरते ही उलट गया। अल्टेमस ने कहा- लैंडर पर सूरज की किरणें पड़ रही हैं, लेकिन उसके एंटीना सतह से टकरा गए हैं। उन्हें नुकसान पहुंचने की आशंका है। ऐसे में किसी भी तरह का सिगन्ल पृथ्वी पर आने की संभावना कम है। हालांकि, साइंटिस्ट कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें डेटा और चांद की फोटो मिल सके। ओडिसियस मून मिशन का मकसद चांद पर मौजूद धूल की स्टडी करना है। दरअसल, अपोलो मिशन पूरा करके लौटे अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया था कि धूल की वजह से उनके इक्विपमेंट्स खराब हुए थे। इसलिए अब साइंटिस्ट समझाना चाहते हैं कि स्पेसक्राफ्ट के लैंड होने से उड़ने वाली धूल कैसे हवा में रहती है और फिर मून सरफेस पर बैठ जाती है। ब्रिटिश मीडिया बीबीसी के मुताबिक, लैंडर ओडिसियस जिस जगह पर लैंड हुआ है उसे मालापर्ट के नाम से जाना जाता है। यहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। ये एक खाई के करीब समतल यानी प्लेन जगह है। मालापर्ट 17वीं सदी के बेल्जियन एस्ट्रोनॉमर थे। साइंटिस्ट्स का मानना है कि यहां पानी मौजूद है, लेकिन वो बर्फ के रूप में है। यह इलाका उन जगहों की शॉर्टलिस्ट में है, जहां अमेरिकी स्पेस एजेंसी एनएएसए आर्टिमिस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने पर विचार कर रहा है।

वैसे तो ओडिसियस प्राइवेट मून मिशन है, लेकिन इसके पीछे अमेरिकी स्पेस एजेंसी एनएएसए का दिमाग है। मिशन में काम आने वाले 6 इंस्ट्रूमेंट्स एनएएसए ने ही तैयार किए हैं। इधर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेसक्राफ्ट की स्पीड लैंडिंग से पहले बढ़ी थी। इसलिए ओडिसियस ने मून का एक अतिरिक्त चक्कर लगाया था। एक चक्कर बढ़ने की वजह से लैंडिंग के समय में बदलाव हुआ।

भारतीय युद्धपोत ने अदन की खाड़ी में जहाज को बचाया

शिप पर हमले के बाद आग लगी, नौसैनिकों ने घायल क्रू सदस्य का इलाज किया

यरुशलम, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने एक बार फिर से अदन की खाड़ी में एक कॉमर्शियल जहाज को रेस्क्यू किया है। नेवी के मुताबिक पलाउ के फ्लैग वाले मर्चेंट वेसल इस्लैंडर पर किसी मिसाइल या ड्रोन से हमला हुआ था। इसके बाद जहाज में आग लग गई। इस दौरान जहाज के क्रू मेंबर्स में शामिल एक शख्स घायल हो गया। भारतीय नौसेना ने बताया कि घटना 22 फरवरी की है। जहाज पर हमले के बाद क्रू ने

उन्हें मदद के लिए सिग्नल भेजा। कुछ ही घंटों में भारत का युद्धपोत घटनास्थल पर पहुंच गया। नेवी के प्रवक्ता विवेक माधवाल ने बताया- जहाज के पास पहुंचते ही एक टीम ने वहां दूसरे विस्फोटकों के खतरे को देखते हुए छानबीन की। इस दौरान मेडिकल टीम ने घायल क्रू मेंबर का इलाज भी किया। नौसेना ने जहाज को सुरक्षित बताते हुए आगे की यात्रा के लिए रवाना कर दिया। इससे पहले 19 फरवरी को भी अदन की खाड़ी में भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन्स शिवालिक ने एक ईरानी जहाज की मदद की थी। इस जहाज में 18 पाकिस्तानी क्रू मेंबर्स सवार थे, जिन्हें भारतीय नौसैनिकों ने मेडिकल सर्विस और दवाइयां दी थीं। इजराइल-हमास जंग के बाद से लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों पर हूतियों और समुद्री लुटेरों के हमले बढ़ गए हैं। इसे देखते हुए भारतीय नौसेना ने अरब सागर में युद्धपोतों की तैनाती भी बढ़ा दी है। जनवरी में नौसेना ने कहा था- जहाजों को समुद्री लुटेरों और ड्रोन हमलों से बचाने के लिए सोमालिया के तट के पास, अरब सागर और अदन की खाड़ी में डिस्ट्रॉयर्स, फ्रिगेट्स और पेट्रोलिंग बोट समेत कुल 10 युद्धपोत तैनात किए गए हैं।

ब्रिटेन नहीं लौट पाएगी आईएसआईएस की जिहादी दुल्हन

कोर्ट में नागरिकता की याचिका खारिज, 15 साल की उम्र में सीरिया भागी थी शमीमा बेगम

लंदन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। 15 साल की उम्र में साल 2015 में ब्रिटेन से भागकर आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़ने वाली शमीमा बेगम की ब्रिटिश नागरिकता की अपील एक बार फिर से खारिज हो गई है। लंदन में जन्मी बांग्लादेशी मूल की शमीमा बेगम को सीरिया से वापस लौटने के लिए ब्रिटिश नागरिकता की जरूरत है। शुक्रवार को कोर्ट ऑफ अपील के जज डेम सू कार ने फैसला सुनाते हुए कहा- शमीमा भले ही दूसरों के बहकावे में आई हो, लेकिन सीरिया जाकर आईएसआईएस से जुड़ने के लिए

उन्होंने खुद सोच-समझकर फैसला किया था। इसके साथ ही शमीमा के ब्रिटेन वापस लौटने के सभी रास्ते अब बंद हो चुके हैं।

दरअसल, 2022 में ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने शमीमा को वापसी की इजाजत न देने का फैसला सुनाया था। फरवरी 2023 में शमीमा ने स्पेशल इमिग्रेशन अपील कमीशन में इस फैसले को चुनौती दी थी, जिसे वो हार गईं। इसके बाद शमीमा कोर्ट ऑफ अपील पहुंची, जहां शुक्रवार को जजों से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। शमीमा बेगम इस वक्त सीरिया के एक डिटेंशन कैंप में रह रही हैं। उनका तर्क है कि उन्होंने आज तक सीरिया जाने की वजह से सिर्फ एक ही कानून तोड़ा है। वो खुद कभी भी आईएसआईएस के किसी भी प्लानिंग या हमले का हिस्सा नहीं रहीं। दरअसल, 15 साल की उम्र में ब्रिटेन के बेथनल शहर में शमीमा की दोस्ती आईएसआईएस के एक आतंकी से हुई थी। उसने शमीमा को बताया था कि आईएसआईएस का मकसद पूरी दुनिया में इस्लामी सत्ता कायम करना है। आतंकी ने शमीमा से कहा था कि वो सीरिया में बेहतर मुस्लिम बन सकेगी। इसके बाद शमीमा अपने दो दोस्तों के साथ सीरिया पहुंच गई।

हारे हुए नेताओं को लोकसभा टिकट न देने की सलाह

मंडल अध्यक्ष ने सिखाया विधायक को सबक, अफसर ने दूर की 3 एमएलए की गलतफहमी

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। सत्ता वाली पार्टी से लेकर विपक्षी पार्टी तक लोकसभा चुनाव की टिकटों को लेकर मंथन का दौर चल रहा है। सत्ता वाली पार्टी में विचार परिवार यानी संघ का फीडबैक भी मायने रखता है।

कुछ पदाधिकारियों ने हाल ही यह राय दी है कि विधानसभा हारे हुए नेताओं को लोकसभा में मौका नहीं दिया जाए। इसके पीछे तर्क दिया कि इससे नए कार्यकर्ता आगे नहीं आ पाएंगे।

इस सलाह पर कितना अमल होगा, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, लेकिन इसे लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि विधानसभा हारे हुए कई नेता लोकसभा जीतते रहे हैं।

विधायक को मंडल अध्यक्ष ने सिखाया सबक

सत्ता वाली पार्टी में कैडर सिस्टम मजबूत होने के साथ ग्रासरूट लेवल तक संगठन के नियम कायदे भी चलते हैं। सत्ता वाली पार्टी के विधायक ने अपने दफ्तर पर ही संगठन से जुड़ी बैठक बुला ली। एक दो बार विधायक के दफ्तर पर ही संगठन से जुड़ी बैठकें होने लगीं। यह बात एक मंडल अध्यक्ष को नागवार गुजरी।

मंडल अध्यक्ष ने विधायक से दो टूक कह दिया कि संगठन के दफ्तर आइए, विधायक के दफ्तर में संगठन की बैठक नहीं होगी। मंडल अध्यक्ष ने यह भी तंज कसा कि आपने संगठन में काम नहीं किया, पहले आप संगठन की रीति नीति सीखिए।

विधायक ने मंडल अध्यक्ष की सलाह मानते हुए खुद के दफ्तर की जगह संगठन के दफ्तर पर ही बैठक करने में भलाई समझी। अब मंडल अध्यक्ष घूम-घूमकर विधायक को सबक सिखाने का पूरा वाकया सुना रहे हैं।

बड़े अफसर ने दूर की तीन विधायकों की खुशफहमी

पिछले दिनों सत्ता के सबसे बड़े दफ्तर में तीन विधायक राज का प्रैक्टिकल एहसास करने पहुंचे। तीनों विधायक जोश में थे। नई-नई सत्ता आई है, इसलिए बड़े अफसर के पास कामों की लिस्ट लिए पहुंचे। तीनों का बड़े अफसर ने बड़ा आदर किया तो हौसला और बढ़ गया, लेकिन उनकी यह खुशफहमी कुछ ही देर तक रही।

बड़े अफसर ने तीनों विधायकों को टरका दिया और स्टाफ के पास भेज दिया और वहां अपने कामों की लिस्ट देने को कहा। अब जो काम टॉप लेवल से ही हो सकते हैं, उनका स्टाफ क्या कर सकता है? बड़े अफसर ने टकराव की जगह कूटनीति से काम लिया। आदर सत्कार पूरा किया, लेकिन काम नहीं किया, मना भी खुद नहीं किया।

अंगद के पैर बन गए एक विभाग के अफसर

नई सत्ता आने के बाद अफसर और कर्मचारियों की अदला बदला पुरानी परंपरा है। इसी परंपरा के तहत सत्ता के सबसे बड़े दफ्तर से लेकर जिलों तक बड़े अफसर बदले जा चुके हैं।

सब विभागों में बदलाव हुए, लेकिन खजाने और नई तकनीक वाले महकमे के आधा दर्जन से ज्यादा अफसर जस के तस बने हुए हैं। एक अफसर को हटाने के लिए आदेश आए तो उन्हें विभाग के अंडर आने वाले एक कॉर्पोरेशन से हटाया, लेकिन विभाग नहीं बदला। खजाने वाले महकमे के अफसरों का जस का तस बने रहना चर्चा का मुद्दा बना हुआ है।

मंत्रियों पर फटकार का असर

पिछले दिनों प्रदेश के दौरे पर आए सत्ता वाली पार्टी के चाणक्य के दौरे की गूंज अब तक है। तीन मंत्रियों को फटकार पड़ने के बाद सभी नेता और मंत्री सजग हो गए हैं।

सबने लोकसभा चुनावों में दी हुई जिम्मेदारियों को संभाल लिया। लोकसभा कमेटियां, पन्ना प्रमुख, बूथ कमेटी से लेकर लोकसभा चुनाव कार्यालय खुलने तक के कामों पर फोकस कर लिया है।

हर कमेटी के जिम्मेदार लोगों के नाम और डेटाशीट तक अपने पास रख ली है। पता नहीं कब क्या पूछ ले और भरी बैठक में भद पिट जाए। सत्ता वाली पार्टी के चाणक्य ने जिस अंदाज में तीन मंत्रियों को लाइन लगाकर सवाल जवाब किए उसे लेकर पार्टी का एक खेमा भारी खुश है।

राज बदला, लेकिन रिवाज नहीं

प्रदेश में राज बदल गया लेकिन कई मामलों में रिवाज नहीं बदला। सत्ता वाली पार्टी के कई नेता बड़ी उम्मीद लगाए थे कि अब उनका ही डंका बजेगा, लेकिन सोचने से क्या होता है? ग्राउंड रियलिटी कुछ अलग ही होती है। पिछले दिनों कुछ नेताओं को रिवाज नहीं बदलने का एहसास भी हो गया।

नेताओं ने काम के सिलसिले में पहले प्रदेश के मुखिया को फोन लगाया। वहां से अच्छा रेस्पोंस मिला तो हौसला बढ़ा। जिन अफसरों से जुड़ा काम था, उन्हें फोन लगाया तो बार बार कोशिश के बावजूद बातचीत नहीं हो पाई। अब ये नेताजी वही बात दोहराते सुनाई दे रहे हैं जो आज के विपक्ष वाले सत्ता में रहते किया करते थे, मतलब सत्ता की चाल और रिवाज एक सा ही रहता है।

आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग के निशाने पर डोटासरा

पीसीसी चीफ के बयान ने मचाया बवाल

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर में कांग्रेस संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को उनका बयान भारी पड़ गया। इस बयान को लेकर आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग ने डोटासरा को निशाने पर लिया है। दरअसल आरएलडी चीफ जयंत चौधरी के एनडीए से हाथ मिलाने से प्रदेश में सियासी समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग भी कांग्रेस कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में भरतपुर के कार्यक्रम में डोटासरा के सुभाष गर्ग को लेकर दिए बयान ने खलबली मचा दी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस कार्यक्रम के दौरान कहा था कि पार्टी का मान-सम्मान करने वाला ही कांग्रेस में पद पाएगा। जिसे जाना है वो जाए, अब असली कांग्रेस की ही चलेगी। डॉ. सुभाष गर्ग को कांग्रेसियों ने विधायक बनाया है। वे कांग्रेस की बदौलत हैं, कांग्रेस उनकी बदौलत नहीं। यदि वे पांच साल कांग्रेस के लिए काम करेंगे तो हम उन्हें गले लगाएंगे, अन्यथा डॉ. गर्ग के लिए भी कांग्रेस के दरवाजे बंद हो सकते हैं। यहां कार्यकर्ता का सम्मान करने वाला ही सम्मान पाएगा।

डोटासरा के इस बयान पर डॉ. सुभाष गर्ग ने पीसीसी अध्यक्ष को ट्वीट करके लिखा है कि डो टा स रा जी पहले उन लोगों के खिलाफ तो एक्शन ले लीजिए, जिन्होंने पार्टी के खिलाफ काम किया और चुनाव लड़ा। गर्ग ने प्रदेश के चुनाव प्रभारी सुखिंदर सिंह को भी ट्वीट किया और कहा कि जरा इनको भी ज्ञान दो कि कम बोला करें।

ज्ञात रहे कि सुभाष गर्ग को गहलोत का करीबी माना जाता है। उन्होंने ही भरतपुर में आरएलडी के साथ गठबंधन करके सुभाष गर्ग को टिकट दिलवाया था। हालिया चुनाव में गर्ग दोबारा चुनाव जीते हैं लेकिन अब हालात कुछ और हैं प्रदेश में सरकार बदल गई है और आरएलडी ने भी एनडीए के साथ गठबंधन कर लिया है।

सांसद सीपी जोशी के प्रयास रंग लाया

चित्तौड़गढ़ को शीघ्र मिलेगी रिंग रोड की सौगात

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी के प्रयासों से शीघ्र ही चित्तौडगढ़ को रिंग रोड की सौगात मिलेगी। रिंग रोड की डीपीआर के लिए केन्द्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। रिंग रोड की स्वीकृति के लिए सीपी जोशी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने कहा कि इस रिंग रोड के निर्माण से चित्तौड़गढ़ जिले में नगरी (एनएच-27 चित्तौड़गढ़-कोटा राजमार्ग) से मेडी खेड़ा फाटक (एनएच-48 गुलाबपुरा-चित्तौड़गढ़ राजमार्ग) तक लगभग 10

किलोमीटर की सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। चित्तौड़गढ़ में बस्सी, बेगूं और गंगरार के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी, समय कम लगेगा और ईधन की भी बचत होगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी ने कहा कि भारी वाहनों के शहरी क्षेत्र में हो रहे आवागमन एवं लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव से क्षेत्रवासियों को निजात दिलाने व कोई गम्भीर दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से समय-समय पर मुलाकात की और पत्राचार के माध्यम से रिंग रोड निर्माण के लिए आग्रह किया। इसके परिणामस्वरूप शीघ्र ही चित्तौड़गढ़ को रिंग रोड की सौगात मिलेगी। सीपी जोशी ने कहा, भाजपा की मोदी सरकार में विकास के लिए धन की कमी नहीं है। उदयपुर बाइपास का काम पूरा हुआ, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। पिछले कार्यकाल में सिक्स लेन का प्रतापगढ़ बाइपास स्वीकृत करवाया, जिसका उद्घाटन नितिन गडकरी ने किया।चित्तौड़गढ़ से रतलाम का डबलिग का काम पूरा हुआ, चित्तौड़ से अजमेर का स्वीकृत हुआ। मावली से बड़ी सादड़ी का पूर्ण हुआ। बड़ी सादडी से नीमच तक स्वीकृत हुई काम शुरू हो गया। वहीं, मावली से मारवाड़ ट्रैक कार्य इस बजट में स्वीकृत हुआ। मंदसौर से प्रतापगढ़ और प्रतापगढ़ से गुजरात जाने का नया ट्रैक जो असंभव सा कार्य था, उस काम के लिए भी फाइनल सर्वे की स्वीकृति मिल चुकी है। लाइट और साउंड का काम स्वीकृत करवाने से आज चित्तौड़गढ़ का किला जगमगा रहा है।

विधायक ने उद्योग विभाग के जीएम को लगाई फटकार

लोगों की कम संख्या देखकर भड़के, कहा- खानापूर्ति से किसी का भला नहीं होने वाला

टोंक, 24 फरवरी (एजेंसियां)। टोंक के निवाई विधायक रामसहाय वर्मा ने लापरवाह अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है। सरकारी कार्यक्रम में लोगों और कर्मचारियों की कम मौजूदगी देकर भड़के विधायक ने ऐसे कार्यक्रमों में फोर्मेलिटी नहीं करने को भी कहा है। साथ ही कहा है कि आगे से कोई कार्यक्रम करें तो उसे धरातल पर जरूर उतारें। निवाई विधायक गुरूवार को जिला उद्योग और वाणिज्य केंद्र की ओर से कलेक्ट्रेट परिसर में बनास उद्योग व हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ करने पहुंचे थे। यहां कर्मचारियों और लोगों की बहुत ही कम संख्या देखकर वे गुस्सा हो गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक ने समारोह में ही उद्योग विभाग के महाप्रबंधक सुल्तान सिंह

मीणा को जमकर फटकार लगाई।

इस दौरान मंच से ही संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपको बुरा लगे तो मुझे क्षमा करना, लेकिन आगे से कोई कार्यक्रम करें तो धरातल पर उतारें। विधायक ने सभी लापरवाह अधिकारियों को फोर्मेलिटी नहीं करने के भी निर्देश दिए। और कहा कि खानापूर्ति करने से किसी का भला नहीं होने वाला।

विधायक वर्मा ने कहा कि पीएम मोदी का सपना है कि देश के लोग आत्मनिर्भर बने है। चूंकि हर व्यक्ति सरकारी नौकरी नहीं लग सकता है। इसलिए लोगों के हुनर को रोजगार के रुप में ढालने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही है। लेकिन सरकार के ऐसे कार्यक्रम में ना तो लोगों की भागीदारी है और ना स्टॉल पर कार्मिक नजर आ रहे है। स्टॉल सुनी पड़ी हुई है, यहां फॉर्मेलिटी हो रही है। एमएलए ने कहा कि किसी को पता ही नहीं है कि यहां उद्योग मेला लगा हुआ है। आगे से अधिकारियों को फॉर्मेलिटी नहीं करने के दिए निर्देश। विधायक ने कहा कि खानापूर्ति करने से किसी का भला होने वाला नहीं है। विधायक उद्योग विभाग के जीएमा से कहा कि आपकी अच्छे अधिकारियों में गिनती आती है, लेकिन ऐसे हालात क्यो बन रहे है। उद्योग विभाग के अधिकारियों को प्रदर्शनी का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। सरकार और हम आपके साथ है।

उन्होंने कहा कि आपको बुरा लगे तो मुझे क्षमा करना, लेकिन आगे से कोई कार्यक्रम करें तो धरातल पर उतारें। उद्योग विभाग की उदासीनता से टोंक से टेंनरीज़ फैक्ट्री अन्य जगह चली गई। उन्होंने लोगों की संख्या में कम देखकर नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार के निर्देश के कार्यक्रम हो तो रहे है, लेकिन जो हालात है वो दिखाई दे रहे है, वो ठीक नहीं है।

कोटा में तीन शिक्षकों पर धर्मांतरण का आरोप

दो निलंबित और एक एपीओ, मंत्री दिलावर ने कही ये बात

कोटा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा में कनवास इलाके के खजूरी ओदपुर गांव के सरकारी स्कूल के तीन शिक्षकों पर ग्रामीणों की ओर से विद्यार्थियों को जबरन नमाज पढ़ाने सहित कई अन्य आरोप लगाए जाने के बाद शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। तीन शिक्षकों में से दो को निलंबित कर दिया गया है। महिला शिक्षिका पर भी कार्रवाई की जा रही है। यह आदेश गुरुवार रात को जारी किया गया है।

दरअसल, सांगोद-कनवास के ग्रामीणों ने इस मामले में 20 फरवरी को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को ज्ञापन दिया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि सांगोद थाना क्षेत्र के खजूरी ओदपुर गांव के राजकीय विद्यालय में महिला शिक्षिका सहित तीन शिक्षकों की

तरफ से दबाव बनाकर विद्यार्थियों से जिहादी गतिविधियां करवाई जा रही हैं।

यह भी आरोप लगाया गया था कि शिक्षक शबाना, फिरोज और मिर्जा मुजाहिद स्कूल में बच्चों पर जबरन दबाव बनाकर नमाज पढ़वाते हैं। विद्यार्थियों के ऐसा करने से मना करने पर उनका भविष्य खराब करने की धमकी दी जाती है। इन शिक्षकों पर प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा होने का आरोप भी लगाया गया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने प्राथमिक रूप से कार्रवाई करते हुए फिरोज खान और मिर्जा मुजाहिद को निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। वहीं, शिक्षिका शबाना को फिलहाल इस कार्रवाई से अलग रखा गया है।

शिक्षा मंत्री ने यह कहा...

इस मसले पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि स्कूल में धर्मांतरण, एक छात्रा के धर्म को बदलकर लिखने और स्टूडेंट्स को जबरन नमाज पढ़वाने की शिकायत मिली थी। मामले में दो टीचरों को निलंबित कर दिया है। एक महिला टीचर पर भी कार्रवाई की जा रही है। तीनों को बीकानेर मुख्यालय उपस्थिति के निर्देश जारी कर दिए हैं।

38-छात्राओं ने एचओडी पर सेक्सुअल-हैरसमेंट के आरोप लगाए

घर और डांस फ्लोर पर बुलाने की चैट भी वायरल; आरोपी प्रोफेसर सस्पेंड

जोधपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर की प्रतिष्ठित मगनीराम बांगड़ मेमोरियल इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी में आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट के एचओडी प्रो. पुल्किट गुप्ता पर एक के बाद एक 38 छात्राओं ने कुलपति के पास पहुंचकर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। इन शिकायतों के बाद कुलपति अजय कुमार शर्मा ने गुप्ता को सस्पेंड कर दिया है। इस घटनाक्रम के बीच यूनिवर्सिटी की पुरानी छात्राओं के साथ एचओडी की एक कथित चैट भी वायरल हो रही है। छात्राओं ने कुलपति को शिकायत में कहा कि एचओडी ने हम पर न सिर्फ एक इवेंट में काम करने का दबाव बनाया, बल्कि कहना न मानने पर बुरा करने की धमकी भी दी गई।

गौरतलब है कि पांच दिन पहले यूनिवर्सिटी की एक छात्रा ने प्रो. गुप्ता पर छेड़छाड़ और सेक्सुअल हैरसमेंट का आरोप लगाते हुए एक चिट्ठी लिखी थी। इस मामले का खुलासा होने के बाद यूनिवर्सिटी ने जांच कमेटी बना दी थी, लेकिन कमेटी रिपोर्ट नहीं दे पाई तो 38 छात्राएं कुलपति के पास पहुंच गईं। करीब 4 घंटे तक उन्होंने प्रो. गुप्ता के खिलाफ बयान दर्ज करवाए। इधर, आरोपी एचओडी का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह इस मामले में स्टूडेंट्स से बहस करता दिख रहा है।

एचओडी के खिलाफ 2015 बैच की छात्राएं भी शिकायत कर रही हैं। इसको लेकर एक चैट भी वायरल हो रहा है। जिसमें दावा किया जा रहा है कि यह एचओडी और छात्रा के बीच की बातचीत है। इस चैट में युवती को घर पर बुलाने, डांस फ्लोर पर आकर डांस करने सहित अभ्रद्र भाषा में मैसेज भी भेजे गए हैं। स्टूडेंट ने नाम नहीं लिखने की शर्त पर बताया कि एचओडी के खिलाफ फेल होने के डर से कोई शिकायत नहीं कर रहा था, जबकि पिछले कई वर्षों से प्रोफेसर का व्यवहार छात्राओं के साथ अच्छा नहीं है।

शिकायत लेकर छात्राएं जब कुलपति के पास कमेटी से मिलने पहुंची तब भी प्रोफेसर बाहर बैठकर स्टूडेंट को धमकाने लगा। इस दौरान कुछ छात्रों से उसकी बहस भी हुई।

शिकायत करने पर सेमेस्टर बैक का डर

यूनिवर्सिटी में आई छात्र-छात्राओं ने कुलपति को दी शिकायत में इस बात का डर भी जताया कि प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत करने पर सेमेस्टर बैक कर दिया जाता है, इसलिए इस बार ऐसा नहीं हो, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। हालांकि इस मुद्दे पर छात्राएं कुछ भी बोलने से इनकार कर रही हैं।

प्रो. पुल्किट गुप्ता पर छात्राओं ने जबरन पैसे वसूलने का आरोप भी लगाया है। छात्राओं ने बताया कि गुप्ता ने स्टूडेंट्स एक इवेंट के लिए 700-700 रुपए वसूले थे, जबकि उस इवेंट के लिए यूनिवर्सिटी ने अलग से फंड जारी किया था। कुलपति अजय कुमार शर्मा ने बताया कि पैसे मांगने के मामले को लेकर भी कमेटी बनाई गई है, जिसमें प्रो. एसके सिंह की अध्यक्षता में कमेटी जांच कर रही है। वहीं सेक्सुअल हैरसमेंट के आरोपों पर भी एक कमेटी जांच कर रही है। जिसकी अंतरिम रिपोर्ट मिलने के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। यदि शिकायत में सत्यता पाई जाती है तो आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. पुल्किट गुप्ता की एमबीएम यूनिवर्सिटी में 1998 में गेस्ट फैकल्टी के तौर पर नियुक्ति हुई थी। साल 2008 में उसे परमानेंट किया गया था। पुल्किट गुप्ता का विवादों से पुराना नाता रहा है। करीब 4 साल पहले उसने उम्मेद क्लब के ग्रुप में उसने 7-8 अश्लील वीडियो डाल दिए थे। इसको लेकर ग्रुप के मेंबर की ओर से उदय मंदिर थाने में मामला भी दर्ज कराया गया था। करीब 7 साल पहले आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट की एक शिक्षिका ने पुल्किट गुप्ता पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए थे। 2015 बैच की छात्राओं का भी एक चैट शेयर हो रहा है, जिसमें गलत व्यवहार और अश्लील भाषा में बात करने के आरोप लगाए गए हैं।

गैंगरेप-हत्या के दोषी भाई को उम्र कैद की सज़ा

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर जिले की पोक्सो कोर्ट ने 10साल की नाबालिग मानसिक दिव्यांग पीड़िता के साथ गैंगरेप और उसके बाद उसकी हत्या करने के मामलें में सगे भाई समेत 4 लोगों को जीवनभर के लिए जेल में रहने की सज़ा दी हैं। जज संदीप शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि यह बहुत घृणित कृत्य हैं। इस मामले में एक भाई ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया हैं। लेकिन सभी अपराधी 20 साल से कम उम्र के हैं। ऐसे में इन्हें फांसी की सज़ा नहीं दी जा रही है। लेकिन यह अपनी अंतिम सांस तक जेल में रहेंगे।

मामले में स्पेशल पीपी विजया पारीक ने बताया कि जयपुर जिले के मनोहरपुर थाने में पीड़िता के पिता ने 18 मई 2020 को मामला दर्ज कराया था कि उसकी 10 साल की बेटी जो कि मानसिक दिव्यांग हैं, वह बोल नहीं पाती हैं। वह कल से अपने घर से लापता हैं।

कैशियर को 3 गोलियां लगीं, लेकिन नहीं लुटने दिया बैंक

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर के एक बैंक में हुई लूट की कोशिश को वहां के कैशियर की हिम्मत ने फेल कर दिया। लुटेरों ने कैशियर को तीन गोली मारी, लेकिन उसकी हिम्मत के आगे आरोपी बेबस हो गए।

हालांकि, बैंक कैशियर इसमें बुरी तरह घायल हो गया और उसकी एक किडनी डैमेज हो गई। इलाज के दौरान उसकी किडनी निकालनी पड़ी है। फिलहाल उनका इलाज जयपुर के एक प्रावेइट हॉस्पिटल में किया जा रहा है। झोटवाड़ा की पंजाब नेशनल बैंक में घुसे 2 नकाबपोशों ने बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इसके बाद उन्होंने बैंक के स्ट्रॉन्ग रूम को लूटने की कोशिश की, लेकिन तभी बैंक कैशियर नरेंद्र सिंह शेखावत ने हिम्मत दिखाते हुए एक बदमाश को पकड़ लिया। वहीं, दूसरा बदमाश भाग निकला। हालांकि, उसे करीब ढाई घंटे के बाद पुलिस ने दबोच लिया। दोनों लुटरे मौसेरे भाई हैं।

एडिशनल कमिश्नर (फर्स्ट) कैलाश चन्द बिश्नोई ने बताया कि झुंझुनूं निवासी नरेन्द्र सिंह शेखावत (44) ने बताया कि वह गणेश नगर विस्तार करधनी में परिवार के साथ रहते हैं। पिछले करीब 3 साल से हेड कैशियर हैं।

बैंक ओपन होने के 10 मिनट बाद करीब 9.40 बजे हाथों में दस्ताने और मुंह पर मास्क लगाए दो लड़के आए। बैंक का माहौल देखने के लिए एक बदमाश अंदर चला गया।

घर में लगी आग में जिंदा जला मासूम

उदयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर जिले में एक कच्चे घर में लगी आग से दो साल का बच्चा जिंदा जल गया। उसका पांच साल का भाई भी बुरी तरह झुलस गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। एक मासूम के साथ घर में रखा सामान भी पूरी जलकर राख हो गया। आग की लपटों के बीच बच्चे का जला हुआ शव देखकर हर किसी का कलेजा कांप गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने झुलसे हुए बच्चे को अस्पताल पहुंचाया, वहीं मृतक बच्चे का शव पीएम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। आज पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

गलत खून चढ़ाने से युवक की मौत के मामले में तीन डॉक्टर एपीओ, एक नर्सिंग ऑफिसर निलंबित

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के सबसे बड़े कहे जाने वाले सरकारी अस्पताल एसएमएस में इलाज के लिए भर्ती युवक को गलत ब्लड चढ़ा देने से उसकी दोनों किडनियां फेल हो गईं, जिसके कारण युवक ने दम तोड़ दिया था। युवक सचिन की इस तरह मौत ने अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएमएस मेडिकल कॉलेज द्वारा जांच के लिए एक समिति गठित की गई थी।

समिति की रिपोर्ट सामने आने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने अस्थि रोग विभाग के सह आचार्य डॉ. एस.के. गोयल, रेजिडेंट डॉक्टर ऋषभ चालना और डॉ. दौलत राम और नर्सिंग ऑफिसर अशोक कुमार वर्मा को मामले में दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया है।

आईएमडी ने की तेलंगाना में बारिश की भविष्यवाणी

हैदराबाद, 24 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। पिछले हफ्ते भीषण गर्मी के बाद, हैदराबाद और तेलंगाना के कुछ हिस्सों के निवासियों को राहत मिलती दिख रही है क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले तीन दिनों में छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की है।

हैदराबाद के लिए आईएमडी के क्षेत्र-वार पूर्वानुमान के अनुसार, शहर में अगले तीन दिनों तक आम तौर पर बादल छाए रहेंगे, सुबह के समय धुंध या धुंध के साथ छिटपुट और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना हो सकती है।

शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। अगले तीन दिनों में दो डिग्री सेल्सियस की कमी का अनुमान है।

इस बीच, आईएमडी ने कोमुरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, विकाराबाद और संगारेड्डी सहित तेलंगाना के कई जिलों में बिजली गिरने के साथ छिटपुट तूफान की चेतावनी जारी की है। इन इलाकों के लिए अगले तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार, इस मौसम की घटना को पूर्वी हवाओं के अभिसरण और बंगाल की खाड़ी से नमी खींचने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, जिसके परिणामस्वरूप तूफान आया।

आईएमडी के मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है, तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। छिटपुट वर्षा की इस अवधि के बाद, राज्य में ज्यादातर शुष्क मौसम बने रहने का अनुमान है।

मतदाता मसौदा सूची जारी

हनुमाकोंडा, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी मतदाताओं की मसौदा सूची शनिवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर महेंद्र ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जारी की। हनुमाकोंडा जिला समाहरणालय में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई और मतदाताओं की मसौदा सूची और सीडी संबंधित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सौंप दी गई। इस बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर महेंद्र ने कहा कि संयुक्त वारंगल, खम्मम और नलगोंडा स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं की मसौदा सूची मंडल तहसील कार्यालय, आरडीओ कार्यालय और संबंधित मतदान केंद्रों पर प्रदर्शित की गई है। एमएलसी मतदाता सूची में यदि कोई आपत्ति हो तो उसे आज से 14 मार्च तक संबंधित ईईआरओ को सौंप दिया जाए। 29 मार्च तक आपत्तियों पर विचार किया जाएगा और 4 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि हनुमाकोंडा जिले के 11 मंडलों में 99 मतदान केंद्रों की पहचान की गई है, इसी तरह अब तक 39 हजार 167 स्नातकों ने मतदान के लिए पंजीकरण कराया है। इस बैठक में चुनाव विभाग के अधीक्षक प्रसाद राव, नायब तहसीलदार रामकृष्ण, वरिष्ठ सहायक अन्वेष सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, नेहल, रजनीकांत, मणि, लक्ष्मण, जयपाल रेड्डी आदि ने भाग लिया।

"मतदान का अधिकार" जागृति अभियान

आसिफाबाद 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता): आगामी संसद चुनावों की पृष्ठभूमि में, तेलंगाना सांस्कृतिक सारधि कलाजता टीम के सदस्य जिला चुनाव अधिकारी और जिला कलेक्टर के आदेशों के अनुसार जिले भर में व्यापक जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

जिले के सिरपुर (टी) मंडल केंद्र में शनिवार को नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदान की आवश्यकता और मतदान के अधिकार के प्रयोग को लेकर प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस अवसर पर मतदान के अधिकार की विशिष्टता पर गीतों के माध्यम से बताई गई। यह प्रचार किया गया कि संविधान द्वारा लोगों को प्रदान किया गया सबसे बड़ा हथियार, देश के विकास के लिए प्रभावी नेतृत्व को चुना जा सकता है और दूरदराज के क्षेत्रों में योग्य लाभार्थियों तक विकास और कल्याण प्रदान किया जा सकता है और देश को सबसे आगे रखा जा सकता है। इस मौके पर तेलंगाना के सांस्कृतिक नेताओं द्वारा गाए गए गीतों ने सभी को प्रभावित किया। इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास विभाग एचआर प्रबंधक मल्लेश, मंडल परिषद विकास अधिकारी पी सत्यनारायण, तहसीलदार श्रीनिवास, मंडल पंचायत अधिकारी दुर्गैया, सहायक पंचायत अधिकारी राममोहन, प्रभारी एमपीओ कृष्णमूर्ति और अन्य उपस्थित थे।

चुनाव में सभी को मतदान के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए : सुरेंद्र

आसिफाबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वीप नोडल अधिकारी एवं जिला ग्राम्य विकास अधिकारी सुरेंद्र ने बताया कि जिन सभी का विवरण मतदाता सूची में दर्ज है। उन सभी को मतदान अधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

शनिवार को जिले के रेबेना मंडल में गंगापुर श्री बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी जातरा में तेलंगाना के सांस्कृतिक प्रमुख कलाकारों ने कलाजटा प्रदर्शन कार्यक्रम में भाग लेकर सभी लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर स्वीप नोडल अधिकारी एवं जिला ग्राम्य विकास अधिकारी ने कहा कि आगामी संसदीय चुनाव में जिले के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को स्वेच्छा से अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। चुनाव के दौरान निर्भीक एवं निष्पक्ष होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें तथा बिना किसी प्रलोभन के प्रभावी नेतृत्व चुनें।

इस अवसर पर मेले में तेलंगाना सांस्कृतिक प्रमुख कलाकारों की कलाजता प्रस्तुति ने सभी को प्रभावित किया। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों, तेलंगाना के सांस्कृतिक नेताओं और अन्य कलाकारों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

मोदी ने सबसे ...

खास बात यह है कि 2019 में इसकी आधारशिला भी पीएम मोदी ने ही रखी थी। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) का भी उद्घाटन किया। मोदी ने जम्मू में करीब 32 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। वहीं, प्रधानमंत्री ने जम्मू एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन और 'कॉमन यूजर फैसिलिटी' पेट्रोलियम डिपो की आधारशिला भी रखी। मोदी ने कहा कि पहले जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद, अलगाववाद की आवाजें उठती थीं, अब यहां हर सेक्टर में विकास हो रहा है। राज्य में अब 12 मेडिकल कॉलेज हैं। घाटी ट्रेन से जुड़ चुकी है। जम्मू-कश्मीर देश का ऐसा राज्य है, जहां दो एम्स बन रहे हैं।

कांग्रेस होती तो ...

विकसित छत्तीसगढ़ की नींव मजबूत होगी। इसलिए यहां के विकास से जुड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण हुआ है।

पीएम मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं से छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। एनटीपीसी के 16 सौ मेगावॉट के सुपर थर्मल स्टेशन को राष्ट्र को समर्पित किया है। इस आधुनिक प्लांट के 16 सौ मेगावॉट के फेज-टू का शिलान्यास भी हुआ है। इनके जरिए देशवासियों को कम लागत में बिजली मिलेगी। हम छत्तीसगढ़ को सौर ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनाना चाहते हैं। राजनांदगांव और भिलाई में बड़े सोलर प्लांट्स का लोकार्पण किया गया है। इनमें ऐसी व्यवस्था भी है कि रात में भी आसपास के लोगों को बिजली मिलती रहेगी। सरकार का लक्ष्य सोलर पावर से देश के लोगों को बिजली देने के साथ ही बिजली बिल जीरो करने का भी है।

हमें मोहब्बत की ...

आपको समझना होगा कि नफरत से नफरत नहीं कट सकती है। आप सब यहां हैं, मैं दिल से आपका धन्यवाद करता हूं। प्रियंका गांधी ने कहा, हम न्याय यात्रा पर निकले हैं। यह न्याय शब्द क्यों जोड़ा है, क्योंकि देश के नौजवानों के साथ अन्याय हो रहा है। आज देश की महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है। आप मेहनत करते हैं, आपके पेपर लीक होते हैं। आप मेहनत करते हैं, आपको नौकरी नहीं मिलती है। आप महंगाई का सामना करते हैं। किसानों के कर्ज माफ नहीं होते हैं।

चुनौतियों का सामना ...

यह परंपरा से हटकर कदम था। लेकिन यह वक्त की जरूरत था। शुरूआत में इसमें थोड़ा दिक्कतें थीं। लेकिन आज हमारी सेना बेहतर समन्वय के साथ मिलकर हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा, कम समय में हथियारों के आयात पर प्रतिबंध लगाना मुश्किल है। लेकिन चुनौती धीरे-धीरे अवसर में बदल रही है। भारत दुनिया के रक्षा औद्योगिक परिदृश्य में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, आज हमारी सेना उन हथियारों और प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रही है, जिनका निर्माण हमारी अपनी धरती पर किया गया है। रक्षा मंत्री ने कहा, कोई भी सेना बाहर से आयातित उपकरणों से अपने देश की रक्षा नहीं कर सकती है।

प्रमोद कुमार केडिया को अग्रवाल शिक्षा समिति का अध्यक्ष चुना गया

हैदारबाद, 24 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल शिक्षा समिति के ट्रस्टी और कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव निर्विरोध रूप से संपन्न हुआ। शनिवार को कार्यकारिणी की पहली बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से प्रमोद कुमार केडिया को अग्रवाल शिक्षा समिति का अध्यक्ष चुना गया।

अपने निर्वाचन को सविनय स्वीकार करते हुए प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि समिति की गतिविधियों को नए आयाम दिए जाएंगे। सभा ने कार्यकारिणी बैठक में मुकुंद लाल अग्रवाल ने समिति के अध्यक्ष पद के लिए प्रमोद कुमार केडिया के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका अनुमोदन डॉक्टर ओमप्रकाश अग्रवाल एवं मोहन अग्रवाल ने किया।

कार्यकारिणी की बैठक के पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमान प्रमोद कुमार केडिया और सभी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्य सीए नवीन कुमार अग्रवाल, मनीष कुमार अग्रवाल, शेष कुमार गोयल, बद्री विशाल बसल, महेश कुमार अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, रितेश कुमार अग्रवाल का समिति की ओर से एकेडमिक निर्देशिका डॉ सरोज जैन, सह निदेशक एकेडमिक डॉ राजेश अग्रवाल और समिति द्वारा संचालित संस्थाओं के प्राचार्य गणों ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस सभा में श्रीमान मोहन अग्रवाल, रविंद्र कुमार अग्रवाल, डॉ ओम प्रकाश अग्रवाल, डॉ महेश कुमार केडिया, राजेश कुमार नरेड़ी, राजेश कुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल उपस्थित थे ।

सॉलिटेर स्कूल में वाणिज्य कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 24 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। सॉलीटेर बिजनेस स्कूल अमीरपेट में वाणिज्यिक विभाग के द्वारा 'भारत में टैक्स योजना' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अतिथि व्याख्याता अविनाश कालेज कामर्स की एसोसिएट प्रोफेसर करीमा शेख़ ने टैक्सेशन पर भारत में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रणाली पर विस्तार से अपनी प्रस्तुति दी। अवसर पर सॉलीटेर बिजनेस स्कूल की प्राचार्या चंद्रकांता अवस्थी ने परिचय दिया। इस कार्यक्रम और कार्यशाला के लिए वरिष्ठ प्राध्यापिका सुधा, श्रीमती अफरीन, श्रीमती रिब्बा के साथ मालविका आदि ने सहयोग दिया।

पर्यावरण के लिए भक्तों को शिक्षित कर रहे हैं : जी माधव रेड्डी

वारंगल, 24 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। जातरा स्वच्छता के विशेष अधिकारी जी. माधव रेड्डी ने कहा कि बल्दिया अधिकारी बल्दिया रेंज के 44 वें डिवीजन अम्मावारी पेटा में चल रही रैली के संदर्भ में प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाकर और पर्यावरण के लिए भक्तों को शिक्षित कर रहे हैं।

इस मौके पर रेड्डी ने कहा कि जब तक मेला चल रहा है, हम स्वच्छता कार्यक्रमों की नियमित निगरानी करने के साथ-साथ श्रद्धालुओं को जागरूक भी कर रहे हैं कि प्लास्टिक का उपयोग कम कर पर्यावरण में अपना योगदान दे सकते हैं । कैंसर से खुद को बचा सकते हैं। इस कार्यक्रम में सेनेटरी सुपरवाइजर भास्कर, सेनेटरी इंस्पेक्टर यादैया, स्टाफ मल्लिया, कुमारस्वामी, शकील, शिवकुमार और अन्य ने भाग लिया।

चिन्ना रेड्डी को राज्य योजना बोर्ड का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जी चिन्ना रेड्डी को तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किये। चिन्ना रेड्डी तत्काल प्रभाव से कैबिनेट मंत्री के पद पर बने रहेंगे।

चिन्ना रेड्डी 1989, 1999, 2004 और 2014 के चुनावों में वनापर्थी विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे।

2007 और 2009 के बीच, उन्होंने तत्कालीन आंध्र प्रदेश में डॉ वाई एस राजशेखर रेड्डी की सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

हाल के विधानसभा चुनावों में, चिन्ना रेड्डी एक बार फिर वनापर्थी से विधायक टिकट के इच्छुक थे, लेकिन बाद में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ चुनाव लड़ने का फैसला वापस ले लिया और टुडी मेघा रेड्डी को टिकट दिया, जो बीआरएस को हराकर विधायक चुने गए हैं।

पुलिस ने ड्रग मामले में नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी पुलिस ने पूर्व बिग बॉस तेलुगु एस 5 उपविजेता शनमुख जसवंथ को उनके खिलाफ दर्ज ड्रग मामले के संबंध में पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए 41 सीआरपीसी के तहत नोटिस जारी किया है।

इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि शनमुख द्वारा लिए गए दवा परीक्षण की रिपोर्ट लगभग दस दिनों में आ जाएगी और रिपोर्ट के नतीजे के आधार पर आवश्यक कारवाई की जाएगी। भांग के साथ पकड़े जाने के बाद शन्मुख जसवन्त कानूनी मुसीबत में फंस गए। यह घटना तब सामने आई जब एक महिला की शिकायत के बाद पुलिस उसके भाई संपत विनय को पकड़ने के लिए उसके आवास पर गई। तलाशी के दौरान, पुलिस ने शनमुख के कब्जे से 16 ग्राम मारिजुआना जब्त किया, जिससे उसके भाई के साथ उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

शनमुख ने लघु फिल्मों में अपने काम से प्रसिद्धि हासिल की और वेब श्रृंखला "सॉफ्टवेयर डेवलपर" और "सूर्या" से और अधिक पहचान हासिल की। यह पहली बार नहीं है जब शनमुख कानूनी मुद्दों को लेकर सुर्खियों में हैं, इससे पहले वह जुबली हिल्स में एक कार दुर्घटना में शामिल थे।

डकैती के तीन अपराधी गिरफ्तार, आभूषण व कार बरामद

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचाकोंडा कमिश्नरेट की उप्पल पुलिस के अधिकारियों ने गंभीर प्रयास किए, सीसीटीवी फुटेज की जांच के माध्यम से अपराध में शामिल वाहन नंबर की पहचान की और विश्वसनीय सूचना पर नल्लाचेरुवुकट्टा, उप्पल में बलेनो कार के साथ आरोपी व्यक्तियों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपनी पहचान बताई और यह अपराध कबूल कर लिया। आरोपियों में दसारी सात्विक रामचन्द्रपुरम, लिंगमपल्ली, संगारेड्डी, मेनेनी अनिल कुमार निवासी अशोक नगर, बीरमगुडा, रामचन्द्रपुरम, लिंगमपल्ली, संगारेड्डी, गड्डे साई कुमार उर्फ कुमार, निवासी, एलआईजी भारती नगर, बीएचएल, लिंगमपल्ली, संगारेड्डी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार बीते 20 फरवरी को नुथलपति रमादेवी निवासी, हनुमासाई नगर, सूर्यनगर कॉलोनी उप्पल से शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत में कहा गया था कि एक अज्ञात पुरुष उसके फ्लैट पर आया और बताया कि उन्डहें बल रूम फ्लैट स्वीकृत किया गया है। कुछ डबल बेडरूम फ्लैट जनता को आवंटित किए गए है। वे सड़क पर इंतजार कर रहे थे और आप सभी को सर (अधिकारी) से मिलना चाहिए। उसकी बातों पर विश्वास करके वह उसके साथ कार में चली गई, उक्त व्यक्तियों ने उप्पल बगायत बाहरी इलाके में कार रोकी और कार चालक ने उसकी गर्दन पकड़ ली और दूसरे व्यक्ति ने उसे चाकू दिखाकर धमकाया और उससे सोने का सामान लूट लिया और उसे वहीं छोड़कर भाग गए। इसलिए उन्होंने आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया। महिला की शिकायत पर आरोपियों को गिरफ्तार कर महिला से लूटा गया 34 ग्राम सोना बरामद कर लिया। अपराधी दसारी सात्विक, अनिल कुमार और साई कुमार उर्फ कुमार दोस्त हैं और सात्विक शिकायतकर्ता का रिश्तेदार है। वह उनके परिवार के बारे में अच्छी तरह से जानता है, कि उसके दो बेटे और एक बेटी हैं, एक बेटा यूएसए में रहता है, उसकी बेटी उड़ीसा में रहती है जबकि दूसरा बेटा पुनर्वास केंद्र में रहता है जबकि वह अपने पोते के साथ उप्पल में रहती है। सात्विक ने शिकायतकर्ता को कई समारोहों में सोने के गहने पहने हुए देखा और उसने डबल बेडरूम घर के लिए आवेदन किया। सात्विक ने ऑनलाइन आवेदन में ऋण लिया और उसे चुकाने में विफल रहा और कर्ज में डूब गया। अपनी वित्तीय समस्याओं को दूर करने के लिए उसने एक योजना बनाई और इसकी जानकारी अपने दोस्तों अनिल कुमार और साई कुमार उर्फ कुमार को दी और वे भी पैसे के लिए इसे क्रियान्वित करने के लिए सात्विक के साथ सहमत हुए। उनकी योजना के अनुसार, सात्विक ने सेल्फ-ड्राइव से एक किराए की बलेनो कार ली और अनिल और साई कुमार को शिकायतकर्ता का घर दिखाया और उन्हें उक्त किराए की कार के साथ शिकायतकर्ता के घर भेजा, उन्होंने खुद को बताया कि वे बेडरूम आवंटित कार्यालय कर्मचारियों से आए थे। अनिल और साई कुमार शिकायतकर्ता को डबल रूम फ्लैट स्वीकृत करने की आड़ में एक सुनसान जगह पर ले गए और उसे चाकू की नोक पर धमकाया और उसके सोने के गहने लूट लिए।

भेड़ वितरण घोटाले की जांच करेगा केंद्र : केंद्रीय मंत्री रूपाला

हैदराबाद, 24 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरषोत्तम रूपाला ने कहा कि केंद्र भेड़ वितरण घोटाले की जांच का आदेश देगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कारवाई की जाएगी।

एंटी करप्शन ब्यूरो तेलंगाना भेड़ पालन योजना में 253 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की जांच कर रही है। भेड़ घोटाले में शामिल चार अधिकारियों को एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया है।

शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, केंद्र इस मामले की गहन जांच करेगा और दोषियों को दंडित करने के लिए कदम उठाएगा।

हम किसी को भी नहीं बख्शने वाले हैं। हम उन्हें बेनकाब करेंगे और उनके नाम सार्वजनिक करेंगे।

यह कहते हुए कि तेलंगाना में भाजपा के पक्ष में हवा चल रही है, रूपाला ने कहा कि लोग आगामी लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी का समर्थन करने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना के लोग चाहते हैं कि मोदी लगातार तीसरी बार पीएम बनें और विकास कार्य जारी रखें।

रूपाला ने आगे कहा की, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा नीत सरकार कुशल और ईमानदार प्रशासन दे रही है और पिछले दस वर्षों में भारत जिस तरह से प्रगति कर रहा है, वह समय दूर नहीं जब यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश

निर्मल, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलक्टर आशीष सांगवान ने शनिवार को कलक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित पल्स पोलियो कार्यक्रम पर जिला टास्क फोर्स समिति की समन्वय बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिले में 3 मार्च को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो कार्यक्रम में समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया। जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो का टीका लगवाने की सलाह दी जाती है। उन्होंने बताया कि जिले में 5 वर्ष से कम उम्र के 86290 बच्चे हैं। शहरी क्षेत्र में 88 तथा ग्रामीण क्षेत्र में 543 पोलियो केंद्र स्थापित किये गये हैं। वे गांवों में टॉम टॉम का आयोजन करना चाहते हैं ताकि इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और शहर के मुख्य चौराहों पर केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया गया है। कार्यक्रम के प्रबंधन में आशा, एएनएम, आंगनबाडी कर्मी, महिला संघ एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया गया है। दूरदराज के इलाकों, खानाबदोश जनजातियों, ईंट भट्टों और निर्माण स्थलों पर बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। 4 और 5 तारीख को घर-घर जाकर सर्वे करने का भी सुझाव दिया गया है।

इससे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन के वरिष्ठ निगरानी चिकित्सा अधिकारी डॉ अतुल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पल्स पोलियो कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। इस बैठक में अपर समाहर्ता फैजान अहमद, किशोर कुमार, डीआरओ गंगैया, जिला स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ धनराज, डीआरडीओ विजयालक्ष्मी, अधिकारी व अन्य शामिल हुए।

विधायकों व अधिकारियों के ड्राइवरों का भी होगा फिटनेस परीक्षण

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी विधायक लास्या नंदिता की शुक्रवार को आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर पाटनचेरुवु के पास एक सड़क दुर्घटना में मौत के मद्देनजर, राज्य सरकार ने विधायकों, आईपीएस और आईएएस अधिकारियों सहित वीआईपी के ड्राइवरों के लिए फिटनेस परीक्षण करने का निर्णय लिया है।

शनिवार को यहां गांधी भवन में एक मीडिया बातचीत में, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि नौसिखिए ड्राइवरों द्वारा संचालित कारों में रहने के परिणामस्वरूप यातायात दुर्घटनाओं में कई वीआईपी मारे गए हैं। उन्होंने कहा, लास्या नंदिता की मौत पर स्वत: संज्ञान लेते हुए, परिवहन विभाग वीआईपी को पत्र लिखकर अपने ड्राइवरों को फिटनेस परीक्षण में भाग लेने की अनुमति देने का अनुरोध करेगा। प्रभाकर ने वीआईपी को लंबी दूरी की यात्रा के लिए चयनित ड्राइवरों को नियुक्त करने की सलाह दी।

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के कर्ज के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के शासन के पिछले दशक में आरटीसी पर 6,000 करोड़ रुपये का कर्ज था। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना के तहत मुफ्त बस यात्रा के कार्यान्वयन के कारण टीएसआरटीसी बसों में महिला यात्रियों की संख्या अधिक थी।

मंत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के कार्यान्वयन के बाद बंदोबस्ती विभाग के राजस्व में वृद्धि हुई है क्योंकि उनमें से कई अपने परिवारों के साथ विभिन्न मंदिरों का दौरा कर रही हैं।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर मे एक शाम श्री खेतलाजी-भैरुजी के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए नैनाराम परिहार। अवसर पर दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए उपाध्यक्ष नारायणलाल सिन्दड़ा, सचिव किशनसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष जसवंत देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, पूर्व अध्यक्ष भुराराम चोयल, जसराज सोलंकी व समाज बन्धु।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रांची टेस्ट में भारत 134 रन पीछे दूसरे दिन स्टंप्स तक स्कोर 219/7

जायसवाल का अर्धशतक

रांची, 24 फरवरी (एजेंसियां)। दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया। टीम इंडिया ने 219/7 रन बना लिए है। भारतीय टीम पहली पारी में 134 रन पीछे है। इंग्लैंड पहली पारी में 353 रन पर सिमट गई थी।

रांची टेस्ट में दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया। टीम इंडिया ने 219/7 रन बना लिए है। भारतीय टीम पहली पारी में 134 रन पीछे है। इंग्लैंड पहली पारी में 353 रन पर सिमट गई थी। ध्रुव जुरेल 30 और कुलदीप यादव 17 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत की तरफ से यशस्वी जायसवाल ने 73 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से स्पिनर शोएब बशीर ने सर्वाधिक चार विकेट झटके।

161 रन पर भारतीय टीम के गिरे 5 विकेट

रांची में दूसरे दिन भारत के ओपनर यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा मैदान में आए। रोहित 2 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद शुभमन गिल और जायसवाल के बीच 82 रनों की पार्टनरशीप हुई। गिल 38 रन पर शोएब बशीर का शिकार बने। इसके बाद बशीर ने रजत पाटीदार 17 रन और रवींद्र जडेजा 12 रन को पवेलियन का रास्ता दिखाया। इसके बाद शोएब बशर ने यशस्वी को अपने जाल में फंसाया। यशस्वी 73 रन पर आउट हो गए। भारत का 5वां विकेट 161 के स्कोर पर गिरा।

कुलदीप यादव और जुरेल ने संभाली पारी

यशस्वी जायसवाल के आउट सरफराज खान और ध्रुव जुरेल के कंधों पर जिम्मेदारी आ गई। तीसरे टेस्ट में दो अर्धशतक लगाने वाले सरफराज कुछ खास नहीं कर पाए। 14 रन पर टॉम हार्टली के स्पिन का शिकार बने। आर अश्विन 1 रन पर पवेलियन चलते बने। भारतीय टीम के 177 रन के स्कोर तक 7 विकेट गिर चुके थे। आखिरी में कुलदीप यादव और ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 7 विकेट पर 219 रन बनाए। टीम इंडिया 134 रन पीछे है।

ओलिंपिक में एथलेटिक्स से सबसे ज्यादा मेडल जीतेगा भारत

एएफआई प्रेसिडेंट बोले- टैलेंट सर्च के बाद फॉरेन कोच से ट्रेनिंग; 200 सेंटर बनाएंगे

अहमदाबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय एथलेटिक्स संघ के प्रेसिडेंट आदिले सुमरिवाला ने कहा कि 2036-ओलिंपिक गेम्स में भारत सबसे ज्यादा मेडल एथलेटिक्स से जीतेगा। उन्होंने कहा कि भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी कर रहा है और हमारी तैयारियां भी जोरों पर हैं।

अगस्त-2023 में वर्ल्ड एथलेटिक्स के वाइस प्रेसिडेंट बनाए गा सुमरिवाला ने कहा- 'पेरिस ओलिंपिक के बाद देश में 200 सेंटर्स पर ट्रेनिंग दी जाएगी। हम नेशनल कैंप को डिसेंट्रलाइज्ड करेंगे। हमने कुछ इवेंट शॉर्टलिस्ट किए हैं और उन इवेंट्स के लिए विदेशी कोच भी नियुक्त कर दी है।'

अहमदाबाद में इंटर डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स मीट के दौरान सुमरिवाला कहा - 2036 ओलिंपिक गेम्स में भारत के सबसे ज्यादा मेडल एथलेटिक्स से आएंगे। हम लगातार एथलेटिक्स में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। एथलेटिक्स में एक समय हमारे पास कोई ओलिंपिक मेडल नहीं था, लेकिन अब हम गोल्ड जीत चुके हैं। सीडब्ल्यूजी और एशियाड में भी हमारे एथलीट

बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारे पास वर्ल्ड चैंपियनशिप का गोल्ड भी है। जैवलिन थ्रो के दुनिया के टॉप-6 में से 3 थ्रोअर हमारे पास हैं। हमने थ्रो, रिले, जंप और वॉक रेस जैसे इवेंट शॉर्टलिस्ट किए हैं। हम इन पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं। इन गेम्स के लिए हमारे पास विदेशी कोच हैं, जो एथलीट्स को लगातार टॉप लेवल की ट्रेनिंग दे रहे हैं।

युवाओं की सोच है कि उन्हें नौकरी मिल जाए, उन्हें अच्छे कॉलेजों में एडमिशन मिल जाए। ऐसे में वे प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए प्रतिबंधित पदार्थ ले लेते हैं। वे सोचते हैं कि रिस्क लिया जाए, अगर नहीं पकड़ में आए, तो बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

हम डोपिंग पूरी तरह से खत्म करना चाहते हैं। इसलिए हमें सख्त कदम उठाने पड़ रहे हैं। भारत में जो डोप के मामले आ रहे हैं, वे देश की जनसंख्या के हिसाब से कम हैं। हम लोग अब ज्यादा टेस्ट करा रहे हैं, इसलिए ज्यादा एथलीट्स के पकड़े जाने की संभावना है। हम डोप टेस्ट और बढ़ा रहे हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग पकड़े जाएं।

हम कैंप के दौरान भी अचानक जा कर चेक करते हैं कि कोई सीरिंज या अन्य दवाइयां तो नहीं ले रहे। हमें ऐसी कोई चीज नजर आती है तो टेस्ट कराते हैं। डोपिंग में आने पर खिलाड़ियों को कैंप से बाहर निकाल कर उन पर बैन लगा दिया जाता है। हमारी कोशिश है कि डोप में फंसने वाले एथलीट के खिलाफ सख्त कदम उठाएं जाए, ताकि कोई भी एथलीट डोपिंग करने से डरे।

हम डोपिंग में किसी भी तरह की छूट नहीं देने वाले। जूनियर एथलीट्स के डोप मामले में कोचिंग की भूमिका के साथ मां-बाप की भूमिका भी होती है। जबकि सीनियर एथलीट्स जानबूझ कर बैन हो चुकी दवाइयां लेते हैं। हम उन्हें किसी भी तरह की छूट नहीं देंगे।

हम ओलिंपिक के बाद नेशनल कैंप को डिसेंट्रलाइज्ड करेंगे। 200 जगहों पर सेंटर खुलेंगे और वहां खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देंगे। ताकि अगर कोई अपने बच्चे को एथलीट बनाना चाहता है तो उनके लिए नजदीकी सेंटर उपलब्ध हो।

टोक्यो ओलिंपिक के बाद पेरेंट्स का इंटरेस्ट एथलेटिक्स में बड़ा है। नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स मीट में ही इस बार 6000 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। बच्चों के साथ कई पैरेंट्स भी आए। यह एक सकारात्मक बदलाव है। हम टैलेंट सर्च से 1000 बच्चों की पहचान कर उनकी काबिलियत के आधार पर विभिन्न सेंटरों में ट्रेनिंग देने पर फोकस कर रहे हैं।

आखिरी बॉल पर छक्का जमाकर जीती मुंबई इंडियंस

डब्ल्यूपीएल-2 के पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 4 विकेट से हराया; यास्तिका-हरमनप्रीत की फिफ्टी

बेंगलुरु, 24 फरवरी (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने विमेंस प्रीमियर लीग के सीजन-2 के ओपनिंग मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 4 विकेट से मात दे दी है। इस रोमांचक मुकाबले में टीम को जीत के लिए आखिरी बॉल पर 5 रनों की जरूरत थी। ऐसे में सजीवन सजना ने छक्का जमाते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी।

मौजूदा सीजन का दूसरा मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और यूपी वॉरियर्स के बीच खेला जाएगा।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई ने 172 रन का टारगेट 20 ओवर में 6 विकेट पर हासिल कर लिया। इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 171 रन का स्कोर खड़ा किया था।

मुंबई की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 34 बॉल पर 55 और ओपनर यास्तिका भाटिया

ने 45 बॉल पर 57 रन बनाए। इससे पहले, नेटली सीवर ब्रंट और अमिलिया केर ने 2-2 विकेट लिए। कप्तान हरमनप्रीत कौर प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं।

मुंबई के टॉप-मिडिल ऑर्डर में 3 साझेदारियां

172 रन का टारगेट चेज करने उतरी मुंबई के टॉप मिडिल ऑर्डर में 3 बड़ी साझेदारियां हुई। इन साझेदारियों की बदौलत मुंबई जीत हासिल कर सकी। शून्य पर मैथ्यूज का विकेट गंवाने के बाद यास्तिका भाटिया ने नेटली सीवर ब्रंट के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 बॉल पर 50, तीसरे विकेट के लिए कप्तान कौर के साथ 45 बॉल पर 56 रन की साझेदारी की।

फिर चौथे विकेट के लिए हरमनप्रीत और अमिलिया केर के बीच 28 बॉल पर 44 रन की अहम साझेदारी हुई।

कैप्सी की फिफ्टी के बावजूद हारी दिल्ली

टीम की टॉप ऑर्डर बैटर एलिस कैप्सी ने अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 53 बॉल में 75 रन की पारी खेली। इसमें 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे। कैप्सी के अलावा, जेमिमा रोड्रिग्ज ने 42 रन बनाए। कप्तान मेग लैनिंग ने 31 रन का योगदान दिया।

कैप्सी की दो अर्धशतकीय साझेदारी

एलिस कैप्सी ने टॉप ऑर्डर पर दो अहम अर्धशतकीय साझेदारियां की। उन्होंने कप्तान मेग लैनिंग के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 बॉल पर 64 रन और जेमिमा रोड्रिग्ज के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 बॉल पर 74 रन की पार्टनरशिप की।

नेटली-केर को 2-2 विकेट

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस की नेटली सीवर ब्रंट और अमेलिया केर ने 2-2 विकेट लिए। शबनिम इस्माइल को एक सफलता मिली।

मौजूदा सीजन के सभी मैच बेंगलुरु और दिल्ली

टूर्नामेंट के सभी मुकाबले बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम और दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसका फाइनल 17 मार्च को दिल्ली में होगा। पिछली बार पूरा टूर्नामेंट मुंबई में हुआ था, लेकिन इस बार वहां एक भी मैच नहीं होना है।

इस सीजन टीमों की संख्या में बदलाव नहीं

पहले सीजन की तरह ही इस सीज 5 टीमें कुल 22 मैच खेलेंगी। ग्रुप स्टेज के अपने 8 मैचों में सभी टीमें आपस में दो-दो बार भिड़ेंगी। लीग राउंड के बाद टॉप पर रही टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी, जबकि दूसरे और तीसरे नंबर की टीम फाइनल में जगह बनाने के लिए एकमात्र प्लेऑफ मैच में भिड़ेंगी। आखिरी स्थान पर फिनिश करने वाली 2 टीमें सीधे बाहर हो जाएंगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच ने रिजाइन दिया

कहा था- भारत में महिलाओं के लिए रहना मुश्किल

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच जेनेक शोपमैन ने अपनी पोस्ट से रिजाइन दे दिया है। उन्होंने हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट दिलीप तिर्की को इस्तीफा सौंप दिया। उन्हें पेरिस ओलिंपिक के लिए भारतीय टीम के क्वालिफाई नहीं कर पाने के बाद आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था।

4 दिन पहले नीदरलैंड की कोच शोपमैन ने कहा था कि भारत में महिलाओं का रहना कठिन है। यहां महिला कोच और प्लेयर्स के साथ भेदभाव होता है। उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों में मुझे बहुत अकेलापन महसूस हुआ। मैं उस संस्कृति से आती हूं जहां महिलाओं का सम्मान किया जाता है और उन्हें महत्व दिया जाता है। मुझे यहां ऐसा महसूस नहीं होता।

2020 में भारतीय टीम से जुड़ी थी शोपमैन

जेनेक शोपमैन 4 साल पहले 2020 में भारतीय टीम के साथ बतौर एनालिटिकल कोच जुड़ीं थीं।

टोक्यो ओलिंपिक्स के बाद उन्हें टीम की हेड कोच बना दिया गया था।

शॉपमैन की कोचिंग में भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ। उनके हेड कोच बनने के बाद टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज, एशियन गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज, एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में गोल्ड और मस्कट एशिया कप-2022 में ब्रॉन्ज जीता।

ओलिंपिक क्वालिफाई नहीं कर पाने के बाद विरोध हुआ

शोपमैन को ओलिंपिक क्वालिफायर के बाद विरोध का सामना करना पड़ा। पिछले महीने जनवरी में रांची में आयोजित FIH ओलिंपिक क्वालीफायर्स में भारतीय टीम पेरिस ओलिंपिक का कोटा हासिल नहीं कर सकी।

ऐसे में हेड कोच की आलोचना हो रही थी। उनका कॉन्ट्रैक्ट जून-जुलाई में एक्सपायर होने वाला था, लेकिन उन्होंने समय से पहले रिजाइन दे दिया।

कर्नाटक के क्रिकेटर को फील्ड पर आया हार्ट अटैक, मौत

तमिलनाडु से जीत का जश्न मना रहे थे 34 साल के होयसला, तभी हुआ हादसा

बेंगलुरु, 24 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में आयोजित एजिस साउथ जोन टूर्नामेंट में कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर के होयसला का दिल का दौरा पड़ने से 34 साल की उम्र में निधन हो गया। यह घटना गुरुवार की है।

दरअसल गएजिस साउथ जोन टूर्नामेंट के तहत बेंगलुरु के आरएसआई ग्राउंड पर तमिलनाड़ और कर्नाटक के बीच मैच खेला गया। इस मैच को कर्नाटक की टीम ने जीत लिया। उसके बाद जब कर्नाटक के खिलाड़ी मैदान पर जीत का जश्न मना रहे थे, तो होयसला अचानक सीने में तेज दर्द की वजह से मैदान पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। ऑन-

साइट डॉक्टरों द्वारा तत्काल आपातकालीन उपचार किया गया, लेकिन होयसला के शरीर ने रिएक्ट करना बंद कर दिया था।

डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

उसके बाद, उन्हें आगे के इलाज के लिए एंबुलेंस से बॉरिंग अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने होयसला को मृत घोषित कर दिया। वह डॉक्टरों ने मृत्यु का कारण हार्ट अटैक को बताया। होयसला के आकस्मिक निधन की खबर से दोनों टीमों के खिलाड़ियों में शोक की लहर दौड़ गई।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने जताई दुखाई

कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोशल मीडिया पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा,' एजिस साउथ जोन टूर्नामेंट के दौरान कर्नाटक के क्रिकेटर तेज गेंदबाज के होयसला के आकस्मिक निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। दुख की इस घड़ी में मेरी हार्दिक संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ है।

एशियाई साइकिलिंग : सरिता ने 500 मीटर टाइम ट्रायल में कांस्य जीता, पैरा वर्ग में अरशद ने जीता दूसरा स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। दो दिन दिन पूर्व टीम स्प्रिंट का स्वर्ण पदक जीतने वाली सरिता कुमारी ने एशियाई ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप में 500 मीटर टाइम ट्रायल में कांस्य पदक जीत लिया। झारखंड की सरिता ने क्वालिफाइंग दौर में 36.91 सेकंड का समय निकालते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। फाइनल में उन्होंने 36.96 सेकंड का समय निकाला। यह इस चैंपियनशिप के जूनियर वर्ग में देश का पहला व्यक्तिगत पदक है।

भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। स्वर्ण और रजत पैरा वर्ग में

आया, जहां अरशद विजेता बने। 500 मीटर टाइम ट्रायल का स्वर्ण कोरिया की पार्क येबीन ने 35.81 सेकंड के साथ स्वर्ण जीता।

सीनियर वर्ग के व्यक्तिगत परस्यूट में मीनाक्षी चौथे स्थान पर रहीं और पदक जीतने से चूक गईं, लेकिन उन्होंने 3.42.51 मिनट का समय निकाल नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। पैरा वर्ग में अरशद शेख ने स्वर्णिम प्रदर्शन का क्रम जारी रखते हुए सी2 क्लास के एक किलोमीटर टाइम ट्रायल का स्वर्ण जीता। यह इस चैंपियनशिप में उनका दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने अपने ही साथी आर्यवर्धन को पराजित किया। आर्यवर्धन को रजत मिला। अरशद ने 1.25.753 मिनट का समय निकाला।

टर्किश कप में वापसी करने उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम, हॉन्ग कॉन्ग से होगा मुकाबला

टर्की, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पहले मैच में एस्टोनिया को हराने के बाद भारतीय महिला फुटबॉल टीम टर्किश कप के दूसरे मैच में हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ इस लय को जारी रखने उतरेगी। भारत ने पहले मैच में एस्टोनिया को 4-3 से हराया था जो सीनियर महिला टीम की किसी यूरोपीय टीम के खिलाफ पहली जीत थी। इससे छाओबा देवी की कोचिंग वाली टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

फीफा रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ भारत का यह पांचवां

मैच होगा। भारत ने पिछले चारों मैच जीते हैं जिनमें 11 गोल दागे और दो गोल गंवाए।

आखिरी बार 2019 में एक दोस्ताना मुकाबले में भारत ने प्यारी शाशा के गोल के दम पर जीत दर्ज की थी।

प्यारी ने एस्टोनिया के खिलाफ पहले मैच में भी गोल दागा। भारत इस समय तीन अंक और प्लस एक का गोल औसत लेकर तालिका में शीर्ष पर है जबकि हॉन्ग कॉन्ग का खाता भी नहीं खुला है और वह आखिरी स्थान पर है।

तीसरे टी-20 से हटे डेविड कॉन्वे और वॉर्नर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी-20 में कॉन्वे को लगी थी चोट, वॉर्नर भी चोटिल

वेलिंग्टन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के ओपनर डेविड वॉर्नर और न्यूजीलैंड के विकेट कीपर बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे तीसरे टी-20 मैच से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम न्यूजीलैंड दौरे पर है। कंगारू और कीवी टीम के बीच रविवार को ऑकलैंड में तीसरा टी-20 मुकाबला खेला जाना है।

वॉर्नर की जगह स्टीव स्मिथ को तीसरे टी-20 में भी प्लेइंग इलेवन

में मौका मिलना तय है। वहीं कॉन्वे की जगह न्यूजीलैंड की टीम ने टिम सिफर्ट को शामिल किया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक वॉर्नर इंजरी की वजह से तीसरे मुकाबले से बाहर हैं। वॉर्नर को रिकवरी में कुछ समय लगेगा। हालांकि, इससे आईपीएल या उसके बाद आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में उनकी मौजूदगी प्रभावित नहीं होगी।

वॉर्नर ऑकलैंड में शुक्रवार को खेले गए मैच से भी बाहर थे। हालांकि, उन्हें रोटेशन की वजह से भी उनका दूसरे टी-20 में खेलना तय नहीं था।

धरणी में लंबित आवेदनों को तुरंत हल किया जाए : रेवंत रेड्डी

सीएम ने धरणी समिति के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने धरणी में लंबित आवेदनों को तुरंत हल करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि मार्च के पहले सप्ताह में सभी मंडल तहसीलदार कार्यालयों में इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

धरणी समिति द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान में रखते हुए, राजस्व विभाग को लंबित आवेदनों के निपटान के लिए आवश्यक प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश दिया गया। राज्य भर में धरणी में 2.45 लाख मामले लंबित हैं। पहले चरण में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से चर्चा की कि इन मुद्दों को तुरंत हल करने के क्या उपाय हैं। सीएम ने अधिकारियों को किसानों को परेशान किए बिना इन मुद्दों को तुरंत हल करने के लिए आवश्यक आदेश जारी करने और मार्च के पहले सप्ताह में इसकी व्यवस्था करने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को सचिवालय में धरणी समिति के साथ समीक्षा बैठक की। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, धरणी समिति के सदस्य एम. कोदंडा रेड्डी, सेवानिवृत्त आईएएस रेमंड पीटर, वकील सुनील, सेवानिवृत्त विशेष ग्रेड कलेक्टर बी. मधुसूदन, सरकार की प्रमुख सचिव शांतिकुमारी, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव नवीन मित्तल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव शेषाद्रि, सीसीएलए अधिकारी लच्छी रेड्डी और उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

धरणी समिति ने मुख्यमंत्री को रिपोर्ट दी कि 2020 में लागू हुए आरवीआर एक्ट में खामिया हैं। उन्होंने कहा कि मात्र तीन माह में जल्दबाजी में किये गये व्यापक भूमि सर्वेक्षण से ही नयी जटिलताएं आ गयीं। उन्होंने कहा कि जब से सरकार ने उन अभिलेखों को मानक मान लिया है, तब से भूमि संबंधी समस्याएं और भूमि अभिलेख संबंधी विवाद बढ़ गये हैं। बताया गया कि इससे लाखों समस्याएं पैदा हो गई हैं, नामों में छोटी-छोटी मुद्रण संबंधी त्रुटियों को भी ठीक कराने के लिए जिला कलेक्टर के पास जाना पड़ता है। समिति ने सीएम के ध्यान में लाया कि राजस्व विभाग ने लगभग 35 मॉड्यूल के माध्यम से धरणी डेटा में गलतियों को सुधारने का अवसर दिया है, लेकिन किस मॉड्यूल के लिए आवेदन करना है, इसकी समझ नहीं होने के कारण किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि लाखों आवेदन पहले ही खारिज हो चुके हैं और हर गलती को सुधारने के लिए एक हजार रुपये शुल्क देना किसानों के लिए बोझ बन गया है। चर्चा हुई कि निबंधन विभाग और राजस्व विभाग के बीच समन्वय की कमी के कारण प्रतिबंधित सूची की जमीन की भी बिक्री हो रही है। यह चर्चा की गई कि करोड़ों सरकारी धन का पहले ही दुरुपयोग किया जा चुका है क्योंकि कृषि विभाग ने धरणी डेटा को मानक के रूप में लिया और इसे रैतू बंधु के खाते में जमा कर दिया। समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को बताया कि मौजूदा धरणी कमियों को दूर करने के लिए कानून में संशोधन करने या नया आरवीओ अधिनियम बनाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

सीएम ने कहा कि समस्याओं का अधिक गहराई से अध्ययन करना और बिना किसी भूमि विवाद या नई जटिलताओं के भूमि रिकॉर्ड को साफ करना आवश्यक है। सीएम ने समिति के सदस्यों को भूमि रिकॉर्ड पर सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों में मौजूदा त्रुटियों की जांच करने और नई समस्याओं से बचने के लिए सचेत किया। उन्होंने कहा कि समिति की अंतिम रिपोर्ट के आधार पर स्थायी समाधान के लिए निर्णय लिया जाएगा। तब तक सीएम ने उन समस्याओं पर फोकस करने की बात कही, जिनका तुरंत समाधान जरूरी है।

डिप्टी सीएम ने यादाद्रि थर्मल पावर प्रोजेक्ट के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लु ने अधिकारियों को यदाद्रि थर्मल पावर प्रोजेक्ट का काम जल्द पूरा कर उपलब्ध कराने का आदेश दिया। शनिवार सुबह उन्होंने मंत्री उत्तमकुमार रेड्डी और कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ हैदराबाद से हेलीकॉप्टर से नलगोंडा जिले के दमराचार्ला मंडल में निर्माणाधीन थर्मल पावर प्रोजेक्ट का दौरा किया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

इससे पहले, थर्मल पावर स्टेशन पर स्थानीय लोगों से याचिकाएं प्राप्त हुई थीं। इस मौके पर स्थानीय विधायक बथुला लक्ष्मारेड्डी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शंकर नाइक, अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं ने मंत्री समूह का गर्मजोशी से स्वागत किया। डिप्टी सीएम ने प्रोजेक्ट की प्रगति पर अच्छा प्रेजेंटेशन देने के लिए अधिकारियों को बधाई दी। इस परियोजना के बारे में उत्तमकुमार रेड्डी और कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी, जो वर्तमान में मंत्री हैं, इस परियोजना के बारे में पूरी तरह से अवगत हैं और उन्होंने बताया कि जब वे पूर्व में सांसद थे तो उन्होंने इस परियोजना की प्रगति के लिए काम किया था।

अधिकारियों को परियोजना को पूरा करने के लिए दोनों मंत्रियों का पूरा सहयोग लेने का निर्देश दिया गया। यह बताया गया है कि बजट में भारी वृद्धि हुई है क्योंकि परियोजना की अनुमानित लागत पहले ही दोगुनी हो गई है और परिणामस्वरूप यह राज्य के खजाने पर बोझ बन गया है और लोग चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह प्रोजेक्ट जल्द पूरा नहीं हुआ तो यह असहनीय बोझ बन जायेगा। इसीलिए हमने लंबित परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है और इस क्रम में हम फील्ड स्तर पर थर्मल पावर स्टेशन की जांच कर रहे हैं। याद दिलाया गया कि इस परियोजना की प्रगति की समीक्षा पहले हैदराबाद में की गई थी। उन्होंने कहा कि परियोजना को पूरा करने के लिए राज्य सरकार की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा। वे परियोजना के माध्यम से स्थानीय कुशल और अकुशल सभी लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के बारे में सोचना चाहते हैं। उन्होंने वर्तमान में कार्यरत अकुशल मजदूरों, कहां से आ रहे हैं, इसकी जानकारी ली। इस मौके पर अधिकारियों ने जवाब दिया कि परियोजना पूरी होने के बाद स्थानीय लोगों को अवसर प्रदान किये जायेंगे। प्रोजेक्ट को जल्द पूरा करने के लिए एक सिस्टम और सक्षम अधिकारी नियुक्त करने का सुझाव दिया गया है।

महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों की पहचान पर अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, साइबराबाद अविनाश मोहंती ने आगामी लोकसभा चुनावों के संबंध में साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में विभिन्न पुलिस स्टेशनों के स्टेशन हाउस अधिकारियों और पुलिस सेक्टर अधिकारियों के साथ एक प्रशिक्षण सत्र बुलाया। प्रशिक्षण सत्र में राजस्व विभाग के सेक्टर अधिकारियों के समन्वय से सेक्टर पुलिस अधिकारियों द्वारा महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों की पहचान, क्रिटिकल मतदान केंद्रों के कारण और डीईओ को रिपोर्ट भेजने के लिए ध्यान देने योग्य बिंदुओं का विवरण आदि पर चर्चा की गई।

इसके साथ ही कहा गया कि आम जनता में वोट डालने के लिए विश्वास पैदा करने के लिए विश्वास बहाली के उपाय किए जाएंगे। साइबराबाद सीमा में स्वतंत्र, निष्पक्ष, सहभागी, सुलभ, समावेशी और सुरक्षित चुनाव कराने के लिए उपाय किए जाएंगे। क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर बल की तैनाती की जाएगी। विभिन्न पुलिस स्टेशनों से कुल 18 पुलिस निरीक्षक और 85 सेक्टर पुलिस अधिकारी (एसपीओ) ने प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।

मोदी का विजन भारत को विश्व गुरु बनाने का है : डी.के. अरुणा

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने भारत को विभिन्न क्षेत्रों में विश्व अग्रणी बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को व्यक्त किया। मीडिया को दिए एक बयान में अरुणा ने जाति, धर्म या समुदाय के बावजूद सभी समुदायों के विकास और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए मोदी की प्रतिबद्धता का खुलासा किया। अरुणा ने कोविड-19 महामारी के दौरान औद्योगिक विकास और वैक्सीन उत्पादन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए आर्थिक संतुलन और विकास को आगे बढ़ाने में मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेशों पर प्रकाश डाला, जिसमें हाल के बजट में पलामूरू विश्वविद्यालय को 20 करोड़ रुपये और तेलंगाना के विकास के लिए 10 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

अरुणा ने बीआरएस सरकार की पलामुरु रंगा रेड्डी परियोजना को संभालने और परियोजना के डिजाइन में बदलाव करके धन के दुरूपयोग की आलोचना की।

हुजूरनगर विधानसभा क्षेत्र में 437.70 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की शुरूआत

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूर नगर निर्वाचन क्षेत्र में उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने आज 437.70 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। उपमुख्यमंत्री ने राज्य के सिंचाई और सिविल कार्य मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और सड़क और भवन मंत्री कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ इन कार्यों की शुरूआत की। नलगोंडा जिले के दमाराचर्ला मंडल में निर्माणाधीन थर्मल पावर प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने के बाद, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए हुजूर नगर निर्वाचन क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर डोंडापाडु के पास चिंताला पालेम मंडल को 400 करोड़ की लागत से स्थापित होने वाली इनोवेरा केमिकल फैक्ट्री के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

मंत्रियों ने इसी मंडल के नक्कागुडेम में लंबे समय से बिना मरम्मत के बेकार पड़ी लिफ्ट योजना का जीर्णोद्धार कार्य शुरू कराया है। 37.70 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई इस लिफ्ट सिंचाई योजना के पूरा होने से किश्तापुरम, चिंतिरियाला और नक्कागुडेम गांवों में 3200 एकड़ फसल की सिंचाई होगी। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी ने इस मार्ग पर किश्तापुरम गांव में किसानों और खेतिहर मजदूरों के साथ फसलों की स्थिति पर चर्चा की।

बेगमपेट रेलवे स्टेशन का लेआउट बदला जाएगा

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हैदराबाद के कई रेलवे स्टेशनों का कायापलट होने जा रहा है। मल्काजगिरी, हाई-टेक सिटी, हाफिजपेट, मालकपेट, अपगुडा और हैदराबाद रेलवे स्टेशनों पर काम शुरू हो गया है। सिकंदराबाद मंडल के उप वाणिज्य प्रबंधक मनोहर रेड्डी ने कहा कि बेगमपेट रेलवे स्टेशन के विकास के लिए 26.55 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। डी.एम. इसमें कहा गया है कि

रेलवे ने फैसला किया, हैदराबाद रेलवे स्टेशन के लिए 309 करोड़ रुपये और एमएमटीएस स्टेशनों के लिए 144.06 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

स्टेशन को हवाईअड्डा स्तर की सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए, जहां प्रतिदिन लगभग 16,648 यात्री आते हैं। रेलवे ने फैसला किया, हैदराबाद रेलवे स्टेशन के लिए 309 करोड़ रुपये और एमएमटीएस स्टेशनों के लिए 144.06 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

यात्रियों के लिए आधुनिक शौचालय, 12 मीटर चौड़ा पैदल यात्री पुल, 2 लिफ्ट, एस्केलेटर, पूरे प्लेटफार्म के लिए शेड का निर्माण, स्टेशन के बाहर लॉन और सीवेज ट्रीटमेंट की व्यवस्था की जा रही है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुसार। एमएमटीएस स्टेशनों पर रुकने के लिए एक्सप्रेस ट्रेनों का विकास किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म की लंबाई पहले ही बढ़ा दी गई है, लेकिन डीएम उनमें और अधिक सुविधाएं लाता है। रेलवे शामिल हैं 24 बोगी वाली ट्रेन जहां रुकती है, उस पूरे प्लेटफॉर्म पर छत है। दोनों तरफ एमएमटीएस स्टेशनों तक पहुंचने के लिए सड़कें, नए 6 मीटर चौड़े पुल और लिफ्ट का निर्माण किया जाएगा। यात्रियों को सुविधाओं का आसानी से पता लगाने में सक्षम बनाने के लिए विश्राम कक्ष और डिजिटल साइन बोर्ड उपलब्ध होंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.